होली की हार्दिक शुभकामनाएँ
सोमवार
25 मार्च 2024
केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

भाजपा ने जारी की सूची, बक्सर से नया चेहरा

चौबे बाबा का टिकट कटा मिथिलेश तिवारी मैदान में

लोकसभा चुनाव

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की पांचवी सूची रविवार की रात जारी कर दी गई। इसमें बिहार समेत कई राज्यों के 111 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। इस सूची में मंडी से अभिनेत्री कंगना रनौत का नाम है। कुरुक्षेत्र से नवीन जिंदल का टिकट कंफर्म हो गया है। अरुण गोविल को मेरठ से बीजेपी ने चुनाव मैदान में उतारा है। वरूण गांधी का नाम लिस्ट में नहीं है। उनकी जगह उनकी मां मेनका गांधी को टिकट दिया गया है। वह सुल्तानपुर से दावेदारी करेंगी। वहीं बात करें बिहार की तो यहां लोकसभा की कुल 40 सीटों में से 17 पर बीजेपी ने अपना प्रत्याशी उतारने का फॉर्मूला तय किया है। इस फॉर्मूला में 16 सीटें जदयू को दी गई है। वहीं पांच सीट लोजपा रामविलास व दो सीट उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी की मिली है।

वहीं बिहार 17 लोकसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों की जो सूची जारी की गई है। उनमें अधिकतर नाम पुराने हैं। हालांकि इस बार बक्सर के दो बार के सांसद रहे अश्विनी चौबे का पत्ता कट गया है। उनकी जगह पार्टी ने बक्सर से मिथिलेश तिवारी पर भरोसा जताया है। मूलरूप से गोपालगंज जिले के डुमरिया के रहने वाले मिथिलेश तिवारी दो बार बैकुंठपुर के विधायक रह चुके हैं। वहीं भाजपा के कद्दावर नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को फिर एक बार बेगूसराय से पार्टी ने टिकट दिया है।

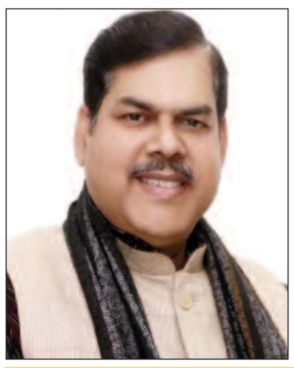

बिहार के 17 सीटों पर इन्हें मिला टिकट

पश्चिम चंपारण - संजय जायसवाल	सारण - राजीव प्रताप रूडी
पूर्वी चंपारण- राधा मोहन सिंह	उजियारपुर - नित्यानंद राय
अररिया- प्रदीप कुमार सिंह	बेगूसराय - गिरिराज सिंह
औरंगाबाद- सुशील कुमार सिंह	नवादा - विवेक ठाकुर
मधुबनी- अशोक कुमार यादव	पटना साहिब - रविशंकर प्रसाद
दरभंगा - गोपाल जी ठाकुर	पाटलिपुत्र - रामकृपाल यादव
मुजफ्फरपुर - राज भूषण निषाद	आरा- राजकुमार सिंह
महाराजगंज - जनार्दन सिंह सिग्रिवाल	बक्सर - मिथिलेश तिवारी
	सासाराम - शिवेश राम

उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों के नाम घोषित

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से राघव लखनपाल, मुरादाबाद से सर्वेश सिंह, मेरठ से अरुण गोविल, गाजियाबाद से अजय गर्ग, अलीगढ़ से सतीश गौतम, हाथरस से अनूप वाल्मिकी , बदायूं से दुर्विजय सिंह शाक्य और बरेली से छत्रपाल सिंह गंगवार को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही बीजेपी ने पीलीभीत से जितिन प्रसाद, सुल्तानपुर से मेनका गांधी, कानपुर से रमेश अवस्थी, बारांबकी से राजरानी रावत और बहराईच से अरविंद गोंड को प्रत्याशी बनाया गया है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और यूपी बीजेपी के प्रभारी बैजयंत पांडा ने हिस्सा लिया था। इस दौरान राज्य में लोकसभा चुनाव के साथ उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम पर मंथन हुआ था। इस नए ऐलान के साथ बीजेपी ने यूपी में कुल 63 सीटों पर उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। यूपी में बीजेपी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और निषाद पार्टी के साथ चुनाव लड़ रही है। पार्टी के साथ अपना दल सोनेलाल पटेल भी है। पार्टी ने 6 सीटें सहयोगियों और 74 सीटें अपने पास रखी हैं।

उज्जैन के महाकाल मंदिर में 51 क्विंटल फूलों से खेली गई होली

एजेंसी/उज्जैन

रंगों के त्योहार होली की शुरुआत रविवार से उज्जैन के महाकाल मंदिर से हो गई। बाबा के दर्शन और होली की शुरूआत करने के लिए हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ महाकाल मंदिर पहुंची। बाबा महाकाल की भक्ति में लीन भक्तों ने यहां फूलों से होली खेली। महाराष्ट्र के नांदेड़ से आए एक भक्त ने बाबा महाकाल को 51 क्विंटल फूल अर्पित किए, जिसके बाद उन्हीं फूलों से लोगों ने होली खेली। होली का त्योहार मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश में 25 मार्च को है। वहीं बिहार के कई इलाकों में 26 मार्च को होली मनाई जाएगी। लेकिन परंपरा के अनुसार हर साल सबसे पहले होली बाबा महाकाल के मंदिर से शुरू होती है।

उसी प्रकार से उज्जैन के महाकाल मंदिर से होली की शुरूआत हुई। परंपरा के अनुसार, भस्मारती में बाबा महाकाल को रंग लगाया गया। बाबा को रंग लगाने के बाद से पुजारियों और मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने फूलों से होली खेली। महाकाल मंदिर से होली की शुरूआत होने के बाद शाम के समय मंदिर परिसर में मंत्रोच्चारण के साथ होलिका दहन किया गया। बता दें कि होली के त्योहार से एक दिन पहले महाकाल मंदिर से होली की शुरूआत की ये परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही। सबसे पहले महाकाल मंदिर में होली मनाई जाती है, उसके बाद ही देशभर में होलिका दहन होती और रंगों के इस त्योहार की शुरूआत होती है। भारत के कोने-कोने से लेकर विदेश से भी लोग महाकाल की होली देखने उज्जैन पहुंचते हैं।

लोस चुनाव के लिए जदयू ने की 16 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा

केटी न्यूज/पटना

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशियों के नाम का एलान कर दिया है। जदयू ने 16 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की है। सीतामढ़ी के सांसद और जदयू नेता सुनील कुमार पिंटू का टिकट कट गया है। उनकी जगह विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर को टिकट दिया गया है। सीवान की सांसद कविता सिंह का भी टिकट कट गया है। उनके जगह विजयालक्ष्मी देवी को पार्टी ने लोकसभा उम्मीवार बनाया है। वहीं चुनाव से पहले ही लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके विधायक गोपाल मंडल को भी टिकट नहीं दिया गया। वहीं किशनगंज लोकसभा सीट से 2019 जदयू के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले सैयद महमूद अशरफ के जगह पार्टी ने मुजाहित आलम को टिकट दिया है। वहीं शिवहर से लवली आनंद के नाम पर पार्टी ने मुहर लगाई है। जनता दल यूनाइटेड के दफ्तर में वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह ने 16 सीटों पर लोकसभा प्रत्याशियों के नाम का एलान किया है।

ये हैं उम्मीदवार

वाल्मीकि नगर- सुनील कुमार
शिवहर - लवली आनंद
सीतामढ़ी - देवेश चंद्र ठाकुर
झंझारपुर- रामप्रीत मंडल
सुपौल- दिलेश्वर कामत
किशनगंज- मुजाहिद आलम
कटिहार- दुलालचंद्र गोस्वामी
पूर्णिया- संतोष कुमार कुशवाहा
मधेपुरा- दिनेश चंद्र यादव
गोपालगंज- डॉ. आलोक सुमन
सीवान- विजयालक्ष्मी देवी
भागलपुर - अजय कुमार मंडल
बांका - गिरिधारी यादव
मुंगेर - राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह
नालंदा- कौशलेंद्र कुमार
जहानाबाद- चंदेश्वर आजाद

सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस, आप व अन्य विपक्षी दल 31 को करेंगे रैली

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व अन्य विपक्षी दल दिल्ली में 31 मार्च को रैली करेंगे। इस रैली में इंडिया गठबंधन के सभी दल शामिल होंगे। रविवार को कांग्रेस, लेफ्ट और आम आदमी पार्टी ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली और लेफ्ट नेताओं ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अपना विरोध जताया। गोपाल राय ने कहा कि 31 मार्च की रैली रामलीला मैदान में आयोजित की जाएगी। इसके लिए पुलिस व प्रशासन से अनुमति ली जाएगी। यह रैली रविवार 31 मार्च सुबह 10 बजे बुलाई गई है।

गोपाल राय ने कहा कि जिस कथित शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है उसमें आज तक कोई मनी ट्रेल सीबीआई या ईडी नहीं ढूंढ पाई है। राय ने कहा कि चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी के खाते सीज कर दिए गए। आज कांग्रेस पार्टी चुनाव प्रचार के लिए अपने ही खातों के पैसों का इस्तेमाल नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि यदि इतनी पुरानी पार्टी का खाता सीज हो सकता है तो इनको चंदा देने वाले व्यापारियों का खाता भी सीज किया जा सकता है। लोगों की स्वतंत्रता का हनन हो रहा है। वहीं कांग्रेस प्रदेश

अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि हम देश में लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई में अपने गठबंधन के सभी साथियों के साथ मजबूती से खड़े हैं। लवली ने कहा कि चुनाव में सभी को समान अवसर नहीं मिल रहे। चुनाव जीतने के लिए चुने हुए मुख्यमंत्रियों, चाहे वह हेमंत सोरेन हों या अरविंद केजरीवाल, उनको गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने सत्ता पक्ष से प्रश्न करते हुए कहा कि आप किस तरह का लोकतंत्र देश में स्थापित करना चाहते हैं। लवली ने कहा कि 31 तारीख को होने वाली रैली में गठबंधन के सभी शीर्ष नेता होंगे। यह रैली कोई राजनीतिक रैली नहीं होगी, बल्कि यह देश में लोकतंत्र को बचाने का एक कदम है। उन्होंने कांग्रेस के कार्यकताओं के अलावा सभी सामाजिक संगठनों, आरडब्लूए व सिविल सोसाइटी के लोगों से इस रैली में पहुंचने का अनुरोध किया। वहीं लेफ्ट ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए आम आदमी पार्टी को अपना पूरा समर्थन देने का ऐलान किया है।

उप्र में इस बार रिकॉर्ड समय में घोषित हो सकता है रिजल्ट

83% उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूर्ण

केटी न्यूज/लखनऊ

नकलविहीन परीक्षाएं संपन्न कराने के बाद अब यूपी बोर्ड रिकॉर्ड समय में परीक्षाफल घोषित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके लिए उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य त्वरित गति से किया जा रहा है। इस क्रम में यूपी बोर्ड ने शनिवार तक कुल 2,38,57,119 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूर्ण कर लिया है। इस तरह परीक्षा में सम्मिलित रहे परीक्षार्थियों की कुल दो करोड़ पचासी लाख उत्तर पुस्तिकाओं के सापेक्ष अब तक 83.46 प्रतिशत उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकित हो चुकी हैं। मालूम हो की विगत वर्ष बोर्ड ने 100 दिनों के अंदर परीक्षाफल घोषित कर एक रिकॉर्ड बनाया था। इस बार बोर्ड इस अवधि में और सुधार कर सकता है।

बोर्ड के सचिव दिब्यकांत शुक्ल ने बताया कि शनिवार 23 मार्च को 242 मूल्यांकन केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य सम्पादित हुआ। इस दौरान कुल 21,51,349 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने बताया कि बोर्ड की परीक्षाएं 22 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च को महज 12 कार्यदिवसों में संपन्न हुई थी। इसके बाद 16 मार्च से उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य शुरू हुआ, जिसे 31 मार्च तक संपन्न किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

आईएसआईएस से संबंध के आरोप में आईआईटी गुवाहाटी का छात्र गिरफ्तार

एजेंसी/गुवाहाटी

तीन दिन पहले आईएसआईएस इंडिया के प्रमुख हारिस फारूकी उर्फ हरीश अजमल फारुखी को गिरफ्तार किया गया था। मामले में ताबड़तोड़ छानबीन के बीच आईएसआईएस से संबंध के आरोप में आईआईटी गुवाहाटी का छात्र तौसीफ अली फारूकी गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी। पूछताछ में मिले कई विश्वसनीय सबूत, लिया हिरासत में गौरतलब है कि आरोपी तौसीफ अली फारूकी, जो आईआईटी गुवाहाटी में बायोसाइंस के चौथे वर्ष का छात्रा है, उसे शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। असम एसटीएफ के महानिरीक्षक पार्थसारथी महंत ने बताया कि उससे पूछताछ के बाद हमें आईएसआईएस के साथ उसके संबंधों के विश्वसनीय सबूत मिले। जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी पार्थसारथी महंत ने कहा कि हमने आईआईटी-गुवाहाटी परिसर के अंदर उसके छात्रावास के कमरे में भी तलाशी ली। उन्होंने बताया कि दिल्ली के रहने वाले फारूकी को गिरफ्तार किया गया था।

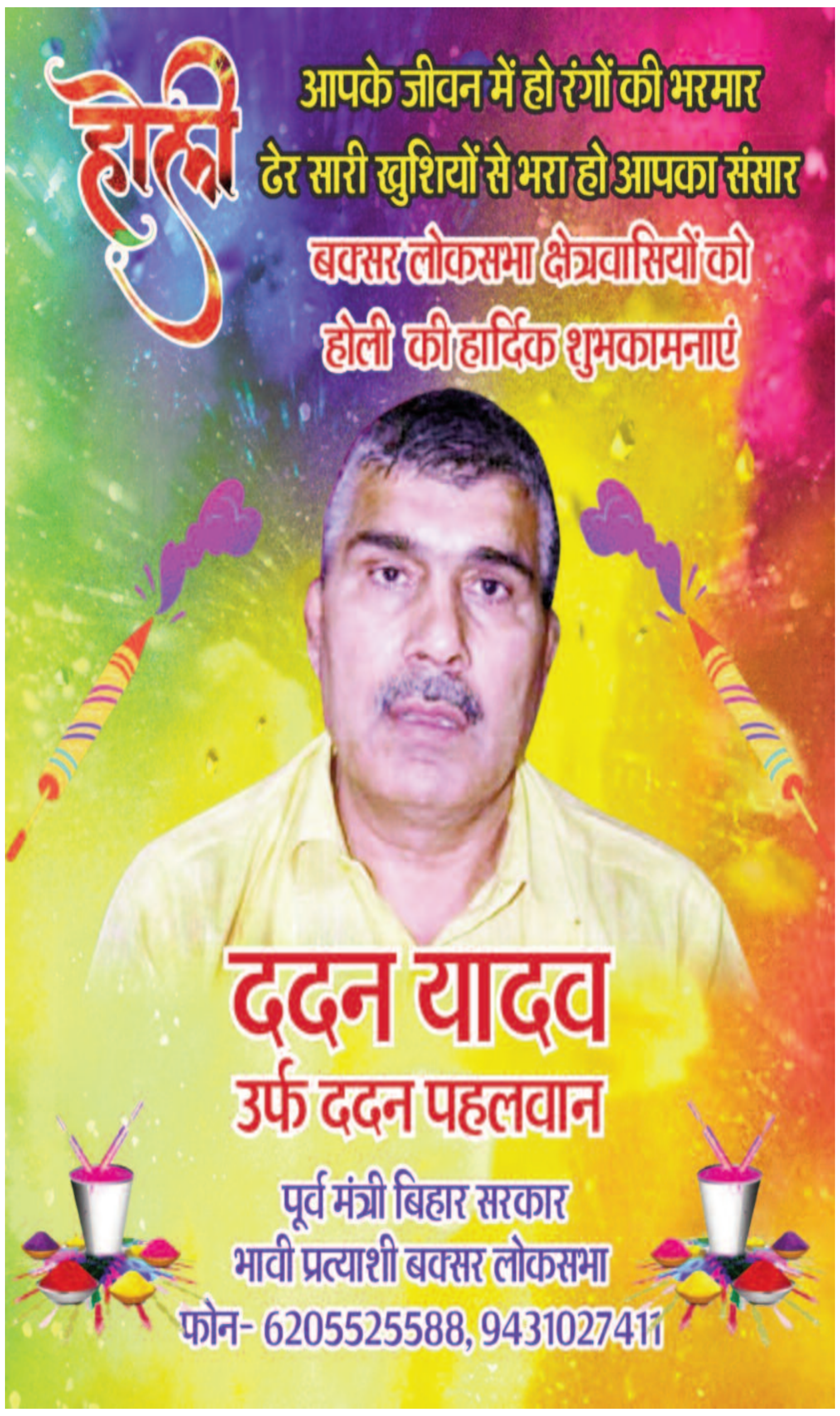

पिछले तीन सालों से लालू नहीं मना पा रहे है होली अपने समर्थकों के साथ

बिहार में होली नहीं खेलेंगे लालू यादव पोती का जन्मदिन मनाने दिल्ली हुए रवाना

केटी न्यूज/पटना

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पहले पटना में कुर्ता फाड़ होली खेला करते थे। लेकिन, पिछले दो तीन साल से वो होली नहीं मना रहे हैं। लालू कभी जेल में तो कभी किडनी ट्रांसप्लांट के बाद अस्पताल में रहे। जिस कारण से होली नहीं मनी। इस बार भी लालू बिहार में होली नहीं खेलेंगे। क्योंकि रविवार की शाम पूरे परिवार के साथ लालू पटना से दिल्ली रवाना हो गये हैं। होली में लालू और उनका परिवार पटना में नहीं रहेगा। लालू और राबड़ी देवी की पोती कात्यायनी का जन्मदिन 27 मार्च को है। जिसे बड़े ही धूमधाम के साथ दिल्ली में मनाने की तैयारी है। पोती के जन्मदिन में शामिल होने के लिए लालू-राबड़ी दिल्ली रवाना हो गये हैं। उनके साथ तेजस्वी यादव, मीसा भारती सहित परिवार के कई लोग दिल्ली रवाना हो

गये। दिल्ली जाने से पहले लालू, तेजस्वी और मीसा भारती ने बिहार की जनता को हैप्पी होली कहा। लालू परिवार ने प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान लालू ने मीडिया के सियासी सवालों का जवाब नहीं दिया। बता दें कि लालू परिवार के लिए 27 मार्च बेहद खास दिन है। इस दिन तेजस्वी यादव और राजश्री की बीटिया कात्यायनी का पहला जन्मदिन है। कात्यायनी के एक साल पूरा होने पर दिल्ली में ग्रैंड पार्टी रखी गयी है। जिसमें पूरा लालू परिवार शामिल होगा। कात्यायनी का बर्थडे धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। तेजस्वी की बेटी के जन्मदिन में महागठबंधन के कई बड़े नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। उम्मीद है कि वो इस बर्थडे पार्टी में शामिल होंगे और बिटिया कात्यायनी को आशीर्वाद देंगे। बता दें कि राजश्री और बेटी कात्यायनी पहले से ही दिल्ली में है। लालू यादव का पूरा परिवार इस बार होली दिल्ली में मनाएगा और एक बार फिर राबड़ी आवास में सन्नाटा पसरा दिखेगा।

गैस सिलेंडर सिंबल के साथ चुनाव में उतरेंगे उपेंद्र कुशवाहा

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने रविवार को ऐलान किया कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय लोक मंच को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा गठित पार्टी को निर्वाचन आयोग के तरफ से चुनाव चिन्ह दे दिया गया है। इनकी पार्टी को भरा हुआ गैस सिलेंडर चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। कुशवाहा ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में हमारी पार्टी एक सीट पर चुनाव मैदान में होगी। इस बार कराकट सीट से हमारी पार्टी राष्ट्रीय लोक मंच भरा हुआ गैस सिलेंडर चुनाव चिन्ह के साथ मैदान में होगी। हमारी पार्टी को निर्वाचन आयोग के तरफ से कॉमन सिंबल दिया गया है। अब हम जल्द ही अपने कैंडिडेट के नाम की आधिकारिक एलान करेंगे। इसके साथ ही कुशवाहा ने कहा कि- हमारी पार्टी एनडीए के साथ सभी 40 सीटों पर जीत हासिल करने जा रही है। हमलोगों ने पूरी तैयारी कर ली है। सभी जगह पर हमलोग अच्छे अंतर से जीतेंगे। हमारी तैयारी पूरी हो चुकी है। इस बार मोदी सरकार 400 पार होने जा रही है। इसके साथ ही बिहार मने भी हमारी पार्टी के साथ ही साथ पूरा एनडीए 40 सीटों पर जीत हासिल कर रही है।

जदयू नेता गोपाल मंडल ने कहा- जिनको पार्टी प्रत्याशी बनाया, उनका प्रचार करेंगे

केटी न्यूज/भागलपुर

जेडीयू ने लोकसभा की 16 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भागलपुर लोकसभा सीट से एक बार फिर अजय मंडल को ही प्रत्याशी बनाया गया है। गोपालपुर से जेडीयू विधायक गोपाल मंडल टिकट की आस में बैठे थे, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी है। टिकट नहीं मिलने के सवाल पर गोपाल मंडल ने कहा कि कुर्ता के पॉकेट में टिकट था, कोई चोरी कर लिया। गोपाल मंडल ने कहा कि जिनको भी टिकट मिला है। उनका प्रचार करेंगे। जब अजय मंडल को टिकट मिला है तो पार्टी ने कुछ सोचकर दिया होगा। हम उनका प्रचार करेंगे। अब कितना मेहनत कर सकते हैं, ये उस पर निर्भर करता है। हम पार्टी के फाउंडर मेंबर हैं। जिसके मुंह में बोली नहीं था, उसको टिकट दे दिया। हम बोलने वाले आदमी हैं। टिकट मिलना चाहिए था। नीतीश कुमार को लगा होगा कि हम इसको टिकट दे देंगे तो एक विधायक मेरा घट जाएगा, इसलिए हमको टिकट नहीं दिए।वहीं, आरजेडी में जाने के सवाल पर गोपाल मंडल ने कहा कि उसमें कौन जाएगा। इस बार बिहार में एनडीए सभी 40 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। बता दें, कुछ दिन पहले जदयू विधायक गोपाल मंडल ने कहा था कि यहां का टिकट मेरे पॉकेट में है। मैं ही यहां से जीत सकता हूं। सबसे बात हो गई है। अजय मंडल को टिकट के सवाल पर कहा था कि पांच साल तक जनता से भागते रहे हैं। उससे पहले पांच साल तक बुलो मंडल ने भागलपुर के लोगों को ठगा है। इसलिए अब उन्हें ही टिकट मिलेगा। अजय मंडल को बाइपास सर्जरी हुई है। छोटा भाई है। उसको समझा दिया है कि तुम विधानसभा लड़ना। भागलपुर पूर्वी बिहार का प्रमुख लोकसभा क्षेत्र रहा है। एक समय यह कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था। 1989 में हुए भागलपुर दंगे के बाद यहां कांग्रेस की जमीन खिसक गई। इसके बाद यहां भाजपा, राजद, सीपीएम और जदयू के उम्मीदवार जीतते रहे हैं। शाहनवाज हुसैन, सुशील मोदी जैसे भाजपा के बड़े नेता यहां से सांसद रह चुके हैं। 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी।

राजस्व मंत्री बोले- शराब घोटाले में ईडी के पास पर्याप्त साक्ष्य

किशनगंज। किशनगंज पहुंचे डॉक्टर दिलीप कुमार जायसवाल को राजस्व और भूमि सुधार विभाग के मंत्री बनते ही बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इसी क्रम में रविवार को किशनगंज के एमजीएम मेडिकल कॉलेज अंतर्गत सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक संगठनों के सदस्यों के द्वारा मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल को बधाई देते हुए सम्मानित किया गया है, साथ ही होली की भी बधाई दी गई है।इस दौरान उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कुमार पर जमकर तंज कसा है। मंत्री डॉ. जायसवाल ने निशाना साधते हुए कहा कि केजरीवाल ने अपनी राजनीति की शुरुआत ये बोल कर किया था कि हम समाज को साफ और सुथरा नेतृत्व देंगे।मगर जिस तरीके से शराब घोटाले में ईडी के पास प्रयाप्त साक्ष्य है इसीलिए वो आज अपराधी के तौर पर स्लाखो के पीछे बंद है और एक अपराधी को अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। परंतु सभी गरीमा को समाप्त करते हुए अरंविद केजरीवाल सत्ता में बने हुए है। इसे साफ हो जा रहा है कि उनकी मंशा क्या है। वह केवल जनता को दिग्भ्रमित कर रहे है। इस मौके पर सभी ने मंत्री जायसवाल को पुष्प भेंट कर और शाल ओढ़ाकर कर सम्मानित किया है। जहां भाजपा के जिला अध्यक्ष सुशांत गोप, नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान, वरिष्ठ प्रज्ञा पुत्र श्मयानंद झा, कमलेश कुमार, राकेश कुमार, सुनील दफ्तरी, राजेश दफ्तरी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

चाचा हुए थे पार्टी से अलग: चिराग

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान रविवार को पटना पहुंचे। चिराग ने कहा कि चाचा खुद से पार्टी से अलग हुए थे। किसी ने उन्हें कुछ नहीं कहा था। उन्होंने कहा कि बिहार में चालीस से चालीस सीटें जीतकर प्रधानमंत्री की झोली में डालेंगे और 400 पार के लक्ष्य को भी पूरा करेंगे। एनडीए में 5 सीटें मिलने पर चिराग पासवान काफी खूश दिखे। चिराग ने कहा कि पीएम मोदी का आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने गठबंधन का नेतृत्व करते हुए गठबंधन के तमाम साथियों को सम्मान देने का काम किया है।

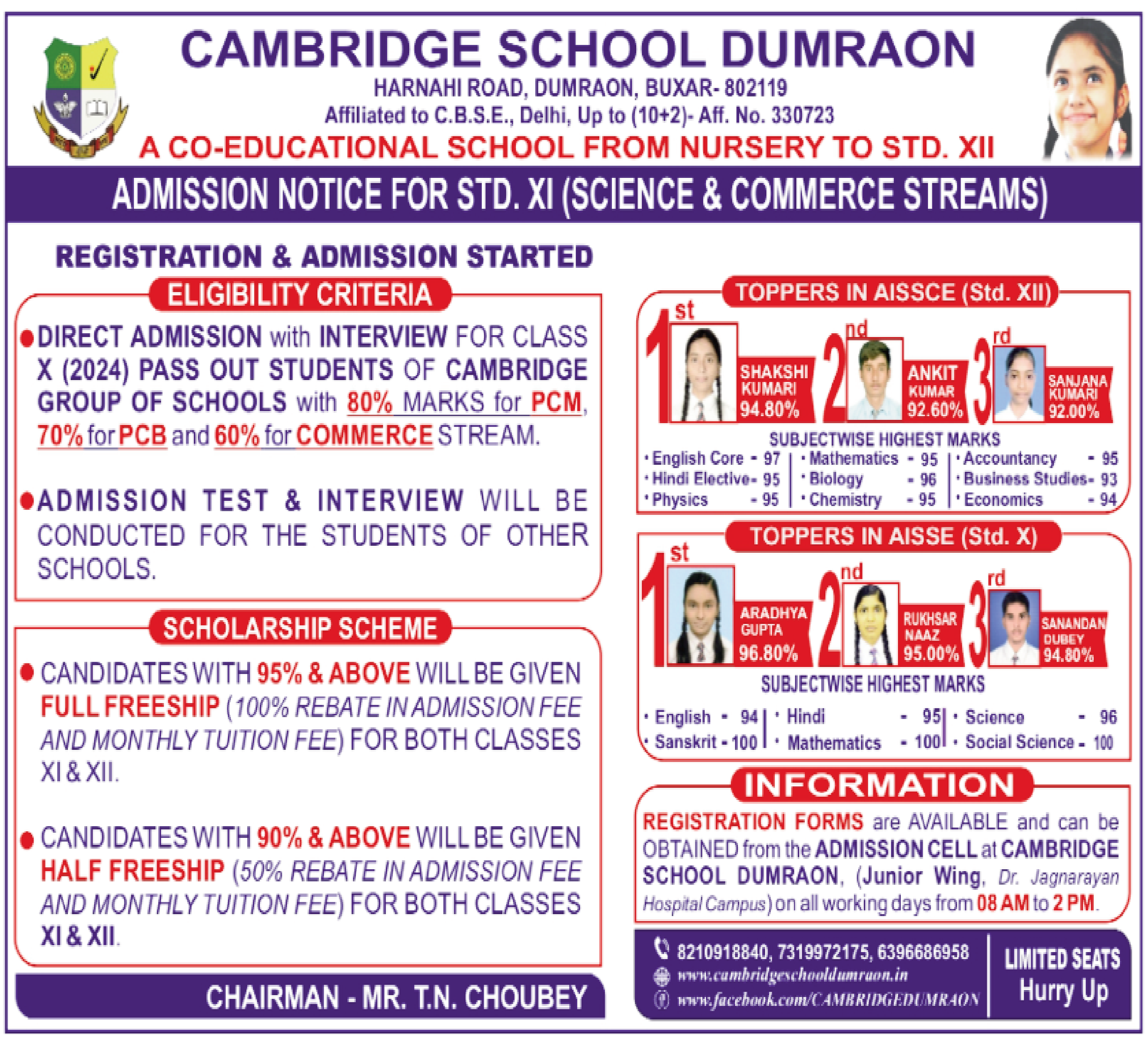

भू-अधिग्रहण में भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए किसानों का किया गया दमनः विधायक

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा के निमार्णाधीन थर्मल पॉवर प्लांट के गेट पर धरना रहे किसानों के घर में घुस पुलिस द्वारा महिलाओं, बच्चों तथा बुजुर्गों की बर्बर तरीके से पिटाई करना अंग्रेजी हुकूमत की याद दिलाती है। पुलिस ने यह कार्रवाई सरकार व स्थानीय सांसद के इशारे पर भूमि अधिग्रहण में हुए भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए किया है। उक्त बातें रविवार को डुमरांव से माले विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने बक्सर में भाकपा माले द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि चौसा में भूमि अधिग्रहण के मुआवजे की मांग को लेकर किसान 17 अक्टूबर 2022 से धरना प्रदर्शन कर रहे है। लेकिन राज्य सरकार व स्थानीय सांसद ने कभी भी उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास नहीं किया। बल्कि कैग की रिपोर्ट में यह बात सामने आ चुकी है कि भूमि अधिग्रहण में भ्रष्टाचार किया गया है। इसी भ्रष्टाचार तथा लूट खसोट को छिपाने के लिए राज्य सरकार व स्थानीय सांसद के इशारे पर पुलिस ने बर्बर तरीके से रात में उनके घरों में घुस महिला, बुजुर्ग तथा मासूम बच्चों की पिटाई की है। उन्होंने कहा कि यह दूसरा मौका है जब पुलिस हक मांगने वालों को बेरहमी से पिटाई की है। पिछली बार की घटना के बाद स्थानीय सांसद व वर्तमान के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी चौसा आए थे तथा किसानों को दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का भरोसा दिए थे। लेकिन अभी तक उस घटना में शामिल पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई है, वही एक बार फिर से पुलिस ने किसानों पर जुल्म ढाया है। किसानों के घर में घुस कर बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों सहित सभी को बर्बर तरीके से पीटने एवं उनके घरों में तोड़-फोड़ एवं लूट-पाट करने की घटना हमें अंग्रेजी हुकूमत की तानाशाही की याद दिलाती है। इस दौरान बक्सर सचिव नीरज कुमार के साथ जिला कमिटी के सदस्य व इटाढ़ी प्रखण्ड के सचिव जगनारायण शर्मा, किसान आंदोलन के नेता व प्रतिनिधि बिनोद पांडेय, हरेराम सिंह और तेजनारायण सिंह शामिल थे।

एसजेवीएन (सतलुज जल विद्युत निगम) कंपनी के निमार्णाधीन 1320 मेगावाट के चौसा थर्मल पावर प्लांट के लिए 1064 एकड़ भूमि तथा रेलवे कॉरिडोर एवं पाइप लाइन के लिए 225 एकड़ भूमि का अधिग्रहण से जुड़ा हुआ है। भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 की धारा 6 जिसमें सोशल इंपैक्ट एसेसमेंट का प्रावधान है। इसका घोर उल्लंघन हुआ है। अधिसूचना में वर्णित भूमि के मूल्य निर्धारण में पंजी-2 के अधतन स्थिति का घोर उल्लंघन हुआ है। जिससे किसानों को आज तक उचित मुआवजा नहीं मिल सका है। भूमि अधिग्रहण का परिमार्जन किए बगैर दर निर्धारण किया गया है। विडंबना यह है कि दर निर्धारण कमेटी में किसी भी किसान या किसान प्रतिनिधि को शामिल तक नहीं किया गया है ना ही किसानों को इस संबंध में कोई सुचना या नोटिस ही भेजा गया है जो अधिनियम का उल्लंघन है। अधिनियम की धारा 38 के तहत जमीन की दखल-दहानी कागज में से लिया गया है, जबकि इसमें स्पष्ट इंगित है कि दखल-दहानी से पूर्व जिला समाहर्ता को यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को मुआवजा का भुगतान हो चुका है और आर एंड आर पॉलिसी का लाभ भी दखल दहनी के साथ संबंधित रैयतों को मिलना शुरू हो गया है। लेकिन खेद है कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 का अवहेलना करते हुए जिला प्रशासन जमीन की दखल-दहनी तक ले चुका है।

एक नजर

बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है होलिका दहन

केसठ। प्रखंड में रविवार की देर रात अर्धम पर अच्छाई की जीत होलिका दहन विधि पूर्वक किया गया। प्रखंड में करीब आधे दर्जन से अधिक चौक-चौराहों व सार्वजनिक स्थल पर होलिका दहन किया गया। केसठ के मिठाईयां पुल के पास मुक्ति धाम के समीप विशेष आयोजन हुआ। इन स्थानों पर सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। होलिका दहन के दौरान लोगों ने जमकर अबीर व गुलाल उड़ाए ढोल नगाड़े की थाप पर फगुआ गीत गाते हुए जमकर मौज मस्ती की। आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ लोग खुलकर एक-दूसरे से मिले। जब तक होलिका जलती रही मस्ती, उल्लास और हंसी ठिठोली का दौर चलता रहा। होलिका दहन के साथ ही रंगों का त्योहार होली शुरू हो गया।

सोनवर्षा के द एमिटी स्कूल में फ्री एजुकेशन स्कीम के तहत 6 अनाथ बच्चों को दी गई लाभ

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के द एमिटी स्कूल सोनवर्षा में फ्री एजुकेशन स्कीम के तहत 6 अनाथ बच्चों को लाभ दिया गया। साथ ही वार्षिक परीक्षा में विद्यालय के क्लास वार टॉपर्स रहे 12 छात्रों को निजू सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम के तहत 50 फीसदी स्कूल फीस माफ किया। जो अगले छह महीने तक लागू रहेगी। इसकी जानकारी विद्यालय के डायरेक्टर अमरेन्द्र राजेश ने दिया। उन्होंने बताया कि अगले छह माह पर होने वाली परीक्षा में पुनः जो छात्र टॉपर्स होंगे। उन्हें इस स्कीम का लाभ मिलेगा। बताया कि इस तरह के स्कीम से बच्चों में शिक्षा के प्रति प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। साथ ही अभिभावक का विशेष ध्यान अपने बच्चों को बेहतर करने का प्रयास करेंगे। मौके पर विद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टांप एवं अभिभावक मौजूद थे।

होली मिलन समारोह बिखरे हुए समाज को एके सूत्र में बांधने का एक प्रयासे हैः रामनाथ सिंह

बक्सर। पूर्वे सैनिक संघ, रेलयात्री कल्याण समिति और तुलसी विचार मंच के तत्वावधान में फोरे सिजने मैरिज हाल पर विशाल होली मिलन समारोह का आयोजन रविवार को कियो गया। जिसमें पुर्वे सैनिक संघ, रेलयात्री कल्याण समिति और तुलसी विचार मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बढ़ चढ़कर भागे लियाे। समारोह में बक्सर जिला के गणमान्य लोगों के आलावो सामाजिक कार्यकताओं ने भी बढ़ चढ़कर भागे लिया। समारोह स्थल काफी संख्या में लोग शामिले रहे। होली मिलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन कियो गया। जिसमें ज़िले के चर्चित व्यासे कमलवासे कुंवर और बलियो के सुरेन्द्र सिंह के बीचे दुगोलो होली गायन मुकाबला का लोगों ने जमकर लुत्फे उठायाे। समारोह में उपस्थित रेलयात्री कल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा, सामाजिक एकता, सामाजिक सौहार्द एवं सद्भावना जागृत होती हैे। सैनिक संघ के अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने कहा कि होली मिलन समारोह बिखरे हुए समाज को एके सुत्रे में बांधने का एक प्रयासे है। जिसमें हमलोग भली-भांति सफल होते दिखाई दे रहे हैं। तुलसी विचार मंच के शैलेश ओझा ने कहा कि होली हमलोगों का धार्मिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासते हैे। इसको हमें संयोजे कर रखनो हैे। समारोह में उपस्थित मुख्य लोगों में डा. एस के सैनी, सुभासपो के प्रदेश नेता मोहन श्रीवास्तवे, बीजेन्द्रे यादव, हरेन्द्र महतो, राजु सिंह मुखियो, कामेन्द्रे सिंह, रामबाबू कुशवाहा, मुन्ना चौबे, पंकज पटेल, भाजपा नेत्री प्रतीभो सिंह, सैनिक संघ के हरिशंकर यादव, अनुमंडल अध्यक्ष डुमरांव, शैलेश ठाकुरे, राजबली यादव, रामराज सिंहे, कामख्यो पाण्डेय, ललन मिश्रा, प्रमोद सिंह सहित काफी लोग मौजूदे थेे। कार्यक्रम में भारते भुषणे सिंह, ब्रह्मपुर के दोनों होनहार बेटों राजस्व पदाधिकारी राज भूषण सिंह, वैज्ञानिक आशीष भूषण सिंह और शेषनाथ सिंह अधिवक्ता के पुत्र प्रोफेसर अखण्ड प्रताप सिंह को विशेष उपलब्धि के लिए अंगवस्त्र और सैनिक संघ का प्रतीक चिन्ह से सम्मानित कियो गया।

एमवी कॉलेज में होली मिलन समारोह आयोजित, अबीर गुलाल लगा दी गई बधाई

बक्सर। महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय बक्सर के प्रोफेसर एस.के मिश्रा प्रशासनिक भवन में महाविद्यालय के छात्रः, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। होली मिलन कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. डॉ. सुभाष पाठक ने की। इस दौरान होली त्योहार को शांतिपूर्ण मनाने को लेकर छात्रों से अपील भी किया गया। इस दौरान एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गई। उक्त समारोह की जानकारी शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ अमित मिश्र ने दी। गौरतलब हो कि महाविद्यालय के सभी कर्मचारियों को न तो वेतन मिला और न ही अग्रिम ही मिला. जिसके कारण त्योहार का रंग कर्मचारियों के लिए फीका ही रहा। वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों में रोष का माहौल दिखा. बिना वेतन ही कर्मचारी होली मनाने को मजबूर है। जिसको लेकर न तो महाविद्यालय प्रशासन को चिंता हैं और न ही विश्वविद्यालय प्रशासन को

खबरें फटाफट

उप मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय जांच का दिया है आश्वासनः हिमांशु चतुर्वेदी

बक्सर। चौसा में किसानों के साथ अक्षम्य व्यवहार को संज्ञान में लेते हुए बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सह प्रदेश अध्यक्ष बीजेपी बिहार सम्राट चौधरी ने उच्च स्तरीय जांच करके मामले में संलिप्त दोषी अधिकारियों पर कारवाई का आश्वासन दिया है। इसको लेकर उप मुख्यमंत्री ने ट्यूट कर भी किया है। इसकी जानकारी प्रदेश भाजपा कार्य समिति सदस्य बिहार हिमांशु चतुर्वेदी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री ने चौसा के बनारपुर में हुए पुलिसिया कारवाई को गंभीरता से लिया है। जिसकी उच्च स्तरीय जांच करने का आश्वासन दिया है। उच्च स्तरीय जांच के दौरान घटना में सम्मिलित दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही विश्वास दिलाया कि एनडीए की सरकार में किसी के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं है। बिहार की एक-एक जनता हमारे लिए वंदनीय है।

शिक्षा, विद्यालय और शिक्षार्थी के लिए त्यागे मंजूरे: मुक्तेश्वर प्रसाद

बक्सरे होली भारतीयों का सबसे बड़ो पर्व त्योहारे हैे इस दिन कार्यालय विद्यालय सब जगह छुट्टी रहती रहीे हैे लेकिन इस बार होली दो दिन होने के कारण ऊहापोह की स्थिति बनी हुई हैे कुछ लोग 25 मार्च को होली होने की बात करते हैं तो कोई अगले दिन होली होने की बात कर रहे हैंे लेकिन 25 मार्च को इस बार सरकार की तरफ से विद्यालय में शिक्षकों को उपस्थित रहने के लिए कहा गयो हैे सरकार चाहती तो अन्य छुट्टियों में इसको सामंजिते कर ऊहापोह को रोका जा सकतो थाे छुट्टी और होली के बीच उपजे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए शिक्षक नेतृत्वकर्ता मुक्तेश्वर प्रसाद ने कहा कि विद्यालय, बच्चे और शिक्षा का विकास शिक्षक के लिए होली दिवाली होतीे हैे हमारा कर्म है शिक्षा के विकास के लिए सदैव तत्पर रहकर सरकार के कदम से कदम मिलाकरे चलेंे शिक्षा के विकास के लिए सरकार के हर सकारात्मक सोच के साथ रहना हमारा दायित्वे हैे अगर हमारे लिए विद्यालय में उपस्थित रहने

बक्सर पत्रकार संघ का होली मिलन समारोह , पांच पत्रकारों को पत्रकार भूषण सम्मान

होली मिलन के बहाने एक मंच पर आए जिले भर के पत्रकार, खूब लगाए ठहाके

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को जिलेभर के पत्रकार न सिर्फ एक मंच पर आए बल्कि खूब ठहाके भी लगाए। इस दौरान सभी के चेहरे रंग बिरंगे अबीर से पुते थे। अवसर था बक्सर पत्रकार संघ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह का। बक्सर के होटल वैष्णवी क्लार्क में आयोजित इस होली मिलन समारोह में जिला मुख्यालय के अलावे सभी प्रखंडों के मुफस्सिल पत्रकार एकत्रित हुए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बक्सर पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष अविनाश पांडेय ने व संचालन रवि मिश्र ने किया। जबकि बतौर मुख्य अतिथि चर्चित साहित्यकार निलय उपाध्याय मौजूद थे।

कार्यक्रम में एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा पत्रकारों ने होली की बधाई दी। इस दौरान परंपरागत तरीके से मंच संचालन तथा अध्यक्षता कर रहे क्रमशः रवि मिश्र व अविनाश उपाध्याय के अलावे मंगलेश तिवारी ने अपने हास्यभरी बातों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। जबकि परंपरा के अनुसार कई पत्रकारों को हास्यात्मक उपाधियों से नवाजा भी गया। मौके पर मुख्य अतिथि निलय उपाध्याय को अंग वस्त्र तथा मोमेंटो से सम्मानित किया गया। जबकि जिले भर के चयनित पांच पत्रकारों को इस वर्ष भी पत्रकार भूषण सम्मान से नवाजा गया। जिसमें बक्सर के पत्रकार शुभनारायण पाठक, संजीत शर्मा व धीरज वर्मा, सिमरी के पत्रकार श्रीकांत दूबे तथा केशव टाइम्स के एमडी अरविंद कुमार चौबे उर्फ चुन्नु चौबे को पत्रकार भूषण का सम्मान व अंग वस्त्र प्रदान किया गया। जबकि समारोह में आए अन्य पत्रकारों को भी अंग वस्त्र दे सम्मान दिया गया। अपने संबोधन मुख्य अतिथि ने कहा कि पत्रकारा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ होते है। वे समाज के आइना है, उनकी जिम्मेवारी समाज में महत्वपूर्ण होती है। वही पत्रकार संघ के अध्यक्ष अविनाश उपाध्याय ने होली मिलन समारोह में शामिल होने वाले पत्रकारों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर जिले के वयोवृद्ध पत्रकार मुखदेव राय भी विशेष रूप से आमंत्रित थे। होली मिलन समारोह में प्रमोद चौबे, निशांत कुमार, सत्य प्रकाश पांडेय, विकास विद्यार्थी, विकास पांडेय, प्रेमनाथ दूबे, संजय कुमार, रजनी कान्त दूबे, अमित ओझा, मनीष कुमार, अनिल ओझा, जयप्रकाश मिश्र, संजीव दूबे, सुंदरलाल, दिनेश राय, नवीन पाठक, चंद्रकेतू, मो. मोईन, बजरंगी, ओंकार मिश्र, आशुतोष सिंह, अनीश पाठक, रेहान, बंटी, अमित चंद्रा, रामइकबाल ठाकुर, पंकज पांडेय, जितेन्द्र कुमार उर्फ झब्बू, रोहित ओझा, नीतीश कुमार, राजीव रंजन सिंह, कपिन्द्र किशोर भारद्वाज, बबलू उपाध्याय, संजय उपाध्याय, अमित उपाध्याय समेत सैकड़ो पत्रकार उपस्थित थे।

होली मिलन सह सम्मान समारोह, कलाकारों ने बांधा समां

सिमरी। रविवार को प्रखंड के खरहाटांड़ गांव में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भोजपुरी के कलाकारों ने अपनी-अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया। वही भोजपुरी गायकों ने लोक गायकी की परंपरा को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन भोजपुरी लोकगीत के प्रसिद्ध कवि लक्ष्मण ओझा उर्फ बागी ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लोक गायकी भोजपुरी की पहचान है। वही होली प्रगाढ़ संस्कृति तथा भाईचारे की भावना को मजबूत करने वाला त्योहार है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में हमे अपनी परंपराओं को नहीं भुलना चाहिए। डुमरी मुखिया प्रेमसागर कुंवर ने आयोजको को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से आपसी सौहार्द्र मजबूत होता है। उन्होंने द्विअर्थी होली गीतों को भोजपुरी की संस्कृति और समाज के लिए घातक बताते हुए इस पर लगाम लगाने की मांग की। उन्होंने गायकों एवं गीतकारों से इस दिशा में रचनात्मक भूमिका निभाने का भी आग्रह किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत भोजपुरी सिने अभिनेता एवं चर्चित लोकगीत गायक केके पंडित द्वारा प्रस्तुत देवी वंदना से हुआ। इसके बाद उन्होंने पारंपरिक होली गीतों की प्रस्तुति पर उपस्थित लोगों को झुमने पर विवश कर दिया। समारोह में भरत शर्मा व्यास, विष्णु ओझा, खुशबू कुमारी, विनय मिश्र, सोनू पाण्डेय सहित कई अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित लोगों का खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत में आगत अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। मौके पर मुखिया वीरेंद्र पाठक, होटल व्यवसायी विनोद राय, दिनेश पांडेय, विजय शंकर दुबे, रवि भूषण ओझा, मनोज ओझा, बद्री विशाल ओझा व अन्य उपस्थित थे।

आधुनिकता की दौड़ में गुम हो गई है पारंपरिक होली गीतों की मिठास

केसठ। एकता और भाईचारा के प्रतीक होली के त्योहार में अब पौराणिक प्रथाएं पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं। इसके स्वरूप और मायने भी बदल चुके हैं। वसंत पंचमी के दिन से शुरू होकर लगातार 40 दिन तक चलने वाला लोक पर्व का त्योहार होली अब महज कुछ घंटों में सिमट कर रह गया है। बुजुर्गों का कहना है कि आधुनिकता की दौड़ में जहां तमाम लोक परंपराओं, विधाओं और संस्कृतियों का लोप हुआ है वहीं गांव का सबसे बड़ा त्योहार होली भी अब सिमटता जा रहा है। केसठ गांव निवासी राजा राम प्रसाद का कहना है कि बसंत पंचमी के दिन से ही लगातार 40 दिनों तक लोग ढोल मजीरा की थाप पर पारंपरिक फाग गीत के साथ देर रात तक उत्सव मनाया करते थे। वसंतोत्सव का धुन ऐसा कि क्या बच्चे, क्या बूढ़े सब एक रंग में रंगने को आतुर रहते थे। केसठ निवासी शिक्षक मनोज प्रसाद का कहना है कि आधुनिकता की दौड़ में सबसे अधिक नुकसान भारतीय लोक परंपराओं को उठाना पड़ा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण होली का त्योहार है। होली अब महज औपचारिकता के रूप में मनाया जाता है। एक समय था जब होली के हफ्तों बाद चौता गीत के साथ त्यौहार का समापन माना जाता था। होली के अवसर पर पारंपरिक गीत गाने की प्रथा अब लगभग समाप्त हो रही है। इसकी जगह अब द्विअर्थी और फूहड़ गीतों ने ले लिया है। एक जमाना था, जब होली के माहौल में ऊंच- नीच छोटे-बड़े का भेद मिट जाता था।गांव के चौक चौराहों पर एक साथ बैठकर झाल मजीरा ढोल के साथ होली गीत का आनंद लिया जाता था।खास बात यह कि गांव की महिलाएं भी प्रेम पूर्वक बैठ कर गीत सुना करती थीं। आज तो होली के नाम पर महिलाओं का घरों से निकलना भी मुश्किल हो गया है। युवा पीढ़ी अपनी परम्परा से विमुख होती जा रही है।

बाइक की आमने-सामने टक्कर में दो युवकों की मौत, दो घायल

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

एनएच 922 पर रविवार को दो बाइक की आमने सामने की टक्कर में दो युवको दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गए है। जख्मियों को स्थानीय रघुनाथपुर सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। सभी ब्रह्मपुर के ही रहने वाले है। मृतकों में ब्रह्मपुर के मनराज महतो के 40 वर्षीय पुत्र संजय महतो तथा भोजपुर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के जितौरा गांव के 21 वर्षीय कृष्ण कुमार वर्मा शामिल है। कृष्ण कुमार वर्मा ब्रह्मपुर स्थित अपने ननिहाल में रहता था। वही घायलों में ब्रह्मपुर के ही कपिलदेव महतो के 30 वर्षीय पुत्र अमित महतो तथा वीर वहादूर महतो के 20 वर्षीय पुत्र विजय कुमार शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार एक बाइक पर सवार संजय व अमित बक्सर की तरफ जा रहे थे वही दूसरी बाइक पर कृष्ण कुमार वर्मा व विजय बक्सर से अपने गांव आ रहे थे। रामगढ़ पेट्रोल पंप के पास दोनों बाइक आपस में टकरा गए। जिससे दो की मौके पर ही मौत हो गई।

32 लीटर अंग्रेजी शराब व देशी कट्टा के साथ महिला समेत दो लोगों को ब्रह्मपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के सपही गांव से गुप्त सूचना पर एक घर में छापेमारी कर 32 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। तस्कर को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ तथा उसके सोसल मीडिया एकाउंट को खंगालने के बाद पुलिस को उसके पास अवैध आर्म्स होने की जानकारी भी मिली। इसके बाद पुलिस दुबारा उसके घर आई तथा उसके पिता से जब आर्म्स के संबंध में पूछताछ की तो उसने बताया कि उक्त आर्म्स एक महिला के घर छिपाया गया है। तब पुलिस उक्त महिला के घर पहुंची तथा वहां छापेमारी कर एक देशी कट्टा बरामद किया। इसके बाद टीम में मौजूद महिला पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार तस्कर सपही गांव का संजय यादव पिता विजय यादव है, जबकि महिला की पहचान उसी गांव के रूनी देवी के रूप में हुई है। डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने ब्रह्मपुर थाने में प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि सपही गांव में एक व्यक्ति अपने घर में शराब स्टॉक किया है। इस सूचना पर एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। जिसमें उसके घर से विभिन्न ब्रांडो के 32 लीटर शराब बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि अभियुक्त से पूछताछ तथा सोसल मीडिया एकाउंट चेक करने पर उसके पास अवैध हथियार होने की जानकारी भी मिली। जिसके बाद एक देशी कट्टा के साथ महिला अभियुक्त को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया होली पर शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस की पैनी नजर है।

राजद प्रत्याशी पर किया चौतरफा हमला, लोकसभा चुनाव को लेकर जनता से मांगा आशीर्वाद

बाहरी उम्मीदवारों से ऊब चुकी है बक्सर की जनताः ददन पहलवान

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर की जनता बाहरी उम्मीदवारों से ऊब चुकी हैं। इस बार यहां की जनता मुझे आशीर्वाद देकर लोकसभा के सदन में भेजेगी। उक्त बातें रविवार को पूर्व मंत्री सह विधायक ददन पहलवान यादव ने अपने कोल्ड स्टोरेज स्थित निवास पर प्रेसवार्ता कर कहीं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन ने बक्सर लोकसभा क्षेत्र से राजद के सुधाकर सिंह को अपना उम्मीद्वार घोषित किया हैं, जिन्हें करारी हार झेलनी पड़ेगी। राजद प्रत्याशी को भाजपा का एजेंट बताते हुए कहा कि बिहार में महागठबंधन सरकार के दौरान वह कृषि मंत्री थे और हर बार सूबे के मुखिया नीतीश कुमार के खिलाफ आवाज उठायी। इसका खामियाजा चुनाव के दौरान भुगतना पड़ सकता हैं। बक्सर की जनता हमारी है और इस बार मुझे आशीर्वाद देगी तथा सभी समुदायों के लोगों का आपार समर्थन मिलेगा।

बक्सर देश की राजनीति के बदलाव में अपनी अहम भूमिका निभाता हैं। यह धरती भगवान राम और महर्षि विश्वामित्र के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि मैं 2004 से 2014 तक लोकसभा चुनाव निर्दलीय लड़े। वर्ष 2004 में भाजपा के लालमुनि चौबे जिन्हें 2 लाख 59 हजार, राजद के शिवानंद तिवारी 1 लाख 33 हजार एवं निर्दलीय ददन पहलवान को 1 लाख 51 हजार वोट मिला था। उन्होंने कहा कि अगर राजद मौका देती तो हजारों वोटो से जीत हासिल किए होते। यह सिलसिला हमेशा रहता। मौके पर मनोज यादव, राम बच्चन, श्री किशुन, अंजनी यादव, प्रभुनाथ यादव, मदन यादव, वीर बहादुर, बंटी यादव, गोरख यादव, लक्ष्मण तुरहा सहित अन्य उपस्थित थे।

ट्रैक्टर एवं टेंपो में टक्कर : एक व्यक्ति की मौत एक महिला समेत दो घायल

♦ टेंपो पर सवार होकर समदा मेला झाड़ फूंक करने के लिए जा रहा था

केटी न्यूज/जहानाबाद

ट्रैक्टर एवं टेंपो में हुआ टक्कर एक व्यक्ति की मौत दो लोग हुए घायल यह घटना धुरिया गांव की समीप का है, जहां बैदौली गांव निवासी सिया शरण प्रसाद एवं उनकी पत्नी एवं बेटा रंजीत कुमार टेंपो पर सवार होकर समदा मेला झाड़ फूंक करने के लिए जा रहा था, जैसे ही धुरिया गांव के समीप पहुंचे की विपरीत दिशा से तेज रफ्तार से एक ट्रैक्टर आ रहा था जिसने टेंपो में जबरदस्त रूप से टक्कर मार दिया जिसके कारण तीनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों के सहयोग से तीनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर द्वारा सिया शरण प्रसाद को मृत्त घोषित कर दिया वही दो लोगों का इलाज डॉक्टर द्वारा किया जा रहा है आसपास के लोगों का बताना है कि तेज रफ्तार से वाहन चलाने के कारण यह घटना घटी है। इस घटना की सूचना स्थानीये थाने के पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस पहुंचकर ट्रैक्टर को जप्त कर लिया है वही ट्रैक्टर चालक

भागने में सफल रहा। जिले में लगातार सड़क दुर्घटना हो रही है इसका मुख्य कारण है कि तेज रफ्तार से वाहन चलाने के कारण घटना घट रही है, लेकिन वाहन चालक घटना से सीख नहीं ले रहे हैं जहां होली पर्व को लेकर लोग हंसी-खुशी पर्व मनाने की तैयारी कर रहे थे और वही इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया है इस घटना के बाद उसके परिवार में कोहराम मच गया परिवार जनों के रोते-रोते बुरा हाल है। मामले की छानबीन पुलिस कर रही है। पुलिस को दावा है कि शीघ्र वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक नजर

जख्मी व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत,

औरंगाबाद। घरेलू विवाद में मारपीट के दौरान एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हों गया जिसका इलाज के दौरान देर रात सदर अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने घटना के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला जम्होर थाना क्षेत्र के मोरडिहरी गांव की हैं। मृतक की पहचान उस गांव निवासी सखिचंद्र राम के रूप में की गई है। वहीं पकड़े गए आरोपियों की पहचान उस गांव निवासी मालिक चंद्र राम, संदीप राम, राजेश राम, अवधेश राम एवं राजू राम के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात घरेलू विवाद में आरोपियों ने सखिचंद्र को मारपीट कर जख्मी कर दिया जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुऐ घटना के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष राज किशोर प्रसाद ने बताया कि मारपीट में एक व्यक्ति की हत्या के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। संदर्भ में आवश्यक कार्रवाई के उपरांत सभी को जेल भेज दिया गया।

मोबलिंचिंग का आरोपित गया जेल

औरंगाबाद । हत्या के कांड में फरार एक आरोपित को 20 लीटर कच्ची शराब के साथ एनटीपीसी खैरा थाना की पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है जिसकी पहचान नवीनगर थाना क्षेत्र के महुआरी गांव निवासी श्रीराम कुमार के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार पप्पू ने बताया कि बीते 15 जनवरी को कार पार्किंग के विवाद में महुआरी गांव निवासी रामशरण चौहान की गोली मारकर हत्या के बाद मोबलिंचिंग की घटना घटित हुईं थीं जिसमें भीड़ ने कार सवार तीन युवकों को पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। जबकि दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हों गए थे। घटना को लेकर मृतक के पुत्र धीरेंद्र चौहान ने ज्ञात व अज्ञात कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था जिसमें अब तक रामशरण चौहान के दो हत्यारोपित को इलाज के उपरांत जेल भेजा जा चुका हैं। वहीं दूसरी प्राथमिकी घायल हैदरनगर के भाई बिगहा निवासी अजीत शर्मा के बयान पर दर्ज की गई है, जिसमें अज्ञात लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने इस मॉब लिंचिंग के मामले में कुछ आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। इसी क्रम में आज तकनीकी विश्लेषण एवं उपयुक्त साक्ष्य के आधार पर यह अप्राथमिकी अभियुक्त कच्ची शराब के साथ थाना क्षेत्र के सुरार गांव से पकड़ा गया। इसके पास से एक बाइक भी बरामद किया गया है। पूछ-ताछ के उपरांत न्यायलय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

खबरें फटाफट

समस्तीपुर में पागल कुत्ते ने 15 बच्चों को काटा

समस्तीपुर। बिहार में समस्तीपुर जिले के मोहनपुर प्रखंड क्षेत्र के डीह माधोपुर गांव में एक पागल कुत्ते ने 15 बच्चों को काटकर घायल कर दिया। इसके बाद 3 बच्चों को मोहनपुर अस्पताल से पटना रेफर कर दिया गया। यह घटना शनिवार रात की है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि एक कुत्ते ने राह चलते दर्जन भर से अधिक बच्चों को काट लिया। जिससे गांव के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सभी बच्चों को लेकर परिजन मोहनपुर अस्पताल पहुंचे। जहां उनकी स्थित को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए 3 को पटना रेफर कर दिया गया। इस संबंध में सदर अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि कुत्ते काटने के बाद अब तक 5 बच्चे अस्पताल लाए गए हैं। घाव ऐसे हैं कि टांकें लगाना मुश्किल है। सभी को एंटी रेबीज सीरम देना है जो यहां उपलब्ध नहीं है। इस कारण 3 बच्चों को डीएमसीएच भेजा जा रहा है। जबकि एक बच्ची की नाक को कुत्ते ने इतनी बुरी तरह काटा है कि उसे प्लास्टिक सर्जरी के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है।

भागलपुर से नेहा शर्मा चुनाव नहीं लड़ेंगी: विधायक

भागलपुर। भागलपुर सीट को लेकर कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा ने शुक्रवार को कहा था कि भागलपुर सीट पर अगर पार्टी लड़ाने का फैसला करती है तो यहां से चुनाव उनकी पुत्री नेहा शर्मा चुनाव लड़ सकती हैं। वहीं 23 मार्च को उन्होंने नेहा शर्मा के चुनाव नहीं लड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी नेहा कई फिल्मों की शूटिंग और इवेंट में व्यस्त है। चुनाव लड़ने की बात पर नेहा ने इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि उनका राजनीति में अभी आने का इरादा नहीं है। अभी वह अपना कैरियर एक्टिंग पर फोकस करना चाहती है। हालांकि उन्होंने राजनीति को बचपन से देखा है। परिवारवाद के कारण चुनाव नहीं लड़ने के सवाल पर अजीत शर्मा ने कहा कि उनकी बेटी अगर चुनाव में लड़ती तो यह कोई परिवारवाद नहीं है।

ओडिशा में होने वाले नेशनल रग्बी चैंपियनशिप में खिलाड़ी लेंगे भाग

रग्बी सीनियर भारतीय टीम में जिले के 6 खिलाड़ियों का चयन

♦ दिल्ली, ओडिशा, राजस्थान टीम से होगा मुकाबला
♦ सालों की मेहनत का परिणाम

केटी न्यूज/भोजपुर

भोजपुर के युवाओं ने एक बार फिर साबित किया कि बिहार के अन्य जिला के खिलाड़ियों के मुकाबले यहां के खिलाड़ियों में ज्यादा टैलेंट है। दरअसल बिहार के सभी जिलों के 25 खिलाड़ियों में से भोजपुर के 6 खिलाड़ियों का चयन बिहार रग्बी टीम में हुआ है। भोजपुर रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के द्वारा ट्रायल लिया गया था, जिसमें 6 खिलाड़ियों का उम्दा प्रदर्शन की बदौलत चयन किया गया। ये सभी ओडिशा में होने वाले नेशनल रग्बी चैंपियनशिप डिवीजन-3 में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे और प्रदर्शन बेहतर रहा। तो इंडियन टीम का हिस्सा बनेंगे। बिहार व भोजपुर के सीनियर खिलाड़ी दीपक कुमार यादव ने लोकल 18 को बताया कि नेशनल टूनार्मेंट में चयन होना सपने साकार होने जैसा है। कई सालों की मेहनत का परिणाम हमें मिल गया है। अब हमें इंडियन टीम का हिस्सा बनने का भी मौका मिलेगा। हम लोग गांव में घरेलू संसाधनों की मदद से कई सालों से प्रैक्टिस करते आ रहे हैं। अब प्रैक्टिस की बदौलत एक साथ यहां के 6 खिलाड़ियों का चयन बिहार टीम के लिए हुआ है। जो गर्व की बात है।

इन खिलाड़ियों का हुआ चयन

सबसे खास बात ये है कि जिन 6 खिलाड़ियों का चयन बिहार टीम के लिए हुआ है, वे बेहद निम्न परिवार से आते हैं। किसी के पिता मजदूरी करते हैं, तो किसी के पिता राज मिस्त्री का काम करते हैं। बिना पैसे और बिना आधुनिक संसाधन के सभी खिलाड़ी एक साथ बिहिया के तेघरा गांव के फील्ड में दिन-रात अभ्यास करते थे। बता दें कि बिहार रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन ने तेघरा फील्ड में ही कैंप लगाया था। बिहार के सभी खिलाड़ियों को यहां बुलाकर लगातार 5 दिनों तक ट्रायल लेने के बाद टीम का चयन हुआ।

148 किलो गांजा के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार

भोजपुर । पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गांजा की बड़ी खेप को बरामद किया है। पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले पिताझ्रपुत्र को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से 148 किलो गांजा बरामद हुआ है। जिसकी कीमत करीब साढ़े दस लाख रुपए बताई जा रही है। पकड़े गए तस्कर गजराजगंज थाना क्षेत्र के कुड़वा टोला, मसाढ़ गांव निवासी छोटन पंडित एवं उनके पुत्र धनजी पंडित शामिल है। इसे लेकर गजराजगंज ओपी कांड संख्या 125/24 धारा 20/22 (b)(ii) (c)29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए एसपी प्रमोद कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि भोजपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गजराजगंज ओपी अंतर्गत कुड़वा टोला में छोटन पंडित अपने गौशाला में भारी मात्रा में गांजा की बड़ी खेत छुपा कर रखे हुए हैं। इसके बाद अवैध मादक पदार्थ की बरामद की एवं तस्कर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपाधीक्षक परिक्ष्वमान सह गजराजगंज ओपी अध्यक्ष रश्मि कुमारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया है। टीम में दरोगा हरिप्रसाद शर्मा, कन्हैया कुमार, राजाराम पासवान एवं ओपी के सशस्त्र बल शामिल थे।

दंडाधिकारी के समक्ष ली गई तलाशी

गठित टीम के द्वारा कार्रवाई करते हुए जैसे ही पुलिस टीम कुड़वा गांव के छोटन पंडित के गौशाला के पास पहुंची और देखा कि गौशाला में दो व्यक्ति आपत्तिजनक सामान छिपा रहे थे, जिसे पुलिस को देखकर कपड़ा से ढकने लगे हैं, उक्त दोनों व्यक्तियों को पुलिस अभिरक्षा में दंडाधिकारी के समक्ष विधिवत तलाशी लिया गया। तलाशी के दौरान गौशाला से 15 पैकेट में रखा हुआ करीब 148 किलो गांजा बरामद किया गया है, जिसकी मार्केट में करीब 10 लाख रुपए से अधिक की बताई जा रही है।

सांसद करेंगे आज नामांकन, लोगों से सहयोग की अपील

♦ गया एयरपोर्ट पर सांसद का हुआ जोरदार स्वागत
♦ गुरुआ, परैया, रफीगंज, कासमा एवं शिवगंज सहित अन्य जगहों पर भ्रमण कर किया आम जनता से की अपील

केटी न्यूज/औरंगाबाद

एनडीए उम्मीदवार के रूप में सांसद सुशील कुमार सिंह समाहरणालय स्थित नामांकन करेंगे। सांसद रविवार को दिल्ली से औरंगाबाद लौटे हैं। इसके पहले समर्थकों ने गया एयरपोर्ट पर सांसद का जोरदार स्वागत किया है। इस दौरान वे औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के गुरुआ, परैया, रफीगंज, कासमा एवं शिवगंज सहित अन्य जगहों का भ्रमण किया और आम जनता से सहयोग की अपील की गई। इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखा गया जिन्होंने सांसद के पक्ष में नारे लगाए। आपको बता दें कि सुशील कुमार सिंह वर्तमान में 16वीं लोकसभा में संसद सदस्य हैं। इसके पूर्व उन्हें 12वीं लोकसभा और 15वीं लोकसभा में संसद सदस्य के रूप में चुने गए है। सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में जनता मालिक होता है और जनप्रतिनिधि सेवक होता है। हमारा यह दायित्व है कि जनता के जरूरतों का ख्याल रखें और जनता के उम्मीदों पर खरा उतरे। इस मौके पर प्रमोद चंद्रवंशी सहित कई लोग मौजूद रहे।

होली पर आना है छपरा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और जयनगर, तो पकड़ें यह ट्रेन

केटी न्यूज/छपरा

होली में महज कुछ ही दिन शेष बचे हैं। ऐसे में अभी भी कोई ट्रेन नहीं मिली है। वाराणसी रेलवे प्रशासन ने होली पर्व पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए सरहिन्द-जयनगर-सरहिन्द होली विशेष गाड़ी का संचालन किया है। यह ट्रेन सरहिन्द से 22 मार्च 2024 को तथा जयनगर से 23 मार्च 2024 को 01 फेरा लगाएगी। अगर आपको छपरा, मुजफ्फरपूर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और जयनगर आना है तो यह ट्रेन पकड़ सकते हैं। वाराणसी रेल मंडल सूचना जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि04534 सरहिन्द-जयनगर होली विषेष गाड़ी 22 मार्च को सरहिन्द से 13.00 बजे खुलेगी. इसके बाद राजपुरा 13.25 बजे, अम्बाला कैंट 14.05 बजे, बराड़ा 14.40 बजे, यमुनानगर जगाधरी 15.14 बजे, सहारनपुर 16.05 बजे, मुरादाबाद 19.30 बजे, बरेली से 21.17 बजे प्रस्थान करेगी। दूसरे दिन लखनऊ से 01.55 बजे, अयोध्या धाम से 05.35 बजे, मनकापुर से 06.37 बजे, बस्ती से 07.42 बजे, गोरखपुर जं से 09.25 बजे प्रस्थान कर छपरा 12.35 बजे पहुंचेगी। हाजीपुर से 13.55 बजे, मुजफ्फरपुर से 14.55 बजे, समस्तीपुर से 16.30 बजे, दरभंगा से 17.40 बजे तथा मधुबनी से 18.32 बजे छूटकर जयनगर 19.45 बजे पहुंचेगी। इस संबंध में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी रेल मंडल सूचना जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि होली त्यौहार को लेकर यात्रियों के अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए होली विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 18, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय सह तृतीय श्रेणी का 01 तथा एसएलआर के 02 कोचों सहित कुल 23 कोच लगेंगे ताकि यात्रियों को यात्रा करने में किसी प्रकार का असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।

मतदान कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण संपन्न

केटी न्यूज/औरंगाबाद

लोक सभा आम निर्वाचन 2024 को ले प्रशिक्षण कोषांग औरंगाबाद द्वारा मतदान कर्मियों एवं माइक्रो आब्जर्वर का प्रथम प्रशिक्षण जिले छह प्रशिक्षण केन्द्रों पर रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि पिछले शुक्रवार से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26372 कर्मियों को मतदान प्रक्रिया तथा ईवीएम संचालन के बारे में जिले के प्रशिक्षण केंद्रों अंबिका पब्लिक स्कूल, बीएल इंडो पब्लिक स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, टाउन इंटर विद्यालय, मिशन स्कूल तथा नगर भवन औरंगाबाद में बताया गया। इस कार्य में 210 मास्टर प्रशिक्षक सहित कोषांग के मास्टर प्रशिक्षक शामिल थें। तीन दिनों तक चले इन प्रशिक्षणों में 16569 पुरुष कर्मी तथा 9803 महिला कर्मी थें। रविवार को नगर भवन औरंगाबाद में 1152 माइक्रो आब्जर्वर को उनके कार्य एवं दायित्वों के बारे में बताते हुए मुख्य मास्टर प्रशिक्षक राजकुमार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि माइक्रो आब्जर्वर सीधे सामान्य प्रेक्षक के नियंत्रण में कार्य करते हैं। ये मतदान दल के सदस्य नही होते हैं। इनकी नियुक्ति मतदान केंद्र के लिए पोल डे के एक दिन पहले रैंडेमली सामान्य प्रेक्षक के द्वारा किया जाता है। माइक्रो आब्जर्वर को अपने संबद्ध मतदान केंद्र पर मतदान के पूर्व संध्या पर पहुंच जाना चाहिए तथा मतदान केंद्र की व्यवस्था को देखना पड़ता है। साथ ही मतदान के दिन की सभी गतिविधियों का प्रेक्षण कर एक रिपोर्ट तैयार कर सामान्य प्रेक्षक को देना होता है। माइक्रो आब्जर्वर की चुनाव की पूरी प्रक्रिया तथा ईवीएम मशीन के संचालन से अवगत होना चाहिए। मतदान के दिन माइक्रो आब्जर्वर पोलिंग एजेंट की नियुक्ति, मॉक पोल प्रक्रिया, मतदाताओं की सही पहचान, ए एस डी वोटर की पहचान, अमिट स्याही का प्रयोग बताया।

खबरें फटाफट

मायके नहीं जाने पर महिला ने की आत्महत्या

बलिया। जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के श्रीपतिपुर गांव में 29 वर्षीय विवाहिता ने मायके न जाने देने से नाराज होकर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर दोकटी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ससुरालियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोकटी थाना क्षेत्र के लक्ष्मण छपरा गांव निवासी स्व. शिवचंद साह ने अपनी पुत्री निशा देवी की शादी थाना क्षेत्र के श्रीपतिपुर गांव निवासी राजू साह पुत्र बूढ़ा साह के साथ मई 2016 में की थी। निशा के भाई संतोष ने बताया कि निशा शादी के बाद जब से ससुराल गई तभी से ससुराल के लोग उसे परेशान करते थे। कई बार पंचायत भी हुई। कुछ दिनों तक निशा लगातार अपने मायके में रही। पुन: दोनों पक्षों की सहमति से ससुराल आई और रहने लगी। विवाहिता ने ढाई वर्ष पूर्व एक पुत्र को जन्म दिया। ससुरालवालों के साथ उसका झगड़ा हुआ। जिसके बाद निशा मायके जाने के लिए कहने लगी। ससुराल पक्ष ने मायके नहीं जाने दिया। सूचना मिली कि निशा ने आत्महत्या कर ली है। संतोष साह ने विवाहिता की सास मोनी साह, ससुर बूढ़ा साह, पति राजू साह को नामजद करते हुए तहरीर दी। सीओ मो. उस्मान ने बताया कि संतोष साह की तहरीर पर तीनों अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है।

हेरोईन तस्करी के आरोपियों पर लगा गैंगस्टर

गाजीपुर। शहर कोतवाली पुलिस ने शनिवार को हेरोईन की खरीद फरोख्त और तस्करी के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक दीन दयाल पांडेय ने बताया कि जमानिया कोतवाली के बेटावर निवासी सुधीर कुमार राय तस्करी गिरोह का सरगना है। नवाबगंज निवासी मनोहर प्रसाद कसेरा और बाराबंकी जनपद के मसौली थाना के नेवला निवासी गंगाराम गैंग के सदस्य है। बताया कि बीते नौ जनवरी 2023 को तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने जमानिया मोड़ से तीनों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने आरोपियों से हेरोइन, चार लीटर एसीटिल क्लोराइड सहित अन्य सामान बरामद किया था।

पेड़ों को अबीर गुलाल लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

- पर्यावरण को समर्पित संस्था ग्रीनहाउस क्लब ने होली पर सुभाष पार्क पहुंचकर सदस्यों द्वारा यहां लगाए गए पेड़ों को अबीर गुलाल लगाकर खुशियां मनाईं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया

केटी न्यूज/चंदौली

पेड़ पौधे भी प्रकृति का एक अंग हैं। यह हमारे तरह ही सांस लेते हैं और खुशियां भी मनाते हैं। हमें इन्हें अंगीकार करना चाहिए। यह बात ग्रीन हाउस क्लब के महासचिव एडवोकेट सतीश चंद्र पाठक ने पेड़ों के साथ होली मनाते ग्रीन हाउस क्लब के सदस्यों से कहीं। पर्यावरण को समर्पित संस्था ग्रीनहाउस क्लब ने होली के एक दिन पूर्व सुभाष पार्क पहुंचकर सदस्यों द्वारा यहां लगाए गए पेड़ों को अबीर गुलाल लगाकर खुशियां मनाईं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस दौरान संस्था की संयोजिका सीमा जायसवाल ने कहा कि संस्था के सदस्य हमेशा पेड़ पौधों के साथ ही त्यौहार मनाते रहे हैं। इसी कड़ी में आज होली मिलन का भी आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान काटे जा रहे पेड़ों से लगातार गर्मी बढ़ती जा रही है। आगामी दिनों में जब सड़क चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण हो जाएगा तो संस्था के सदस्य पड़ाव तक सड़क के दोनों तरफ ट्री गार्ड सहित पेड़ों को लगाने का कार्य करेंगे। इस कार्य में उन्होंने नगर की जनता से आगे आने की अपील की और कहा कि लगातार पौधारोपण से ही पर्यावरण संतुलन का कार्य हो सकेगा। होली के अवसर पर इसे सभी को अपनाना चाहिए। पर्यावरण का विकास हो। पेड़ों के साथ होली मिलन समारोह में डॉक्टर उमेश चंद्र, संजय जयसवाल, गोपाल कुमार, मदन कुमार, बबलू सिंह, अखिलेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के एनएच- 31 पर हुआ सड़क दुर्घटना

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार चाचा व भतीजे की मौके पर दर्दनाक मौत

- पुलिस ने ट्रक चालक को लिया हिरासत में
- बलिया से लौटने के दौरान हुई दुर्घटना

केटी न्यूज/ चितबड़ागांव

थाना क्षेत्र के एनएच- 31 पर शंकर होटल के पास रविवार की दोपहर बाइक व ट्रक की टक्कर में चाचा एवं भतीजे की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेने के साथ ही चालक को हिरासत में ले लिया। वहीं शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चितबड़ागांव कस्बे के वार्ड नंबर- 9 गोखले नगर निवासी हीरा गोंड़ (55) पुत्र स्वर्गीय रामदेव गोंड़ अपने भतीजे ओमप्रकाश गोंड़ 35 पुत्र स्वर्गीय लाली गोंड़ के साथ बलिया से बाइक से लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक शंकर होटल के पास पहुंचे ही थे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया। दोनों सड़क के बीचोंबीच गिर पड़े। दोनों के सिर पर गहरी चोट आई थी। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। यह घटना देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। तत्काल मौके पर पुलिस पहुंची। दोनों शवों को कब्जे में लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेने के साथ ही चालक को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद सड़क पर जाम हो गया था। वहीं दूसरी ओर जब इस दुघर्टना की सूचना परिजनों को मिली। तो उन्हें यह विश्वास ही नहीं हो रहा था कि दोनों की इस हादसे में मौत हो चुकी है। परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। शवों को देखकर दहाड़मारक रोने लगे। परिजनों के साथ आये ग्रामीण किसी तरह से उन्हें ढ़ाढ़स बंधा रहे थे। प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि इस घटना के बाद सरकार की ओर से मिलने वाली मुआवजा की राशि पीड़ित परिजनों को दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

बरईया पोखरे में डूबने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत

चितबड़ागांव। थाना क्षेत्र के बरईया पोखरे में रविवार की दोपहर स्नान करते समय डूबने से 40 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों के माध्यम से शव को बाहर निकलवाया फिर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया। उधर मौत की सूचना गांव में पहुंचते ही परिजनों का रोते–रोते बुरा हाल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पटसार गांव निवासी 40 वर्षीय मंटू राजभर बरईया पोखरे में नहाने के लिए गए हुए थे। इस बीच गहरे में पानी जाकर में चले गये। उन्हें डूबता देख वहां मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया। परंतु उसे नहीं बचाया जा सक। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पर पुलिस पहुंची। गोताखोरों के माध्यम से शव निकालने का प्रयास किया गया। काफी मशक्त के बाद शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया। उधर मौत की सूचना गांव में पहुंचते ही परिजनों का रोते–रोते बुरा हाल है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक को बार-बार आगे बढ़ने से रोका जा रहा था। परंतु वह नहीं माना।

ट्रांसफार्मर का फ्यूज जोड़ने के दौरान पूर्व संविदा लाइनमैन की मौत

सिकंदरपुर। थाना क्षेत्र के नवानगर अस्पताल के समीप ट्रांसफार्मर का फ्यूज जोड़ने के दौरान पूर्व संविदा लाइनमैन गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं, बिजली विभाग के कर्मचारी घायल को छोड़कर मौके से भाग निकले। मालदा फीडर पर तैनात संविदा कर्मचारी मंटू सिंह ने नवानगर गांव निवासी भरत राम (62) पूर्व लाइनमैन मालदा फीडर के मोबाइल नंबर पर फोन कर नवानगर अस्पताल की छत के ऊपर टूटकर गिरे तार को जोड़ने के लिए कहा। इस दौरान भरत राम ने मंटू से कहा कि शट डाउन मिलेगा तभी हम काम कर पाएंगे। मंटू सिंह ने कहा कि शट डाउन ले लिया गया है। लाइन मैन भरत ने छत पर चढ़कर तार जोड़ दिया। इसके बाद जैसे ही ट्रांसफार्मर पर चढ़कर फ्यूज जोड़ रहा था तभी बिजली आ गई। करंट लगने से भरत बुरी तरीके से झुलस गया। इस संबंध में मालदा विद्युत सब स्टेशन पर तैनात जेई सद्दाम अंसारी ने कहा कि वह हमारा कर्मचारी नहीं है। लेकिन जब उनसे बताया गया कि वह संविदा कर्मचारी मंटू सिंह के कहने पर ही गया था। इसके बाद वह आग बबूला हो गए। वहीं, एसडीओ अजय कुमार ने कहा कि भरत राम पूर्व में मालदा सब स्टेशन के संविदा कर्मचारी रहे हैं। मेरे संज्ञान में इस घटना से संबंधित कोई जानकारी नहीं है।

एक नजर

जीआरपी आरपीएफ ने की संदिग्धों की जांच

चंदौली। होली व रमजान पर्व के मद्देनजर नजर स्थानीय रेलवे स्टेशन पर जीआरपी व आरपीएफ ने संदिग्ध व्यक्तियों व सामानों की सघन जांच पड़ताल किया। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक प्रदीप रावत व जीआरपी प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्टेशन पर आने जाने वाली ट्रेनों में, फुटओवर ब्रिज, पीएसबी हाल, सकुर्लेटिंग एरिया, पार्सल, सभी यात्री प्रतिक्षालय में सघन जांच पड़ताल किया। इस दौरान एलाउंस कर यात्रियों को सचेत किया गया। यति अपने सामानों की सुरक्षा विश्राम करें किसी अनजान आदमी से खाद्य व पेय पदार्थ देने पर इसका सेवन न करें उसमें नशीला पदार्थ या जहर हो सकता है इसके सेवन से आपकी जान माल का खतरा हो सकता है गेट पर बैठकर यात्रा न करें। संदिग्ध व लावारिस सामानों की सूचना जीआरपी आरपीएफ को दें।इस दौरान काफी संख्या में जीआरपी, आरपीएफ के जवान मौजूद रहे।

संघ सेवकों द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

गाजीपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जखनियां द्वारा जलालाबाद में टोली सदस्य राजन चौहान के यहां होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता अनिल कुमार पांडेय ने कहा कि हिरणकश्यप की बहन होलिका के दहन के बाद मनाई जाने वाली होली की परंपरा है। होली में बरसाने की होली से लेकर काशी के मसाने की होली का महत्व है। जबकि वर्तमान समय में अच्छे और सज्जन लोग अपनी परंपरागत होली से दूर होते जा रहे हैं। नशे में धुत और उत्पाती लोगों द्वारा मनाए जाने लगी है या होली, इनके भय से इसलिए सज्जन लोगों को चाहिए कि इस होली में शांति पूर्वक परंपरागत त्योहार मनाएं और अपने से गांव, गरीब, किसान व झुग्गी -झोपड़ी के इंसान के यहां जरूर जाकर होली का मिलन करें और एहसास कराएं। होली मिलन समारोह में एक दूसरे को गुलाल लगाकर लोगों ने ठुमके भी लगाए। इस कार्यक्रम में डॉक्टर अजय चौहान जिला संपर्क प्रमुख, खंड प्रचारक आदर्श, खंड करवा सत्येंद्र, बीके चौहान, कमलेश चौहान प्रधान, रामाश्रय चौहान, प्रधान रमेश, उपेंद्र, रमेश प्रजापति, तूफानी चौहान, लाल बहादुर चौहान,श्याम नारायण राजभर, राजवंश चौहान,संजय चौहान, राजेश चौहान, राम जन्म चौहान, अजय पांडे सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

टिकट मांगने पर मनबढ़ भाइयों ने टीटी को पीटा

बलिया। बलिया में छपरा-से वाराणसी जा रही सद्भावना एक्सप्रेस में टिकट चेक कर रहे टीटी की पिटाई दो भाइयों ने कर दी। चेनपुलिंग कर टीटी जान बचाकर किसी तरह बोगी से भागा। टीटी ने जीआरपी बलिया को दोनों भाईयों के खिलाफ मारपीट व जान से मार देने की धमकी की तहरीर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही विभाग में खलबली मच गई। जीआरपी मामले की छानबीन में जुट गई है। रेलवे के सिनियर टीटीई बक्सर (बिहार) के अशोक नगर निवासी बिहारी प्रसाद ने जीआरपी को दी तहरीर में बताया कि रक्सौल से चलकर आनंद विहार टर्मिनल को जाने वाली 14017 अप सद्भावना एक्सप्रेस में छपरा से वाराणसी तक ड्यूटी थी। कोच संख्या एसी के बी-6 उनकी ड्यूटी थी। जब वह कोच में पहुंचे तो सीट संख्या 25-26 पर अभिषेक कुमार छपरा से वाराणसी तक अपनी पत्नी के साथ यात्रा कर रहा था।उसके साथ एक अन्य युवक अनारक्षित टिकट पर इनके साथ बैठा हुआ था। टीटीई ने उसे कोच से बाहर जाने के लिए कहा तो वह चला गया। बलिया रेलवे स्टेशन से ट्रेन खुलने के तुरंत बाद जब दोबारा चेक किया तो उक्त व्यक्ति उसी सीट पर बैठा मिला। टीटी ने जब टिकट बनवाने के लिए कहा गया तो अभिषेक ने काल पकड़ लिया और टीटीई की पिटाई कर दी। यहां तक कि उसने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित टीटीई का कहना है कि अभिषेक का सगा भाई विवेक है। वहीं, दूसरी ओर तहरीर के आधार पर जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई।

बहादुरगंज चेयरमैन सहित चार गैंगेस्टर गिरफ्तार

केटी न्यूज/गाजीपुर

योगी सरकार लोकसभा चुनाव के मद्देनजर माफियाओं पर नकेल कसना शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मुख्तार अंसारी के करीबियों पर कार्रवाई करने में जुटी हुई है। इसके तहत मुख्तार अंसारी के सहयोगी बहादुरगंज चेयरमैन रेयाज अंसारी सहित चार सदस्य गैंगेस्टर को गिरफ्तार कर लिया हैं। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि मुख्तार अंसारी गैंग के सहयोगी बहादुरगंज के चेयरमैन रेयाज अंसारी उनकी पत्नी सहित चार लोगों को गैंगेस्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि बहादुरगंज चेयरमैन रेयाज अंसारी अपनी पत्नी निकहत परवीन को फर्जी मार्कशीट पर नौकरी दिलाने और बहादुरगंज क्षेत्र में अपने सदस्यों के साथ मिलकर गरीब लोगों की जबरदस्ती जमीन पर कब्जा करने का आरोप है।

इन सभी के विरूद्ध विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज है। इन सभी पर संज्ञेय अपराध की धाराएं लगी है। इस कारण गैंगेस्टर लगाया गया था। अपराधिक गैंग के सरगना मुख्तार अंसारी के प्रमुख सहयोगी हैं। वहीं इस बात के कयास लगाये जा रहे है कि आगामी लोकसभा चुनाव में शांति व्यवस्था भंग नहीं हो। इस कारण पुलिस ने यह कार्रवाई की है। वहीं दूसरी ओर गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गाजीपुर में नाबालिग के साथ दुष्कर्म, घटना की जांच में फारेंसिंक टीम जुटी

केटी न्यूज/ गाजीपुर

जनपद के भांवरकोल थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस मामले में पीड़िता की तहरीर पर इसी गांव के एक युवक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। घटना बीती रात की बताई जाती है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव में जब एक किशोरी अपने घर में अकेली सो रही थी। तभी गांव के एक युवक ने उसके घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके शोर मचाने के बाद वह भाग निकला। इसकी सूचना जब गांव वालों को हुई तो परिजन आग बबूला हो उठे और बलात्कार की तहरीर पीड़िता ने पुलिस को दी। इस मामले में थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार की देर शाम पीड़िता की तहरीर पर गांव के ही एक युवक के खिलाफ दुराचार सहित पाक्सो एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। घटना की जानकारी होने पर रविवार को दोपहर जिले से फारेंसिंक टीम ने घटना स्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाया। फॉरेंसिक टीम ने धीरज शुक्ला एवं तारकेश्वर रजक शामिल थे। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यह बेहद ही शर्मनाक घटना है। इस पर जल्द कार्रवाई होनी चाहिए।

रसड़ा में सबसे अधिक स्थानों पर जली होलिका

पुलिस की देखरेख में शांतिपूर्ण तरीके से 1627 स्थानों पर जली होलिका

केटी न्यूज/बलिया

जनपद में 25 व 26 मार्च को होली मनाने को लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई है। हालांकि जनपद में कुछ स्थानों पर 25 तो कुछ कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों में 26 मार्च को होली मनाने की बात सामने आ रही है। वहीं 24 मार्च को जनपद के 22 थाना अंतर्गत 1627 स्थानों पर होलिका पुलिस की देखरेख में जलाई गई। इस दौरान पुलिस महकमा एवं खुफिया विभाग अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहा।आकड़ों पर गौर करें तो सदर कोतवाली में 66 स्थानों पर होलिका दहन किया गया। इसी प्रकार दुबहड़ में 44, गड़वार में 112, सुखपुरा में 69, फेफना में 39, नरहीं में 65, चितबड़ागांव में 37, बैरिया में 87, हल्दी में 66, दोकटी में 57 स्थानों पर होलिका दहन किया गया। इसके अलावा रेवती में 82, बांसडीह में 70, बांसडीहरोड में 72, सहतवार में 72, मनियर में 56, सिकंदरपुर में 103, खेजुरी में 46, पकड़ी में 53, रसड़ा में 151, नगरा में 85, भीमपुरा में 98, उभांव में 97 स्थानों पर होलिका दहन किया गया।

प्राकृतिक रंग और गुलाल का करें प्रयोग: त्रिपाठी

चंदौली। रंगों और गुलाल से रंगे चेहरे न हो तो होली का त्योहार जैसे अधूरा सा लगता है। लेकिन, कभी-कभी होली के रंग त्वचा और आखों की बीमारी भी का सबब भी बन जाते हैं। जिसका पता हमें होली खेलने के बाद लगता है। वह भी तब, जब हमारे त्वचा और आखों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। इस दौरान पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला हॉस्पिटल के इमरजेंसी चिकित्सक डॉक्टर संजय कुमार ने लोगो से अपील किया है कि होली खेलते समय हर्बल रंगों और हर्बल गुलाल का ही प्रयोग करें किसी भी रंग को लगाने से त्वचा में जलन या खुजली महसूस हो तो उसे अच्छी तरह साफ पानी से साफ करें और डाक्टर की सलाह अवश्य लें, केमिकल युक्त रंगों का प्रयोग बिल्कुल न करें। कमलापति जिला संयुक्त चिकित्सालय के परामर्शदाता एवं त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ गौरव कौशिक ने बताया कि खासतौर पर होली के बाद त्वचा की समस्यायें सबसे अधिक होती हैं। केमिकल युक्त रंगो में कई तरह के रसायन की मिलावट होती है,जिससे त्वचा संबंधी समस्या हो जाती है। चेहरे पर रंग और गुलाल लगने से पहले थोड़ा ध्यान दे दिया जाए। तो बाद में होने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है।

पूर्व बिहार के सीएम जीतन राम मांझी पहुंचे अयोध्या,रामलला का किया दर्शन

केटी न्यूज/अयोध्या

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी परिवार के साथ रामनगरी अयोध्या पहुंचे। मांझी ने रामलला और हनुमानगढ़ी पर दर्शन पूजन किया। सरयू घाट पर भी पूजा अर्चन की। मांझी ने बिहार के बाहुबली अशोक पाल की पत्नी को टिकट दिए जाने पर कहा कि लालू प्रसाद का ही कल्चर रहा है उन्होंने शहाबुद्दीन को भी इसी तरह टिकट दिया था। अशोक पाल की पत्नी को टिकट दिया जाना कोई आश्चर्य नहीं है। मांझी ने कहा कि इसके पीछे लालू यादव की बहुत सारी मंशा है,जिसे क्लियर नहीं किया जा सकता। गया से चुनाव लड़ने पर जीतन राम मांझी ने कहा कि हम एनडीए में पीएम मोदी के प्यार, प्रतिष्ठा और निष्ठा को देखते हुए आए हैं।पीएम मोदी ने हमारे बेटे को एमएलसी बनाया, तीन-तीन विभाग उसको दिया है।पीएम मोदी ने बहुत सम्मान दिया और नीतीश कुमार ने भी सपोर्ट किया है। मांझी ने कहा कि राम हमारी आस्था के केंद्र है, हम शबरी को मानते हैं। शबरी हमारे लिए हमारी पूर्वज हैं। माता शबरी को रामचंद्र ने दर्शन दिया था और राम जी को शबरी ने

पीएम मोदी के आगे सब फेल, इस बार 400 पार

सहारा दिया था। हम लोगों का राम से पुराना नाता है।हम परंपरागत राम के भक्त हैं। मांझी ने कहा कि हमारे नाम में राम है,लोग अपने आप को राम भक्त बताते हैं तो वह अपने नाम के पीछे टाइटल क्यों लगाते हैं।मेरे नाम के साथ राम का नाम है और मैं सच्चा राम भक्त हूं। बिहार चुनाव पर जीतन राम मांझी ने कहा कि नरेंद्र मोदी का जादू बिहार में देखने को मिलेगा। बिहार में सभी सीट हमारे कब्जे में होगी। मांझी ने कहा कि नरेंद्र मोदी, अटल बिहारी बाजपेयी और जवाहरलाल नेहरू से भी कई गुना आगे निकल चुके हैं। देश की वैश्विक आर्थिक और घरेलू नीति सब में प्रधानमंत्री सर्वहित की बात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देश के लिए जो काम किया है वह बहुत कम लोगों ने किया है। जन-जन के मुंह पर हर घर पर एक ही नारा है अबकी बार 400 पार। जीतन राम मांझी ने कहा कि चिराग पासवान के चाचा अलग हो गए। जबकि उन्होंने कहा था कि हम एनडीए के सिपाही हैं और दो दिन बाद उन्होंने इस्तीफा दिया,जो सच्चा सिपाही होता है वह अपने सिपेहसालार का आदेश का पालन करता है। मांझी ने कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री के सामने सभी लोग फेल हो जाएंगे।लालू यादव केवल समीकरण ही करते हैं। उन्होंने किसी भी तरीके का विकास का कार्य पिछले 15 सालों में नहीं किया। वह हर स्तर पर फेल रहे हैं। जीतन राम मांझी ने कहा कि लालू यादव ने सिर्फ नारा दिया था और नारे के दम पर कितने दिन हुए जीवित रहेंगे।

एक नजर

पुलिस और बदमाशो के बीच हुई मुठभेड़, बदमाश के पैर में लगी गोली

जौनपुर। दो थानों की संयुक्त पुलिस टीम की चेकिंग के दौरान बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई। फायरिंग में पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल हुए उसके पैर में गोली लगी है। घायल बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।उसका एक साथी मौका पाकर भागने में सफल रहा। बदमाश के कब्जे से पुलिस ने एक देशी तमंचा,एक जिंदा कारतूस,एक खोखा कारतूस व एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद किया है। पकड़े गए बदमाश पर विभिन्न जनपदों में लगभग दो दर्जन मुकदमे दर्ज है एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर की सूचना पर थाना सिकरारा व थाना मछलीशहर की पुलिस टीम द्वारा मानिकपुर गांव के पास चेकिंग की जा रही थी। उसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध लोग आते दिखाई दिए पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया।लेकिन मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कटना शुरू कर दिया।जबाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी।तथा उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस की पूछताछ में घायल बदमाश ने अपना नाम अतुल गौड़ उर्फ राजा पुत्र लहुरी गौड़ निवासी भुपियामऊ डिहवा थाना कोटवाली सिटी जनपद प्रतापगढ़ बताया है।घायल अवस्था मे बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।बदमाश अतुल पर अन्य जनपदों में लूट,चोरी,जालसाजी, हत्या का प्रयास जैसे संगीन धाराओं में लगभग दो दर्जन मुकदमे दर्ज है।उसके कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस,एक खोखा कारतूस ,एंड्राइड मोबाइल तथा एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद किया है।उसके फरार साथी की तलाश के पुलिस टीमें जुट गई है।

पार्टी हित के लिए जो बेहतर होगा उसे पूरा करूंगा :सुशील श्रीवास्तव

जौनपुर । समाजवादी पार्टी द्वारा नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई । नई कार्यकारिणी में एक बार फिर अपने पूर्व कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव एडवोकेट को पुनः कोषाध्यक्ष निर्विरोध रूप से घोषित कर दिया। विदित हो कि सुशील श्रीवास्तव वर्ष 2013 से लगातार इस पद पर बने हुए हैं। सुशील श्रीवास्तव समाजवादी पार्टी से शिक्षक एमएलसी विधान परिषद में सद्भावना समिति के सभापति आशुतोष सिन्हा के भी प्रतिनिधि हैं। सुशील श्रीवास्तव ने कोषाध्यक्ष निर्वाचित होने पर कहा कि शेष नेतृत्व का आभारी हूं जिन्होंने मुझे फिर से विश्वास जताते हुए इस पद पर आसीन किया है उसका पूरा ध्यान रखते हुए पार्टी के साथ हमेशा खड़ा हूं खड़ा रहूंगा पार्टी हित के लिए जो बेहतर होगा उसे पूरा करूंगा समाजवादी पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जिसने हमेशा कायस्थों का सम्मान किया है उनके हितों का ध्यान रखा है। राजनीति के क्षेत्र में जितना समाजवादी पार्टी ने कायस्थ का उत्थान किया उन्हें आगे बढ़ने का काम किया उन्हें तमाम राजनीतिक पद दिए उतना किसी भी पार्टी ने आज तक नहीं किया है। श्रीवास्तव के मनोरंजन पर अधिवक्ता संघ के तमाम साथियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया साथ ही साथ कायस्थ समाज ने भी उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दिया।

होली के अवसर पर जनपद में समस्त देशी शराब की दुकान तथा मॉडल शाप रहेंगे बंद

मऊ । जिला मजिस्ट्रेट प्रवीण मिश्र द्वारा जनपद-मऊ संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 की धारा-59 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जनपद में लोकशान्ति बनाये रखने के उद्देश्य से होली के अवसर पर दिनांक 25.03.2024 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक जनपद-मऊ में संचालित आबकारी की समस्त थोक एव फुटकर बिक्री की देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर, भांग एवं ताड़ी दुकानों तथा मॉडल शाप को बन्द रखने का आदेश दिया गया। इस बन्दी के लिए अनुज्ञापियों को कोई प्रतिफल देय नहीं होगा।

खबरें फटाफट

लोहिया और जनेश्वर मिश्र के शिष्य है: राजीव

मऊ। इंडिया गठबंधन के घोसी लोकसभा के प्रत्याशी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव राय को 70 लोकसभा घोसी से टिकट मिलने के बाद शनिवार को जिले में प्रथम आगमन पर जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत हुआ। इस दौरान पार्टी कार्यालय पर डॉ राममनोहर लोहिया की जयंती पर पुष्प अर्पित किया। राजीव राय ने कहा कि बीजेपी विपक्ष को दबाना और डराना चाहती है। इसलिए आये दिन उन्हें भी किसी न किसी प्रकरण में नोटिस जारी कर रही है। गत दिनों ईडी का भी छापा डलवाया था। अगर मैं बीजेपी ज्वाइन कर लेता तो वह हमारे लिए कुछ भी करती लेकिन हम लोग लोहिया और जनेश्वर मिश्र की नर्सरी के पौधे हैं जो कभी झुकने का नाम नहीं लेंगे भले ही सरकार उन्हें फांसी पर लटका दे। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुसाफिर यादव, राष्ट्रीय सचिव हाजी इरफान, पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव साधू, पूर्व ब्लाक प्रमुख सुजीत सिंह, राजेन्द्र पांडेय, दिनेश चौधरी, सितारा यादव, देवनाथ यादव, रामायन यादव, वीरेंद्र चौहान, वीरेंद्र यादव लोहिया, पंकज उपाध्याय, शिवचंद राम, लालचंद यादव, खुर्सीद खान उपस्थित रहे।

कुत्तों के हमले से हिरन की मौत

सोनभद्र। बीजपुर थाना क्षेत्र के जरहा वनरेंज क्षेत्र अंतर्गत नेमना गांव मे पानी के तलाश में भटक कर गाँव मे घुस आए एक हिरन पर बीती रात आवारा कुत्तों ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया। सुबह वन कर्मियों को जानकारी होने पर वनरेंज अधिकारी राजेश सिंह की उपस्थिति में पशु चिकित्साधिकारी बीजपुर डा० हेमंत कुमार ने पोस्मार्टम किया उसके बाद हिरन के शव को गढ्ढे में दफना दिया गया।बताया गया कि हिरन की उम्र लगभग चार से पांच साल रही होगी।रेंजर राजेश सिंह ने बताया कि कुत्तों के हमले से मौत हुई हिरन मादा थी सम्भवतः वह पानी के तलाश में गांव की ओर भटक कर आई थी इसी बीच आवारा कुत्तों ने घेर कर हमला कर दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गयी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हाल छोटे बच्चों का भी हो सकता है। इसे रोकना होगा।

पांडेयहाता की होलिका दहन शोभायात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सौहार्द, शांति और समता का प्रतीक है होली

- जब भी अन्याय होगा तो उसका दहन भी होना तय

केटी न्यूज/गोरखपुर

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को होली की मंगलमय शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे पर्व एवं त्योहार सौहार्द, शांति और समता के प्रतीक होने चाहिए। कहीं कोई भेदभाव न हो, सभी एकजुट रहें। यही होली का भी संदेश है। शक्तिशाली समाज और समर्थ राष्ट्र के लिए आवश्यक है कि समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव न रहे, सबके बीच मतभेद समाप्त हो। सीएम योगी रविवार शाम पांडेय के हाता में होलिका दहन उत्सव समिति की ओर से आयोजित होलिका दहन शोभायात्रा के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। कहा कि जब हम एकजुटता की भावना से देश हित के लिए सक्रिय होते हैं तो पर्व-त्योहारों के उमंग और उत्साह का लाभ अनंत काल के लिए प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने होलिका दहन और होली को सत्य, न्याय व धर्म की विजय के उल्लास का पर्व बताते हुए कहा कि जहां भक्ति होती है वहां स्वतः शक्ति आ जाती है। भक्ति और शक्ति का यह समन्वय होलिका दहन के रूप में देखने को मिलता है। होलिका दहन में यह संदेश निहित है कि अन्यायी और अत्याचारी कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसका अंत सुनिश्चित होता है। होलिका दहन सन्मार्ग पर चलने वाले भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार का तथा अन्यायी हिरण्यकश्यप और होलिका के नष्ट होने का स्मरण पर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुराई की प्रतीक होलिका के दहन से यह संदेश भी मिलता है कि जब भी अन्याय होगा, पक्षपात होगा तो उसका दहन भी होना तय है। होलिका का दहन और हिरण्यकश्यप का वध उसी परम्परा का हिस्सा है जिसमें हम प्रतिवर्ष अन्यायी रावण का पुतला भी जलाते हैं। सकल सनातनी हजारों वर्षों की अपनी इस विरासत को उत्साह और उमंग से मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने होलिका दहन और होली को लेकर लोगों से यह अपील भी की कहीं ऐसा कोई कृत्य नहीं होना चाहिए जिससे उत्साह, उमंग बाधित हो। कहीं कोई टकराहट नहीं होनी चाहिए।

हजारों वर्षों की विरासत सौंपते हैं अगली पीढ़ी को

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि ने होली जैसे पर्व हजारों वर्षों की विरासत हैं। सतयुग के जिस कालखंड को जिसे दुनिया जानती तक नहीं, उसे हम संजोते हुए अगली पीढ़ी को सौंपते हैं। हमारा दायित्व है कि हम विरासत का संरक्षण करते हुए पर्व पर परम्पराओं की पवित्रता बनाए रखें। सीएम योगी ने होलिका दहन उत्सव समिति की इस बात के लिए सराहना की कि यह समिति 97 वर्षों से विरासत को संजोकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने लंबे समय तक समिति का नेतृत्व करने वाले स्मृति शेष ओमप्रकाश पटवा को भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी।

भक्त प्रहलाद की आरती उतार सीएम योगी ने खेली फूलों की होली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन के उपरांत होलिका दहन शोभायात्रा के लिए सजाए गए रथ पर अवस्थित भक्त प्रहलाद की आरती उतारी। उनके चित्र पर फूल बरसाने के बाद बड़े ही उमंग से उपस्थित जनसमूह पर पुष्प वर्षा करते हुए फूलों से होली खेली। शोभायात्रा को लेकर लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, पूर्व पार्षद रामभुआल कुशवाहा, होलिका दहन उत्सव समिति के अध्यक्ष विपिन पटवा समेत समस्त पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। होलिका दहन शोभायात्रा में रथ पर सजाई गई झांकियां सबके आकर्षण का केंद्र बनी हुई थीं।

मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों का फीडर पर हंगामा

- पुलिस ने भी भीड़ व उनके परिजनों को समझाने का किया प्रयास

जौनपुर। एक दिन पूर्व हाई वोल्टेज विद्युत की चपेट में आने से प्राइवेट लाइनमैन हुई थी मौत।अमिलिया गांव में विद्युत फाल्ट को ठीक करने गया था मृतक लाइनमैन। दिशापुर फीडर पर सैकड़ो की संख्या में पहुंचे लोगो ने मृतक के परिजनों के परिवार को उचित मुआवजे की मांग को लेकर उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने पर अड़े थे परिजन। मृतक के परिजनों को सांत्वना देने के बजाय थानाध्यक्ष ने दे डाली मुकदमा लिखने की धमकी।गुस्साए परिजनों को समझाने के बजाय धारा 144 लागू होने का हवाला देकर थानाध्यक्ष ने दे दी धमकी। आपको बता दे, अजीत थाना केराकत क्षेत्र के दिशापुर फीडर पर संविदा पर लाइनमैन का कार्य करता था। शनिवार को अमिलिया गांव में विद्युत लाइन ठीक करने गया था जहां हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से उसकी मृत्यु हो गई गयी थी।रविवार को दिशापुर फीडर पर परिजनों के साथ सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगो ने उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाकर मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा तथा मृतक की पत्नी को नौकरी व सरकार की तरफ से जो भी आर्थिक सहायता हो उसकी मांग पर अड़े थे। उसी दौरान सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच गई। पुलिस ने भी भीड़ व उनके परिजनों को समझाने का प्रयास किया। इसी बीच थानाध्यक्ष चंदवक का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमे वह आचार संहिता के चलते धारा 144 का हवाला देते हुए हंगामा न करने की हिदायत देते दिख रहे है। घटना की जानकारी देते हुए एसडीओ रमेश वैश्य ने बताया कि परिजनों की मांग थी कि मृतक अजीत परिवार का सहारा था और उसके घर में कोई नहीं है। इसलिए मृतक अजीत के स्थान पर उसकी पत्नी को कंप्यूटर ऑपरेटर रखने की मांग थी। उसे मान लिया गया है, और जो आर्थिक सहायता होगा उसे दिया जाएगा। तब जाकर पूरा मामला शांत हुआ।

मृतक लाइनमैन था

सांस्कृतिक कार्यक्रम में निर्भय शर्मा, बृजेश पांडेय व माही मृदुल ने स्रोताओं का मनमोह लिया

बुराई पर अच्छाई की जीत को उत्साह से मनाने का नाम है होली : राममोहन

केटी न्यूज/मऊ

होली एक प्रमुख हिंदू धार्मिक पर्व है जो भारतीय सभ्यता और संस्कृति में गहरी रूप से स्थापित है। होली का उत्सव परिवार और दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने के बारे में है। जबकि आज समाज में इस त्यौहार को लेकर तमाम विसंगतियां आ गई हैं। लोग इस दिन नशा करना, कपड़े फाड़ना ही त्यौहार का स्वरूप बना दिए हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा होली मिलन उत्सव का आयोजन कर पारंपरिक, साफ सुथरी व सद्भावपूर्ण पारिवारिक होली का संदेश देने का काम किया गया है। उपरोक्त बातें रविवार को नगर के सोनीधापा मैदान में आयोजित होली मिलन उत्सव को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला प्रचारक राममोहन ने कहा। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहाकि रंगों के त्योहार में शामिल होकर लोग अपनों के साथ खुशियां मनाते हैं। होली को रंगों के त्योहार के रूप में जाना जाता है क्योंकि उत्सव के दिन लोग रंगों से खेलते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा एक पहल की गई है कि पुनः एक साफ सुथरी माहौल में परिवार समाज के साथ होली का त्यौहार मनाया जाए। गौरतलब हो की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मऊ नगर द्वारा आयोजित इस समारोह में हजारों की संख्या में उपस्थित हुए। जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच जमकर अबीर गुलाल के साथ होली खेली गई। इस अवसर पर जिला संघचालक कैलाश जी, जिला कार्यवाह भुवेश जी, नगर प्रचारक आर्यम जी, पंकज जी, वीरेंद्र, प्रेमचंद, प्रिंस जी, मनोज, अभिषेक खंडेलवाल, अंबरीश जी, प्रशांत सहित काफी संख्या में स्वयंसेवक व नगर के लोग उपस्थित रहे। नगर के सैकड़ों परिवारों के हजारों लोगों ने मनाया होली मिलन उत्सव। होली मिलन उत्सव में जहां संघ के पदाधिकारी और स्वयंसेवक आयोजक की भूमिका में रहे। वही नगर से जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय, डॉ मनीष राय, शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह, अनिल पांडेय, नरेंद्र राय, लघु उद्योग भारती प्रदेश महासचिव भरत थरड, डॉ. अजीत सिंह, मनीष सर्राफ, कैलाश जायसवाल, मुरलीधर यादव, अतुल जायसवाल, जितेंद्र राखोलिया सहित बड़ी काफी संख्यामें लोग उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में निर्भय शर्मा, बृजेश पांडेय व माही मृदुल के होली गीत ने लोगों को झूमने पर किया मजबूर। होली मिलन उत्सव के दौरान पारंपरिक होली फाग गीत का कार्यक्रम किया गया था। जिसमें प्रख्यात गायक निर्भय शर्मा की सांस्कृतिक टीम द्वारा होली खेले रघुवीरा अवध में से शुरूआत कर सभी को झुमा दिया।

सुभाषितम्

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।

- कालिदास

होली और स्वयंभू भगवान?

- सनत जैन

हर साल होलिकोत्सव मनाया जाता है। इस उत्सव के पीछे महाराज हिरण्या कश्यप जो अपने आपको स्वयं भगवान मानते थे। उन्होंने अहंकार के वशीभूत होकर अपने स्वयं के पुत्र प्रहलाद जिसने उन्हें भगवान मानने से इनकार कर दिया था। प्रहलाद भगवान हरि की आराधना करते थे। अपने पिता के सामने जब वह हरि के गुणगान करते थे तो हिरण्या कश्यप उससे कुपित हो जाते थे। उन्होंने सैकड़ों प्रयत्न अपने पुत्र को समझने के लिए किये। लेकिन भक्त पहलाद पर इसका कोई असर नहीं हुआ। इससे महाराज हिरण कश्यप इतने कुपित हो गए, कि उन्होंने अपने पुत्र को ही आग में जलाकर मार डालने का कुत्सित प्रयास किया। इस कृत्य में उन्होंने अपनी बहन होलिका का भी साथ लिया। होलिका को यह वरदान था कि अग्नि उसे कभी नहीं जलाएगी। महाराज हिरण्या कश्यप के आदेश को होलिका को भी मानना पड़ा, वह अपने भतीजे को गोद में लेकर बैठ गई। लकड़ियों के ढेर में आग लगा दी गई। होलिका जल गई, लेकिन पहलाद बच गए। भारतीय संस्कृति और इतिहास में ऐसी एक नहीं अनेकों घटनाएं हैं। जब-जब किसी का भी अहंकार चरम स्तर पर पहुंचा है। उसे अहंकार के कारण मृत्यु का वरण करना पड़ा है। भारतीय संस्कृति में राम और रावण का युद्ध भी इसी बात का परिचायक है। रावण ने अपने अहंकार के आगे अपने आप को भगवान के समकक्ष मान लिया था। रावण अपनी जय-जयकार कराता था। रावण की कैद में सभी नवग्रह कैद थे। रावण अपने आप को अजेय मानता था। रावण को यह अहंकार हो गया था, कि भगवान शिव की पूजा उसके कारण होती है। क्योंकि वह भगवान शिव की पूजा करता है। उसके भक्त इसलिए भगवान शिव की पूजा करते हैं। समय समय पर यह स्थिति हमेशा देखने को मिलती रही है। जिनके पास सत्ता होती है, उनमें अहंकार आना सत्ता का स्वाभाविक नशा है। सत्ता के इसी नशे के कारण सारी दुनिया में राज करने और जो सत्ता में बैठा हुआ व्यक्ति कहे उसे हर कोई माने यह अहंकार धीरे-धीरे सभी सत्ताधीशों का बढ़ना शुरू हो जाता है। पिछले 100 200 वर्षों में जितने भी तानाशाह हुए हैं। सत्ता के मध्य में उनका अस्तित्व भी इसी कारण मिटा है। भारत में हर साल होली का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। बचपन से ही हमें अहंकार के बारे में सारे संस्कार प्राप्त हो जाते हैं। कथा कहानियों के माध्यम से बचपन से ही हम यह सत्य सुनते आए हैं। इसके बाद भी अहंकार से कोई बच नहीं पता है। अहंकार सत्ता का स्वाभाविक गुण है। जैसे-जैसे सत्ता बढ़ती है, उसी अनुपात में अहंकार भी बढ़ता है। जब अहंकार चरम पर पहुंच जाता है, तब मृत्यु के अलावा और कोई विकल्प नहीं होता है। यही हाल रावण का हुआ था। यही हाल हिरण्या कश्यप का हुआ।
भारतीय संस्कृति एवं पौराणिक कथाओं में भी इसके एक नहीं सैकड़ों उदाहरण हैं। इसके बाद भी जैसे धर्म और अधर्म अनादि काल से आज तक स्थापित है। वैसे ही मानवीय गुणों में अहंकार सत्ता के सर्वोच्च अवस्था में पहुंचने के बाद, अंत की निशानी है। वर्तमान परिपेक्ष में इस सत्य का ज्ञान होते हुए भी व्यक्तियों में जिस तरह का अहंकार देखने को मिलता है। उसके बाद यही कहा जा सकता है, कि सबको ज्ञान तो है। वे सभी इसके परिणाम भी जानते हैं, लेकिन अहंकार का नशा कभी उतरता नहीं है। ऐसा नहीं सत्ता मैं बैठे राजनेताओं को ही अहंकार का नशा होता है, यह साधु-संतों के साथ-साथ हर उसे व्यक्ति को हो सकता है, जिसे अपने ज्ञान और सामर्थ का घमंड हो जाता है। यही सामर्थ व्यक्ति के अहंकार को बढ़ाता चला जाता है। जो लोग लगातार सफलता अर्जित करते हैं। उनमें अहंकार बड़ी तेजी के साथ बढ़ता है। अंत के साथ ही उनका अहंकार समाप्त होता है। होली का उत्सव रंग का त्यौहार है। सत्य और असत्य कि इस लड़ाई में अनन्तोगत्वा जीत सत्य की होती है। होलिका दहन के बाद जब प्रहलाद बच गया उस समय लोगों ने इसे उत्सव के रूप में मनाया। तब से रंगों का यह त्यौहार, भारतीय संस्कृति में अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्त्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्त्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।
वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है- तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

लोभी व्यक्ति आचरण से हीन हो जाता है

- संजय गोस्वामी

आज सत्ता में बने रहने के लिए साम, दाम, भेद, दण्ड पुरातन काल में राजा द्वारा अपनायी जाने वाली नीतियाँ हैं जिन्हें उपाय-चतुष्टय कहा जाता है। चाणक्य (350-275 ईसा पूर्व) को कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपनी शिक्षा तक्षशिला में प्राप्त की। वह मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में प्रधानमंत्री थे। उसी समय के बाद देश में प्रधानमंत्री पद देश को सूचारू रूप से चलाने हेतु ऐसे बड़े पद का सृजन हुआ, कौटिल्य विश्व के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने राज्य के विस्तार एवं आंतरिक-बाहरी सुरक्षा की समुचित एवं व्यवस्थित नीति का प्रतिपादन किया था। जिन चार नीतियों व उपायों का वर्णन उन्होंने उस समय किया था वह आज भी उतनी ही प्रामाणिक हैं जितनी उस समय थी। आज-कल सत्ता पाने के चक्कर में साम, दाम, भेद और दंड का रास्ता अपनाना किसी की पार्टी तोड़ कर अपनी पार्टी बनाना सत्ता पक्ष में विरोधीदल को अपने पाले में लेना जनादेश का अपमान है ऐ सत्ता पाने का लालच लोभ मनुष्य के जीवन के पराभव का पतन द्वार है। सत्ता का लोभ मनुष्य के जीवन का ऐसा मानसिक विकार है, जो उसके उत्कर्ष में बाधा डालता है। लोभी व्यक्ति आचरण से हीन हो जाता है वह अपने स्वाभिमान को भुलाकर किसी कामना के वशीभूत होकर चाटुकार बन जाता है, उसका अपना व्यक्तित्व नष्ट हो जाता है और किसी से कुछ पाने की आशा में अपना सब कुछ गंवा देता है। लोभी व्यक्ति का चारित्रिक पतन हो जाता है। लोभ राजनीति का हो, किसी ऊंचे पद का हो, अर्थ प्राप्ति का हो, वासना के वेग का हो या किसी भी प्रकार से किसी से कुछ पाने की लालसा का हो, ठीक नहीं है। सत्ता एक क्षणिक प्यास की तरह है जिसकी पूर्ति के लिए मनुष्य अनैतिक बन जाता है और गलत-काम करने लगता है। वह भूल जाता है कि उसके जीवन की कुछ मयार्दाएँ भी हैं। हम अपने जीवन में ऐसा ही अनुभव करते हैं कि थोड़े से सुख, थोड़े से लाभ, एक-आध ऊंची कुर्सी पाने के लिए ऐसे लोगों के पैर छूने लगते हैं जो स्वयं चारित्रिक दृष्टि से गिरे होते हैं। जब हम लोभ करते हैं, तो हमारा पूरा व्यक्तित्व दीन, हीन और दरिद्र बनकर खड़ा हो जाता है जिससे हमारी अपनी जीवनशक्ति शरीर में हो रहे जैविक परिवर्तन से बुरी तरह आहत होने लगती है और हमारे जीवन में जो स्वाभिमान की ऊर्जाशक्ति है वह दासत्व ग्रहण करने लगती है। लोभी व्यक्ति अपनी सारी मयार्दाओं और नैतिक मूल्यों को छोड़कर स्वयं स्वीकार करने लगता है कि हम दूसरी पंक्ति में खड़े लोग हैं, हम दूसरे की जयकार बोलनेवाले हैं और भाट की तरह दूसरे की प्रशस्ति के गीत गाने वाले लोग हैं। ऐसे सत्ता पाने की लोभी विचारों, का असर आशाओं, निराशाओं, भय, घृणा, क्रोध आदि मनोवेगों का प्रभाव पड़ता है जो हमारे शरीर के अंग-प्रत्यंग पर असर डालता है और हमारे स्वास्थ्य और मनोदशा पर पड़ता है, जो शरीर की एक-एक कोशिश (सेल) पर पड़ता है, जो हृदय और मस्तिष्क पर पड़ता है, रक्त पर पड़ता है, स्नायुतंत्र (नर्वस-सिस्टम) पर पड़ता है। हमारे विचारों का प्रभाव हमारे व्यक्तित्व में झलकता है। जितनी बार भी हम सत्ता पाने की कोशिश को गलत दिशा में करेंगे नहीं मिलने पर चिंता से घबरा उठते हैं अथवा उत्तेजित होकर व्यर्थ ही घृणापूर्ण क्रोध में भड़क उठते हैं, उतनी बार हम मानों अपने ही शरीर में, मस्तिष्क से तथा प्रत्येक सेल से ही लड़ बैठते हैं। ऐसे लोग कभी भी समाज को दिशा नहीं दे सकते न ही खुद की उन्नति करने में सफल हो सकते हैं। लेकिन क्योंकि भारत की जनता ईमानदार, गूंगा-बहरा नहीं है, ऐसे में अगले चुनाव में अगर जनता चुन भी लेती है लेकिन अपनी ही पार्टी की जाल में फंसकर सत्ता चली जाती है उसके बाद राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। कहते है राजनीति में कोई हमेशा के लिए दोस्त नहीं होता और कोई हमेशा के लिए दुश्मन नहीं होता। लेकिन पिछलें कुछ दिनों में इसी राजनीति में राजनीति गरिमा को भी ताड़-ताड़ कर दिया गया है। ऐसा नहीं है कि देश ने पहली बार राजनीति में भाषा की इतनी गिरी हुई मयार्दा देखी है, लेकिन अपना भूत से कोई भी सीख ना लेते हुए राजनेताओं का बार-बार उसी तरह से राजनीतिक भाषा को नीचे स्तर पर ले जाना ना ही सिर्फ देश की राजनीति के लिए एक खराब आज और कल होगा बल्की देश की छवि को भी इससे काफी गहरा धक्का लगता है। राजनीति में कोई हमेशा के लिए दोस्त नहीं होता और कोई हमेशा के लिए दुश्मन नहीं होता। लेकिन पिछलें कुछ दिनों में इसी राजनीति में राजनीति गरिमा को भी ताड़-ताड़ कर दिया गया है। ऐसा नहीं है कि देश ने पहली बार राजनीति में भाषा की इतनी गिरी हुई मयार्दा देखी है, लेकिन अपना भूत से कोई भी सीख ना लेते हुए राजनेताओं का बार-बार उसी तरह से राजनीतिक भाषा को नीचे स्तर पर ले जाना ना ही सिर्फ देश की राजनीति के लिए एक खराब आज और कल होगा बल्की देश की छवि को भी इससे काफी गहरा धक्का लगता है। पूज्य डॉ प्रणव पांड्याजी के पास एक बार हरिद्वार गया पुलिस फॉर्स तैनात था क्योंकि देव संस्कृती विश्वविश्व विद्यालय के कुलपति थे उन्होंने मुझे तुरंत बुलाया जितनी बातें बताई सब बिलकुल सत्य निकला उन्होंने राजनीति में राज्य सभा की सदस्यता को लातमार दी क्योंकि उन्हें मालूम था जितना सेवा अपनी गद्दी पर मातरम के आशीर्वाद से सेवा गरीब की भलाई कर सकते हैं उतना राजनीति में नहीं ऐ बात हमेशा हमें सुनाई देती है।

दिग्विजय के लिए अंतिम प्रयास दिग्गी राजा का...

-राकेश अचल

`मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को कांग्रेस है कमान ने अंततोगत्वा 18 वीं लोकसभा के लिए होने वाले आमचुनाव में राजगढ़ संसदीय सीट से प्रत्याशी घोषित कर ही दिया । मुझे नहीं लगता कि ये फैसला दिग्विजय सिंह के मन का होगा,लेकिन वे कांग्रेस के उम्रदराज निष्ठावान सिपाही हैं इसलिए उन्होंने इस फैसले को विनम्रता से शिरोधार्य कर लिया होगा। चुनावी राजनीति में मुमकिन है कि ये दिग्विजय सिंह का अंतिम अवसर हो। पूरे सत्तर [77] पार कर चुके दिग्विजय सिंह को बहुत से लोग स्नेह से ,,सम्मान से अपनेपन से दिग्गी राजा कहते है । उन्हें ये नाम हमारी बिरादरी के स्वर्गीय बालकवि बैरागी ने दिया था। आज की पीढ़ी के कांग्रेसियों को और मुमकिन है कि हमारे पाठकों को भी शायद पता नहीं हो कि सार्वजनिक जीवन में दिग्विजय सिंह 53 साल पूरे कर चुके है। एक सामंती परिवार में जन्मे दिग्विजय सिंह ने अपना पहला चुनाव 1971 में राघौगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष पद के लिए लड़ा था वे 1977 में पहली बार चुनाव जीतकर विधानसभा की सीढ़ियां चढ़े थे । इस लिहाज से दिग्विजय आधी सदी का चलता-फिरता इतिहास हैं। दिग्विजय सिंह को जानते हुए मुझे भी कोई 40 साल तो हो ही चुके हैं ,इसलिए उनके बारे में लिखने में न मुझे कोई संकोच होता है और न कोई निराशा । दिग्विजय सिंह के भीतर का का सामंत जिन्दा होकर भी मर चुका है। दिग्विजय सिंह का सीना 56 इंच का हो या न हो लेकिन वे एक जबरदस्त योद्धा है। अपने आधी सदी से ज्यादा के जीवन में दिग्विजय चुनाव भी लड़े और अपने विरोधियों से व्यक्तिगत लड़ाइयां भी । उन्हें अपने आपसे भी लड़ना पड़ा,लेकिन वे पीछे नहीं हटे। यही उनकी विशेषता है। दिग्विजय सिंह ने विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा की यात्रा निर्विघ्न पूरी की । जिद्दी इतने कि 2003 में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सत्ता जाते ही एक दशक तक चुनाव न लड़ने का फैसला किया तो उसे भीष्म प्रतिज्ञा की तरह निभाया भी। दिग्विजय सिंह कि सामने कांग्रेस में बहुत कुछ बदला है,घटा है लेकिन दिग्विजय सिंह न बदले और न घटे । उनका कद लगातार बढ़ा, असफलताओं और सफलताओं कि बीच बढ़ा । विवादों कि बीच बढ़। फिर चाहे ये विवाद उनके निजी जीवन को लेकर हों या राजनीतिक। वे कभी हासिये पर नहीं गए और आज भी मोर्चे पर खड़े हैं एक खुद्दार सिपाही की तरह। दिग्विजय ने राजनीति में अदावतें भी कम नहीं पाली । उनके जितने दोस्त हैं शायद उससे कहीं ज्यादा दुश्मन भी है। अनेक को तो मै निजी तौर पर जनता हूँ। दिग्विजय ने दोस्ती और दुश्मनी पूरी शिद्दत से की । वे आधा-अधूरा काम नहीं करते ,किन्तु अब मुझे लगता है कि वे अपना अंतिम चुनाव आधे-अधूरे मन से लड़ रहे हैं।सबसे बड़ी बात ये है कि दिग्विजय जितने सरल हैं उतने ही जटिल भी है। जिद्दी भी हैं। राजहठ उनके गुणसूत्र में शामिल है, बावजूद इसके उनका अपना वजूद है और उसे कोई चुनौती नहीं दे पाया। उनके खास विरोधी स्वर्गीय माधवराव सिंधिया हों या फिर ज्योतिरादित्य सिंधिया। दिग्विजय मोदी युग में अपना तीसरा लोकसभा चुनाव जीतेंगे या हारेंगे मै इसकी भविष्यवाणी नहीं करता,क्योंकि ये ज्योतिषियों का काम है। मेरा नहीं। लेकिन मै इतना कह सकता हूँ कि राजगढ़ से कांग्रेस ने आजादी कि बाद से अब तक हुए 17 चुनावों में से 11 चुनाव जीते है। यहाँ से इस समय भाजपा के रोडमल डामोर सांसद हैं। दिग्विजय सिंह इसी सीट से 1984 और 1991 में भी चुनाव जीत चुके है। दिग्विजय के सगे भाई लक्ष्मण सिंह ने भी इसी सीट से चार चुनाव कांग्रेस में रहकर और एक चुनाव भाजपा में रहकर जीता है ,इसलिए कहा जा सकता है कि रोडमल डामोर दिग्विजय सिंह के लिए चुनौती नहीं बन पाएंगे,किन्तु जिस तरीके से भाजपा ने 2019 के चुनाव में गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराया था उसी तरह से आज की भाजपा दिग्विजय सिंह को भी आसानी से चुनाव जीतने नहीं देगी। मध्यप्रदेश की २९ सीटों में से राघौगढ़ अकेली ऐसी सीट है जो भाजपा और कांग्रेस के लिए सचमुच प्रतिष्ठा का प्रश्न बनेगी। गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया हालाँकि इस बार सत्तारूढ़ भाजपा के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की वजह से सुरक्षित हैं किन्तु जिस तरह से गुना के मौजूदा सांसद का टिकिट काटा गया है वो भी ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए भारी पड़ सकता है। राजगढ़ से दिग्विजय के चुनाव मैदान में उतरने का लाभ भले ही सिंधिया को मिल जाये क्योंकि दिग्विजय का सारा फौज-फांटा गुना के बजाय राजगढ़ में श्रम करेगा। दिग्विजय राघौगढ़ की आभासी रियासत के आभासी राजा हैं, ठीक उसी तरह जैसे की आभासी ग्वालियर रियासत के महाराजा ज्योतिरादित्य सिंधिया है। दोनों राज परिवारों के बीच बड़ी पुरानी अदावत भी है। तीन पीढ़ियों से चली आ रही ये अदावत निजी भी है और सियासी भी। आम धारणा है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2020 में कांग्रेस की अपनी पांच दशक पुरानी विरासत दिग्विजय और की वजह से ही छोड़कर भाजपा की शरण ली थी ।
बहरहाल राजगढ़ का चुनाव पहले के मुकाबले ज्यादा दिलचस्प होगा,क्योंकि दिग्विजय यहां की जनता से मुमकिन है अपना अंतिम चुनाव कहकर वोट माँगे। भाजपा के लिए भी ये सीट प्रतिष्ठा की हो गयी है ,क्योंकि इसी सीट से भाजपा के मोदी ब्रांड का भी परीक्षण होना है ।।दिग्विजय यदि चुनाव जीतकर लोकसभा में पहुँचते हैं तो आप तय मानिये कि मोदी जी के ऊपर घड़ों पानी पड़ जाएगा। क्योंकि दिग्विजय ही एकमात्र ऐसा कांग्रेसी चेहरा हैं जो खुलकर भाजपा और आरएसएस को गरियाते रहे हैं। आगे-आगे देखिये होता है क्या ? दिग्विजय से मै लम्बे आरसे से मिला भी नहीं हूँ,लेकिन अब मिलना चाहूंगा।

होली के दिन वर्ष का पहला चंद्रग्रहण

-डॉ जाह्नवी

आर्यावर्त की धरती पर 2024 का ग्रहण और पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च सोमवार को होली के दिन वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण लग रहा है, यह ग्रहण कई मायनों में खास और विशेष है जो भारत में दिखाई नहीं देगा। फाल्गुन पूर्णिमा पर चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है, इसी दिन होली का पर्व भी बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। महामंडलेश्वर महर्षि डॉ जाह्नवी, राज-ज्योतिष, अधिवक्ता, झारखण्ड-भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष-इंडियन एस्ट्रोलाजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट इंडिया (पंजी) रांची, धर्मपुर, जसीडीह, देवघर-वैधनाथधाम ने शोध अनुसंधान के बाद कहा पुर्णिमा में चंद्र ग्रहण और अमावस्या को सूर्य ग्रहण होता है। 25 मार्च को होली के दिन लगने वाले चंद्र ग्रहण का समय क्या होगी, होली साथ ही होलिका दहन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, क्या इस चंद्र ग्रहण में सूतक मान्य होगा, चंद्र ग्रहण किस राशि पर लगेगा,कब लगेगा, 25 मार्च को चंद्रग्रहण सुबह 10,23 मिनट से अपराह्न 03,02 मिनट तक रहेगा।यह उपछाया चंद्र ग्रहण है। कुल अवधि 04 घंटे 36 मिनट की होगी। चंद्रमा जब पृथ्वी की उपछाया में प्रवेश करता है तो इसे पेनुमब्रल चंद्र ग्रहण या उपछाया चंद्र ग्रहण कहते हैं, पेनुमब्रल चंद्र ग्रहण में पृथ्वी की सीधी छाया पूरी तरह चंद्र की सतह पर नहीं पड़ती है।इस उपछाया चंद्र ग्रहण में चंद्रमा के सामने धूल जैसी परत दिखाई देती है, इसमें चंद्रमा आम दिनों की तरह नजर आएगी,दिखाई देती है लेकिन रंग थोड़ा मटमैले सा हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र गणनानुसार ज्योतिष की दृष्टि में लगभग 100 सौ वर्ष बाद यह अद्भुत अद्वितीय अविस्मर्णीय अकल्पनीय होली और चंद्र ग्रहण का संयोग हुआ है। हिन्दू सनातन धमार्नुसार ग्रहण लगने की घटनाएं शुभ नहीं मानी जाती है अतएव इस दौरान विशेष सावधानी और सतर्कता बरतने की आवश्यकता रहती है। 25 मार्च 24 सोमवार को होली और चंद्र ग्रहण संपूर्ण भारत में दृश्य नहीं होगा, दिखाई नहीं होने के कारण कोई धार्मिक महत्व भी नहीं है। इस ग्रहण का प्रभाव भारत वर्ष और पास-पड़ोस के राष्ट्रों में भी नहीं होगा न सूतक ही लगेगा। सभी मस्त रहें और जीवन भर आनंद लेते हुए हरक्षण व्यस्त भी रहेंगे। हरि ॐ बोले। 25 मार्च 2024 सोमवार को सूर्य,राहू मीन राशि में,शुक्र, मंगल और शनि कुंभ राशि में विराजमान रहेंगे। ग्रहों नक्षत्रों के शुभ योग से शुभ स्थिति बन रही है और ईश्वरीय देवी शक्ति से कई राशि के जातकों को धन लक्ष्मी प्राप्ति के शुभ योग बन रहे हैं लाभान्वित होंगे। वृषभ, कन्या और धनु राशि वाले को सुख समृद्धि सौभाग्य साथ धन महालक्ष्मी प्राप्ति के शुभ संयोग बन रहे हैं।जो शुभ फलदाई है। विशेष रूप से मिथुन, सिंह, कन्या, और वृश्चिक राशियों के लोगों को होली में सावधानी बरतनी होगी वाद-विवाद, लड़ाई झगडे,खून खराबा से दूर रहेंगे तो आपके लिए हितकर होगा। 25 मार्च 2024 को भारत को छोड़कर चंद्र ग्रहण का प्रभाव इंग्लैंड, जर्मनी, आयरलैंड, पुर्तगाल, इटली, फ्रांस, जापान,स्पेन,हालेंड, बेल्जियम, दक्षिण नार्वे, स्विट्जरलैंड, उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका,रूस के पूर्वी भाग,शेष अस्ट्रेलिया और अधिकांश अफ्रीका में देखा जा सकेगा। सभी पाठकों को होली की रंग भरी पिचकारी के साथ हार्दिक शुभकामनाएं साथ ही कोटि कोटि बधाई।

आज का राशिफल

मेष आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आज आपकी आमदनी काफी अच्छी होगी।

तुला आज का दिन सुख शांति और संतोष से काम करने का है। आपका आज का दिन आनंद में बीतेगा।

वृषभ आज लाभ होगा और आपका आत्मसम्मान बढ़ेगा। आज आपके मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज दिन सम्मान से भरा होगा और आज आपको हर कार्य में सफलता मिलेगी।

मिथुन आज का दिन भागदौड़ में बीतेगा। अतिथि और मेहमान भी कुछ लंबा पड़ाव डालना चाह रहे हैं।

धनु सम्मान की प्राप्ति होगी आपको बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने से आपके कोष में वृद्धि होगी।

कर्क सम्मान प्राप्त होगा। आज आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी और घर में कुछ खर्च भी संभव है।

मकर आज दिन बिजी रहेगा। आज का दिन काफी अधिक व्यस्तता का संकेत दे रहे हैं।

सिंह धन संबंधी मामलों में लाभ होगा। शुभ योग आपके लिए भाग्य वृद्धि में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

कुंभ आज आर्थिक सफलता प्राप्त होगी। आपके भाग्य में वृद्धि होगी और सम्मान की प्राप्ति होगी।

कन्या कोई विवाद हो सकता है। धैर्य से काम करें और बिना बात के किसी प्रकार का विवाद करने से बचें।

मीन आज आर्थिक लाभ होगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

विशेष

केजरीवाल के नाम एक और इतिहास

आबकारी मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ईडी की गिरफ्तार में हैं। एक तरफ केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा और केंद्र के खिलाफ आर या पार की जंग छेड़ दी है तो वहीं दूसरी तरफ हिरासत में भी सीएम केजरीवाल सरकार का काम काज देख रहे हैं और जलबोर्ड से संबंधित आदेश जारी कर रहे हैं। यह भी अपने आप में इतिहास रचने जैसा कार्य है, जो कि सीएम केजरीवाल के नाम पर दर्ज कर लिया गया है। इसे देखते हुए ही आप के शीर्ष नेताओं ने बयान दिया है कि अगर दिल्ली के सीएम को जेल भेजा जाता है, तो वे लोग जेल में ही सीएम का कार्यालय बनवाने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

मुलाकात से हासिल रामपुर

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीतापुर जेल में कैद आजम खान से पिछले दिनों मुलाकात की जिसका हासिल अब सामने आया है। दरअसल यदि अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव 2024 में उम्मीदवार बनते हैं तो उनके सामने रामपुर और कन्नौज लोकसभा सीटें होंगी। अब इनमें से जिसे वो पसंद करेंगे उससे उन्हें चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है। सूत्रों की मानें तो अखिलेश और आजम की मुलाकात के दौरान कई सीटों पर दोनों नेताओं ने चर्चा की है। इस मुलाकात के बाद ही राजनीतिक गलियारे में अखिलेश के रामपुर से चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1507: फ्रांस नरेश लुई 2वें ने जेनोआ (इटली) पर हमला किया. 1845: नेपोलियन बोनापार्ट के खिलाफ आस्ट्रिया, ब्रिटेन, प्रसिया, रूस ने गठबंधन किया. 1983: सागर अनुसंधान के लिए अति आधुनिक जहाज सागरकन्या का जलावतरण किया गया था. 1941: द्वितीय विश्व युद्ध में रोम, बर्लिन, टोकियो गठबंधन में यूगोसलाविया भी शामिल हो गया. 1957: इटली, बेल्जियम, पश्चिम जर्मनी, लक्जमबर्ग और नीदरलैंड ने साझा बाजार और यूराटोम के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किये. 1969: पाकिस्तान केराष्ट्रपति अयूब खान ने ग्यारह वर्ष बाद सत्ता सेना को सोफदी . 1975: सऊदी अरब के शाह फैजल की हत्या उनके भतीजे ने की. 1987: अफगानी विमानों की बमबारी में पाकिस्तानी सीमा पर 80अफगान छापामार और नागरिक मारे गए.

दैनिक पंचांग

25 मार्च 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2024 वर्ष का 85 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 12.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 10.38 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 21.30 बजे को समाप्त। **करण** बव 12.30 बजे तदनन्तर बालव 01.45 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 01° 55' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871929 **जूलियन दिन** 2460394.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** रमजान **तारीख** 14 **विशेष** होली, चंद्र ग्रहण, फाल्गुन पूर्णिमा, श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु जयंती, लक्ष्मी जयंती, गणेश शंकर विद्यार्थी बलिदान दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.01 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	08.41 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.40 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.53 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	15.09 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	17.21 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.32 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.46 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	00.02 बजे से
राहुकाल		मकर	02.08 बजे से
7.30 से 9.00		कुंभ	03.54 बजे से
बजे तक		मीन	05.27 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख

370 के खात्मे का दिखेगा नया रंग

बीते चुनाव के बाद सबसे चर्चित राज्य अब दो केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बंट गया है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद भाजपा यहां सकारात्मक बदलाव को मुद्दा बना रही है। तैयारी घाटी तक पहुंच बनाने की है। दो ताकतवर क्षेत्रीय दलों नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी का मुख्य मुद्दा पूर्ण राज्य के दर्जे के साथ 370 की फिर से बहाली है। कांग्रेसी दिग्गज रहे गुलामनबी आजाद अब डेमोक्रेटिक प्रगतिशील आजाद पार्टी बनाकर नई पारी खेल रहे हैं। एनसी-पीडीपी ने गठबंधन तोड़ दिया है। कांग्रेस फिलहाल अकेली है।

पिछला परिणाम

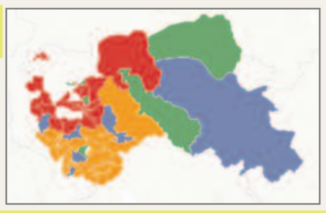

कुल सीटें 6
भाजपा 3
एनसी 3

गुजरात-

तीन दशक से भाजपा का अभेद्य किला

पश्चिम भारत और पीएम मोदी के गृह राज्य के तौर पर पहचान। लोकसभा के बीते दो चुनावों में क्लीन स्वीप के अलावा बीते विधानसभा चुनाव में तीन चौथाई से भी बड़ी प्रचंड जीत से भाजपा के हौसले बुलंद। कांग्रेस यहां आप के साथ गठबंधन कर चुनौती पेश करने की कोशिश कर रही है। हालांकि मुश्किल यह है कि पार्टी के नेता एक-एक कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। चुनाव में भाजपा का मुद्दा हमेशा की तरह हिंदुत्व व राष्ट्रवाद है। पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह का गृह प्रदेश होने के कारण राज्य की अस्मिता के मुद्दे का लाभ भी भाजपा को मिलता रहा है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 26
भाजपा- 26

हिमाचल प्रदेश

बगावत के चलते संकट में कांग्रेस

उत्तर भारत में कांग्रेस शासित इकलौता राज्य। सैनिकों की बहुतायत वाले प्रदेश में बीते साल भाजपा को कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवानी पड़ी। हालांकि, सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के खिलाफ अब पार्टी में ही असंतोष चरम पर है। पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह बगावत की कमान संभाले हुए हैं। भाजपा के सामने फिर से क्लीन स्वीप करने की, तो कांग्रेस की खाता खोलने की चुनौती है।

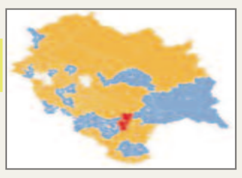

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 4
भाजपा- 4

पंजाब

किसान आंदोलन के बीच बहुध्रुवीय दिख रही लड़ाई

पांच साल में राज्य की सियासत पूरी बदल गई। कांग्रेस और अकाली दो ध्रुव थे। अब सत्ता आप के पास है। अकाली दल ने किसान आंदोलन के बहाने भाजपा से गठबंधन तोड़ लिया, तो कांग्रेस के स्तंभ रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुनील जाखड़ भाजपाई हो गए। आप विपक्षी गठबंधन में शामिल है, मगर कांग्रेस संग सीटों का बंटवारा उलझा है। किसान आंदोलन नए सिरे से शुरू हुआ है। इन सबके बीच अकाली दल फिर भाजपा से गठजोड़ में जुटा है। यहां बहुध्रुवीय लड़ाई नजर आ रही है।

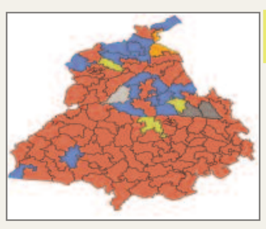

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 13
कांग्रेस- 8
भाजपा- 2
अकाली दल- 2
आप- 1
(उपचुनाव में आप ने इकलौती व कांग्रेस ने एक सीट गंवा दी।)

उत्तराखंड

देवभूमि और भाजपा का मजबूत किला। पिछले चुनाव में क्लीन स्वीप करने वाली भाजपा ने राज्य की सत्ता बरकरार रख हर चुनाव में परिवर्तन की परंपरा से पार पाने में सफलता हासिल की। पार्टी का मुख्य मुद्दा देवभूमि में किया गया विकास है। मोदी सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के भी कई प्रयास किए हैं।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 5
भाजपा- 5

हरियाणा

जाटलैंड कहे जाने वाले हरियाणा में जाट बिरादरी लोकसभा और विधानसभा के बीते दो चुनावों में हाशिये पर रही है। भाजपा को लगातार ब्रांड मोदी और गैरजाट राजनीति का लाभ मिला है।

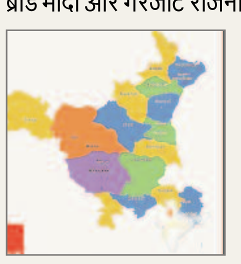

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 10
भाजपा- 10

पिछले लोकसभा चुनाव में क्लीन स्वीप करने वाली भाजपा की चुनौती पुराना प्रदर्शन बरकरार रखने की है। वहीं, कांग्रेस आधार पाने की जद्दोजहद में है। विपक्ष महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न व किसान आंदोलन को मुद्दा तो बना रहा है, पर अन्य राज्यों की तरह यहां भी विपक्ष बिखरा है। विधानसभा में भाजपा का जेजेपी से गठबंधन था। हालांकि सियासी उठापटक में मनोहरलाल की जगह नायब सिंह सैनी सीएम बने और जेजेपी से गठबंधन तोड़ दिया।

दिल्ली

राजधानी में दो बार से भाजपा का दबदबा

देश की राजधानी के मतदाता राजनीति के माहिर खिलाड़ी साबित हो रहे हैं। बीते दो लोकसभा चुनाव में सभी सीटें भाजपा को जबकि विधानसभा में 90 फीसदी सीटें आप को देते रहे हैं। इस बार कांग्रेस और आप ने गठजोड़ कर लिया है, लेकिन बीते दो चुनावों में दोनों पार्टियों को मिले वोटों का जोड़ भी भाजपा के वोटों के पार नहीं गया है। ऐसे में इस गठजोड़ का कितना लाभ विपक्ष को मिलेगा, कहना कठिन है। स्थानीय सांसदों के खिलाफ किसी भी असंतोष से निपटने के लिए भाजपा केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी सहित 4 सांसदों का पत्ता काट चुकी है।

रणभेरी बज चुकी है...चुनाव आयोग के 7 चरणों में मतदान कराने के एलान के साथ ही अगले तीन महीने पूरा देश चुनावी रंग में रंग जाएगा। वादों-इरादों के अनोखे और अलग-अलग रंग देखने को मिलेंगे। मैदान में ताल ठोक रहे राजनेता सत्ता का सिंहासन पाने के लिए हर सियासी दांव-पेच आजमाते नजर आएंगे।

किस राज्य में कैसे हैं समीकरण

कहां, कौन, किसके लिए खड़ी करेगा मुसीबत

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 7
भाजपा- 7

महाराष्ट्र

असली-नकली के बीच दिलचस्प लड़ाई

बीते विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की सियासत कई उलटफेर का शिकार रही। शिवसेना ने स्वाभाविक सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ धुर विरोधी कांग्रेस व एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी सरकार बनाई। उद्धव सीएम तो बन गए, पर पहले शिवसेना और बाद में एनसीपी ही टूट गई। चुनाव आयोग ने भले ही शिवसेना और एनसीपी के असली-नकली का अपने हिसाब से फैसला कर दिया हो, लेकिन जनता किसे असली मानती है, फैसला लोकसभा चुनाव में होना है।

पिछला परिणाम

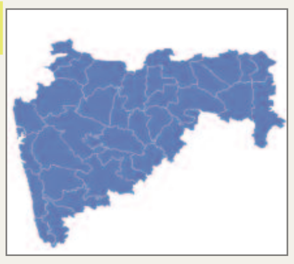

कुल सीटें- 48
भाजपा- 23
शिवसेना- 18
एनसीपी- 4
कांग्रेस- 1
अन्य- 2

उत्तर प्रदेश

सत्ता बनाने और बिगाड़ने में अहम भूमिका

सियासी दृष्टि से देश का सबसे अहम राज्य। दो चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत ने केंद्र में पहली बार कांग्रेस के इतर किसी दल की बहुमत की सरकार बनाने में निभाई भूमिका। बीते चुनाव में बसपा के साथ मैदान में उतरी सपा इस बार कांग्रेस के साथ। पूरब में अपना दल, निषाद पार्टी, सुभासपा तो पश्चिम में रालोद को साधने के बाद भाजपा को फिर बड़ी जीत की उम्मीद। सपा-कांग्रेस की सामाजिक न्याय के पिच पर राजग को घेरने की योजना जबकि भाजपा सामाजिक न्याय और राम मंदिर उद्घाटन से उठे ज्वार के सहारे मैदान मारने की जुगत में। बसपा के अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरने के फैसले से भाजपा के हौसले बुलंद।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 80
भाजपा+- 64
बसपा- 10
सपा- 5
कांग्रेस- 1

बिहार

जाति गणना के रंग से कौन होगा बेरंग

देश में जाति आधारित राजनीति का केंद्र। बीते दो साल में राज्य के सीएम नीतीश कुमार के दो बार पाला बदलने और जातिगत गणना की देशव्यापी चर्चा। बीते दो दशक से नीतीश ही सत्ता का संतुलन हैं। जिसके साथ गए, उसी की बादशाहत रही। विपक्ष से जदयू को झटक कर भाजपा ने अंतिम समय में झटका दिया। हालांकि लोजपा के दो धड़ों के कारण सीट बंटवारे की गुत्थी सुलझाना अहम चुनौती है। एनडीए और विपक्ष में शामिल दोनों दलों की निगाहें जातीय समीकरण साधने पर हैं। राजद, कांग्रेस, सामाजिक न्याय की पिच पर एनडीए को घेर रहे हैं, तो सामाजिक न्याय की राजनीति के पुरोधा कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर भाजपा ने विपक्ष को उलझा दिया है।

पिछला परिणाम

● कुल सीटें- 40 ● भाजपा- 17 ● जदयू- 16 ● लोजपा- 6
कांग्रेस- 1

मध्यप्रदेश

शिव-मोहन राज से फिर भगवा आस

हिंदी पट्टी का अहम राज्य और देश का दिल। भाजपा का मजबूत किला। तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए भाजपा ने अभिनव प्रयोगों के सहारे विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज की। भाजपा कांग्रेस की अजेय सीट छिंदवाड़ा पर फोकस कर रही है, तो पूर्व सीएम कमलनाथ की नाराजगी और सांसद पुत्र नकुलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलों से गहराया संकट टिकट मिलने के बाद फिलहाल टल गया है। भाजपा को शिवराज चौहान के बाद मोहन यादव सरकार के भरोसे फिर भगवा लहराने की उम्मीद है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 29
● भाजपा- 28 ● कांग्रेस- 1

राजस्थान

अभेद्य किले को भेदना कांग्रेस की बड़ी चुनौती

बीते साल के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस से सत्ता छीन ली। लोकसभा में दो चुनावों से यह राज्य भाजपा के अभेद्य किले में तब्दील हो चुका है। बीते चुनाव में भाजपा की सहयोगी आरएलपी ने नई राह चुनी है। भाजपा वसुंधरा राजे जैसे पुराने दिग्गजों से परे नया नेतृत्व उभारने में जुटी है। कांग्रेस की सारी उम्मीदें पूर्व सीएम अशोक गहलोत व सचिन पायलट पर टिकीं हैं।

पिछला परिणाम

● कुल सीटें- 25 ● भाजपा- 25

तमिलनाडु

सनातन पर टिप्पणी का दिखेगा असर

यहां की राजनीति द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच सिमटी रही है। राष्ट्रीय दल इन्हीं के साथ गठबंधन कर मैदान में उतरते हैं। पिछले चुनाव में द्रमुक की अगुवाई में यूपीए ने 39 में से 38 सीटें जीतीं। इस बार द्रमुक प्रमुख स्टालिन के बेटे उदयनिधि के सनातन धर्म विरोधी बयानों और सरकार के मंत्रियों पर लग रहे भ्रष्टाचार के आरोपों ने भाजपा को तीसरा कोण बनाने का मौका दिया। राज्य भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई की सभाओं में भीड़ अलग संदेश दे रही है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 39
● द्रमुक- 20 ● कांग्रेस- 08
● अन्य- 10 ● अन्नाद्रमुक- 01

आंध्रप्रदेश

टीडीपी बड़ी चुनौती में घिरी

लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव भी होंगे। विपक्षी टीडीपी के सामने अभी नहीं, तो कभी नहीं की चुनौती है। टीडीपी की एनडीए में वापसी व भाजपा और जनसेना के साथ गठबंधन से नया समीकरण बना है। राज्य की सत्ता और आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने वाली वाईएसआरसीपी के सामने प्रदर्शन दोहराने की चुनौती।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 25
वाईएसआरसीपी 22
टीडीपी 3

ओडिशा- दूर रहकर भी बीजद साथ

सीएम नवीन पटनायक के चेहरे के साथ बीजद राज्य में सबसे ताकतवर। संसद में बीते दस साल से बीजद-भाजपा की दोस्ती चर्चा का विषय रही, मगर गठबंधन पर फैसला नहीं। बीते चुनाव में मुख्य विपक्षी दल बनकर भाजपा ने चौंका दिया था। हालांकि अस्वस्थ चल रहे पटनायक को लेकर कई तरह की अटकलों का बाजार गर्म है। वहीं, कांग्रेस के सामने राज्य में नेतृत्व और संगठन की बड़ी चुनौती सामने है।

पिछला परिणाम

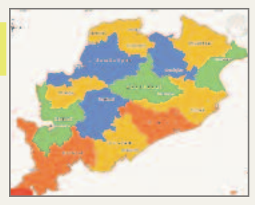

कुल सीटें- 21
बीजेडी 12
भाजपा 8
कांग्रेस 1

तेलंगाना

बीते साल के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में दक्षिण भारत के इस राज्य ने कांग्रेस को जीत के साथ राहत दी। भाजपा के सामने बीते चुनाव में जीती सीटें बचाने और आधार बढ़ाने की, तो बीआरएस के सामने अस्तित्व बचाने की चुनौती है। कांग्रेस राज्य की अस्मिता का मुद्दा उठा रही है। हैदराबाद क्षेत्र में ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम बड़ी ताकत है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें 17
बीआरएस 9
भाजपा 4
कांग्रेस 3
एआईएमआईएम 1

झारखंड

झामुमो की अगुवाई में गठबंधन की सरकार, पर लोकसभा के बीते दो चुनावों में भाजपा का पलड़ा भारी रहा है। सीएम रहे हेमंत सोरेन के जेल जाने से झामुमो संकट में है। पहली बार राज्य की सत्ता सोरेन परिवार के इतर दूसरे हाथों में है। यूपीए आदिवासी अस्मिता को मुद्दा बना रहा है। वहीं, बाबू लाल मरांडी की घर वापसी को भाजपा फायदे के रूप में देख रही है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 13
● भाजपा- 11 ● आजसू, झामुमो, कांग्रेस 1-1

कर्नाटक

दक्षिण में भाजपा के लिए अंतिम आसरा- दक्षिण भारत का अंतिम किला गंवाने के बाद भाजपा की चुनौती बढ़ी है। जद-एस से गठबंधन के बाद उसका विश्वास बढ़ा है। यह राज्य दक्षिण में उसका अंतिम आसरा है। बीते चुनाव में महज एक सीट जीतने वाली कांग्रेस सत्ता में वापसी के बाद बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद पाले बैठी है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 28
● भाजपा- 25 ● भाजपा समर्थित निर्दलीय- 1
● कांग्रेस- 1 ● जदएस- 1

असम

पूर्वोत्तर में भाजपा का नया गढ़- सियासी दृष्टि से पूर्वोत्तर भारत का सबसे अहम राज्य और भाजपा का नया गढ़। मुस्लिमों की बड़ी आबादी के बावजूद भाजपा दो विधानसभा चुनावों और दो आम चुनावों में बेहतर प्रदर्शन में सफल रही है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा हिंदुत्व के नए ब्रांड के रूप में उभरे हैं। कांग्रेस की चुनौती एआईयूडीएफ है, जिसका मुसलमानों में प्रभाव है।

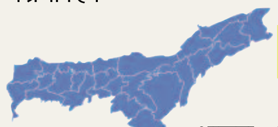

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 14
● भाजपा- 9 ● कांग्रेस- 3
● एआईयूडीएफ- 1 ● निर्दलीय- 1

त्रिपुरा

भाजपा को शून्य से अचानक शिखर पर पहुंचाने वाला राज्य। जिस दल के पास एक भी विधायक नहीं था, उसने दशकों पुरानी वाम मोर्चा सरकार को हरा कर सनसनी मचा दी थी। पार्टी लगातार दो बार से राज्य की सत्ता में। कांग्रेस-वाम मोर्चा साथ-साथ मैदान में।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 2
भाजपा- 2

केरल

लोकसभा में प्रचंड जीत दर्ज करने वाला कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ वाम दलों की अगुवाई वाले एलडीएफ से पार नहीं पा सका। अब तक खाता खोलने में नाकाम रही भाजपा ने चर्च से संबंध बेहतर करने के साथ कांग्रेसी एके एंटनी सहित कई नेताओं को साधा है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 20
● यूडीएफ- 19 ● एलडीएफ- 1

अरुणाचल प्रदेश

सामरिक और रणनीतिक दृष्टि से पूर्वोत्तर और देश का अहम राज्य। भाजपा ने इस बार भी अपने दोनों पुराने चेहरों केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और तापिर गाव पर भरोसा जताया है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 2
भाजपा- 2

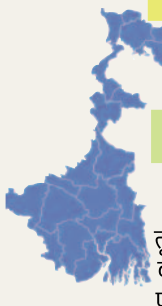

पश्चिम बंगाल

संदेशखाली में छिपा संदेश

तृणमूल के अभेद्य दुर्ग में बीते चुनाव में 18 सीटें जीत कर भाजपा ने चौंका दिया। हालांकि विधानसभा में प्रचंड जीत हासिल कर ममता बनर्जी ने वापसी की। वर्तमान में संदेशखाली में महिलाओं के उत्पीड़न के आरोपी शाहजहां शेख को बचाने को लेकर ममता की खूब किरकिरी हुई।

पिछला परिणाम

● कुल सीटें- 42 ● टीएमसी- 22 ● भाजपा- 18
● कांग्रेस- 2

ज्वार की उत्पादन तकनीक

ज्वार की खेती

भूमि का चुनाव

मटियार, दोमट या मध्यम गहरी भूमि, पर्याप्त जीवाष्म तथा भूमि का 6.0 से 8.0 पी.एच. सर्वाधिक उपयुक्त पाया गया है।

भूमि की तैयारी

गर्मी के समय खेत की गहरी जुताई भूमि उर्वरकता,खरपतवार एवं कीट नियंत्रण की दृष्टि से आवश्यक है। खेत को ट्रेक्टर से चलने वाले कल्टीवेटर या बैलजोडी से चलने वाले बखर से जुताई कर जमीन को अच्छी तरह भूरभूरी कर पाटा चलाकर बोनी हेतु तैयार करना चाहिये।

बोनी का समय

उत्पादन की दृष्टि से ज्वार में बोनी का समय बहुत महत्वपूर्ण है । ज्वार की फसल को मानसून आने के एक सत्पाह पहले सूखे में बोनी करने से उपज में 22.7 प्रतिशत वृध्दि पायी गयी है । साथ ही साथ जल्दी बोने से फसल में इसका मुख्य कीट तना मक्खी का प्रकोप कम पाया जाता है । सूखे में बोनी के लिये कीट नाशक दवा जैसे क्लोरोपायरीफास 2 प्रतिशत चूर्ण का 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से भुरकाव करना आवश्यक है।

बीज की मात्रा

एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिये 8 से 10 किलो ग्राम स्वस्थ एवं 70 से-75 प्रतिशत अंकूरण क्षमता वाला बीज पर्याप्त होता है।

बीजोपचार एवं कल्चर का उपयोग

फफूंद नाशक दवा थायामिथोक्सेम 70 डब्ल्यू. एस. की 3 ग्राम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें। फफुंद नाशक दवा से उपचार के उपरान्त एवं बोअनी के पूर्व 10 ग्राम एजोस्प्रिलियम एवं पी.एस.एम. कल्चर का उपयोग प्रति किलो बीज के हिसाब से अच्छी तरह मिलाकर करें । कल्चर के उपयोग से ज्वार की उपज में 17.6 प्रतिशत वृध्दि पाई गई है।

अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु सही पौध संख्या

ज्वार की विपुल उत्पादन देने वाली जातियों तथा संकर जातियों में पौध संख्या 180,000 (एक लाख अस्सी हजार) प्रति हेक्टर रखने की अनुसंशा की जाती है । जिसे बीज को 45 से.मी. दूरी पर कतारों में 12 से.मी. दूरी पर पौधे रखने पर प्राप्त की जा सकती है । व्दिउद्दशीय (दाना एवं कडबी) वाली नई किस्मों जैसे जवाहर ज्वार 1022, जवाहर ज्वार 1041 एवं सी.एच.एस.18 की पौध संख्या 2,10,000 (दो लाख दस हजार) प्रति हेक्टेयर रखना चाहिये । यह पौध संख्या फसल को कतारों से कतारों की दूरी 45 से.मी. एव पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. पर रखकर प्राप्त की जा सकती है ।

खाद एवं उर्वरक

अच्छी उपज के लिये 80 किलो ग्राम नत्रजन, 40 किलो स्फुर, तथा 40 किलो ग्राम पोटाश प्रति हेक्टर देना चाहिये । बोनी के समय नत्रजन की आधी मात्रा तथा स्फुर और पोटाष की पूरी मात्रा बोनी के समय बीज के नीचे देवें । नत्रजन की शेष मात्रा जब फसल 30-35 दिनों की हो जाये, यानि पौधे जब घूटनों की ऊंचाई के हो तब पौधों से लगभग 10-12 से.मी. की दूरी पर साईड ड्रेसिंग के रूप में देकर डोरा चलाकर भूमि में मिला दें । जहां गोबर की खाद अथवा कम्पोस्ट खाद उपलब्ध हो वहां 5 टन प्रति हेक्टर देना लाभदायक होता है तथा इससे ज्वार का अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त होता है ।

खरपतवार नियंत्रण

ज्वार फसल पर खरपतवार नियंत्रण हेतु कतारों के बीच व्हील हो या डोरा बोअनी के 15 से 20 दिन बाद एवं 30 से 35 दिन बाद चलावें । इसके तत्पश्चात कतारों के अंदर हाथों व्दारा निंदाई करें । संभव हो तो कुल्पे के दाते में रस्सी बांधकर पौधों पर मिट्टी चढावें । रासायनिक नियंत्रण में एट्राजीन 0.5-1.0 किलो प्रति हेक्टर सक्रिय तत्व को 500 लीटर पानी में मिलाकर बोनी के पश्चात एवं अंकूरण के पूर्व छिडकाव करें ।

ज्वार आधारित अर्न्तवर्तीय फसल में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण हेतु एलाक्लोर खरपतवार नाशी की 1.5 किलोग्राम सक्रिय तत्व की 75 प्रतिशत मात्रा को 500 लिटर पानी में मिलाकर अंकुरण के पूर्व छिडकाव करने से अधिक उपज एवं आय मिली है ।

अंगिया ग्रस्त खेत में ज्वार के अनुकूल मौसम होने पर भी भुटटे में दाने नही भरते है। खरपतवार या निंदानाशक दवाओं के छिडकाव में भी अंगिया की रोकथाम की जा सकती है। 2-4 डी का सोडियम साल्ट, 2 किलो सक्रिय तत्व प्रति हेक्टर का छिडकाव करने से ज्वार में अंगिया की रोकथाम होती है । जब अंगिया की संख्या सीमित होती है तब अगिया को उखाडकर नष्ट किया जा सकता है।

ज्वार के साथ अंतरवर्तीय फसले

इस पध्दति का उद्देश्य है जो किसान मुख्यतः ज्वार की खेती करते है वे प्रति इकाई क्षेत्र में एक ही समय में अधिक से अधिक उपज लें । 30 से.मी. की दूरी पर ज्वार की दो कतारे और 30 से.मी. पर सोयाबीन की दो कतारे इस तरह एकान्तर प्रणाली में बोनी करने से ज्वार की पूरी उपज और सोयाबीन की कलगभग 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज मिलती है ।

45 से.मी. की दूरी पर ज्वार की 4 कतारे और 45 से.मी. की दूरी पर तुवर की दो कतारें अथवा ज्वार की दो कतार एवं तुवर की एक कतार इस तरह एकान्तर प्रणाली महत्वपूर्ण खेत की बोवनी करें । ज्वार की पैदावार में आंशिक कमी आयेगी परंतु तुवर की उपज 6-8 क्विंटल प्रति हेक्टर प्राप्त होगी ।

नमी संरक्षण

मेड़ एवं कुण्ड तकनीकी से ज्वार की बुआई करने से अधिकतम उत्पादन प्राप्त होता है। साथ ही भूमि की नमी का भरपूर उपयोग हो पाता है। 6 टन प्रति हेक्टेर की दर से हरे खरपतवार आच्छादन करने से अधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त होती है।

पौध संरक्षण

ज्वार की फसल में अनेक प्रकार के कीट पाए जाते है इनमें प्रमुख है तना छेदक मक्खी यानि शूट फलाय, तना छेदक इल्ली यानी स्टेम बोरर और भुट्टो के कीट इनमें मुख्यतः मिज मक्खी अधिक हानि पहुँचाती है ।

तना छेदक मक्खी

यह कीट वयस्क घरेलू मक्खी की तुलना में आकार में छोटी होती है । इसकी मादा पत्तों के नीचे सफेद अंडे देती हैं । इन अंडे से 2 से 3 दिनों में इल्लियां निकलकर पत्तों के भोगंलों से होते हुवे तनो के अंदर प्रवेष करती है । और तनों के बढने वाले भाग को खा कर खत्म करती है यानी नाड़ा बनाती है । ऐसे पौधों में भुट्टे नही बन पाते ।

नियंत्रण के उपाय: जैसे पूर्व में बताया गया है, की ज्वार की फसल को मानसून आने के एक सत्पाह पहले सूखे में बोनी कर ली जावे तो इस कीट से हानि कम होती है । बोनी के समय बीज के नीचे फोरेट 10 प्रतिषत दानेदार कीट नाषक 12 से 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर के मान से देवें । देरी से बोनी होने पर सवाया बीज बोये ।

तना छेदक इल्ली

इस कीट की वयस्क मादा मक्खी पत्तों की निचली सतह पर 10 से लेकर 80 के गुच्छों में अंडे देती है जिनसे 4 से 5 दिनों में इल्लियां निकलकर पत्तों के भोगंलों में प्रवेष करती है । तनों के अंदर वे सुरंग बनाती है और अतंतः नाडा बनाती है इस कीट की पहचान पत्तों में बने छेदों से की जा सकती है । जो इल्लियां भोगंलों में प्रवेष के समय बनाती है ।

नियंत्रण के उपाय

पौधे जब 25 से 35 दिनों की अवस्था के हो तब पत्तों के भोंगलो में कार्बोफयुरान 3 प्रतिषत दानेदार कीट नाषक के 5 से 6 दाने प्रति पौधे की मात्रा में डालें । लगभग 8 से 10 किलोग्राम कीटनाषक एक हेक्टर के लिये लगता है

भुट्टो के कीट

इनमें मीज मक्खी प्रमुख है । सामान्यतः तापमान जब गिरने लगता है तब कीट दिखाई देता है । इस कीट की वयस्क मादा मक्खी नारंगी-लाल रंग की होती है । जो फूलों के अंदर अंडे देती है, अंडो से 2 से 3 दिन में इल्लियां निकलकर फूलों के अंडकोपो को खाकर नष्ट करती है। परिणामस्वरूप भुट्टो में कई जगह दाने नही बन पाते।

नियंत्रण के उपाय

खेत में जब 90 प्रतिषत पौधों में भुट्टे पोटो से बाहर निकल आवें तब भुट्टों पर मेलाथियान 50 ई.सी. (1 लीटर प्रति हेक्टर) तरल कीट नाषक को 500-600 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें । आवष्यकता हो तो 10-15 दिनों बाद छिडकाव दोहरा दे । यदि तरल कीटनाशक उपलब्ध न हो तो मेलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण का भूरकाव 12 से 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से करें ।

पौध रोग

संकर किस्मों और नई किस्मों के पत्तों पर पर्ण चित्ती रोग कम दिखाई देते है क्योकि उनमें इन रोगों के लिए प्रतिरोधिकता का आनुवांशिक गुण है । कंडवा रोग भी नई किस्मों में नही दिखाई देता । पौध सड़न अथवा कंडवा का नियंत्रण बीज को कवकनाषी दवा से उपचारित करने से संभव है चूँकि ज्वार की नई किस्में लगभग 95 से 110 दिनों में पकती है, दाने पकने की अवस्था में वर्षा होने से दानों पर काली अथवा गुलाबी रंग की फफूंद की बढवार दिखाई देती है । दाने पोचे हो जाते है, उनकी अंकूरण क्षमता कम हो जाती है और मानव आहार के लिये ऐसे दाने उपयुक्त नही है ।

नियंत्रण के उपाय

इस रोग के सफल नियंत्रण के लिये यदि ज्वार फूलने के समय वर्षा होने से वातावरण में अधिक नमी हो तो डाईथेन -एम.45 (0.3 प्रतिशत) के मिश्रण के घोल का छिडकाव तीन बार भुट्टो पर करना चाहिये ।

1. फुलने के समय
2. दाने दूध की अवस्था में हो तब, और
3. दाने पक रहें हो तब

फसल की कटाई

फसल की कटाई कार्यकीय परिपक्वता पर करना चाहिये । ज्वार के पौधों की कटाई कर के ढेर लगा देते है । बाद में पौध से भुट्टो को अलग कर लेते है तथा कडबी को सुखाकर अलग ढेर लगा देते है यह बाद में जानवरों को खिलाने में काम आती है दानों को सुखाकर जब नमी 10 से 12 प्रतिशत हो तब भंडारण करना चाहिये ।

उड़द का विपुल उत्पादन

उड़द की खेती

मानसिक विकार पेट की बीमारियाँ तथा गठियावात जैसी बीमारियो को दूर करने की क्षमता होती उड़द एक महत्वपूर्ण दलहन फसल है। उड़द की खेती प्राचीन समय से होती आ रही है। हमारे धर्म ग्रंथो मे इसका कई स्थानो पर वर्णन पाया गया है। उड़द का उल्लेख कौटिल्य के ÷अर्थशास्त्र तथा चरक सहिंता÷ मे भी पाया गया है। वैज्ञानिक डी कॅडोल (1884) तथा वेवीलोन (1926) के अनुसार उड़द का उद्गम तथा विकास भारतीय उपमहाद्वीप मे ही हुआ है।

उड़द की फसल कम समयावधि मे पककर तैयार हो जाती है। इसकी फसल खरीफए रबी एवं ग्रीष्म मौसमो के लिये उपयुक्त फसल है। हमारे देश मे उड़द का उपयोग प्रमुख रूप से दाल के रूप मे किया जाता है। उड़द की दाल व्यंजन जैसे कचैड़ी, पापड़, बड़ी, बड़े, हलवा,इमरती,पूरी,इडली,डोसा आदि भी तैयार किये जाते है। इसकी दाल की भूसी पशु आहार के रूप मे उपयोग की जाती है। उड़द के हरे एवं सूखे पौधो से उत्तम पशु चारा प्राप्त होता है। उड़द दलहन फसल होने के कारण वायुमण्डल की नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करके भूमि की उर्वरा शक्ति मे वृद्धि करती है। इसके अतिरिक्त उड़द को उगाने से खेत मे पत्तियाँ एवं जड़ रह जाने के कारण भूमि मे कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ जाती है। उड़द की फसल को हरी खाद के रूप मे उपयोग किया जा सकता है। उड़द के दानो मे औषधि गुण भी विद्यमान होते है। इसके दानो मे मधुमेहए शीघ्रपतन है।

पोषण मे योगदान -

भोजन का मुख्य अंग प्रोटीन होता है जो कि माँस,मछ्ली,अण्डा एवं दूध से प्राप्त होता है। भारत की जनसंख्या का अधिकांश भाग शाकाहारी होने के कारण प्रोटीन की पूर्ति दालो से ही होती है। सभी दालो मे उड़द की दाल मे सबसे अधिक प्रोटीन होता है। अतः उड़द की दाल का भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। प्रोटीन के अतिरिक्त इसमे कई प्रकार के महत्वपूर्ण विटामिन एवं खनिज लवण भी पाये जाते है यह स्वास्थ्य के लिये लाभप्रद होते है। उड़द की पोषक मूल्य सारणी -1 मे दिया गया है।

उत्पादन तकनीक

जलवायु - उड़द के लिये नम एवं गर्म मौसम की आवश्यकता पड़ती है। उड़द की फसल की अधिकतर जातियाँ प्रकाशकाल के लिये संवेदी होती है। वृद्धि के लिये 25-30 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। 700-900 मिमी वर्षा वाले क्षेत्रो मे उड़द को सफलता पूर्वक उगाया जाता है। फूल अवस्था पर अधिक वर्षा होना हानिकारक है। पकने की अवस्था पर वर्षा होने पर दाना खराब हो जाता है। जिले की जलवायु उड़द के लिये अति उत्तम है। उड़द की खरीफ एवं ग्रीष्म कालीन खेती की जा सकती है।

भूमि का चुनाव एवं तैयारी -

उड़द की खेती विभिन्न प्रकार की भूमि मे होती है। हल्की रेतीली, दोमट या मध्यम प्रकार की भूमि जिसमे पानी का निकास अच्छा हो उड़द के लिये अधिक उपयुक्त होती है। पी.एच. मान 7-8 के बीच वाली भूमि उड़द के लिये उपजाऊ होती है। अम्लीय व क्षारीय भूमि उपयुक्त नही है। वर्षा आरम्भ होने के बाद दो- तीन बार हल या बखर चलाकर खेत को समतल करे । वर्षा आरम्भ होने के पहले बोनी करने से पौधो की बढ़वार अच्छी होती है।

बीज की मात्रा एवं बीजउपचार -

उड़द का बीज6-8 किलो प्रति एकड़ की दर से बोना चाहिये। बुबाई के पूर्व बीज को 3 ग्राम थायरम या 2.5 ग्राम डायथेन एम-45 प्रति किलो बीज के मान से उपचारित करे। जैविक बीजोपचार के लिये ट्राइकोडर्मा फफूँद नाशक 5 से 6 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपयोग किया जाता है।

बोनी का समय एवं तरीका -

मानसून के आगमन पर या जून के अंतिम सप्ताह मे पर्याप्त वर्षा होने पर बुबाई करे । बोनी नाली या तिफन से करे, कतारों की दूरी 30 सेमी. तथा पौधो से पौधो की दूरी 10 सेमी. रखे तथा बीज 4-6 सेमी. की गहराई पर बोये।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा -

नत्रजन 8-12 किलोग्राम व स्फुर 20-24 किलोग्राम पोटाश 10 किलोग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से दे। सम्पूर्ण खाद की मात्रा बुबाई की समय कतारो मे बीज के ठीक नीचे डालना चाहिये। दलहनी फसलो मे गंधक युक्त उर्वरक जैसे सिंगल सुपर फास्फेट, अमोनियम सल्फेट, जिप्सम आदि का उपयोग करना चाहिये। विशेषतः गंधक की कमी वाले क्षेत्र मे 8 किलो ग्राम गंधक प्रति एकड़ गंधक युक्त उर्वरको के माध्यम से दे।

सिंचाई- क्रांतिक फूल एवं दाना भरने के समय खेत मे नमी न हो तो एक सिंचाई देना चाहिये।

निदाई-गुड़ाई - खरपतवार फसलो की अनुमान से कही अधिक क्षति पहुँचाते है। अतः विपुल उत्पादन के लिये समय पर निदाई-गुड़ाई कुल्पा व डोरा आदि चलाते हुये अन्य आधुनिक नींदानाशक का समुचित उपयोग करना चाहिये। नींदानाशक वासालिन 800 मिली. से 1000 मिली. प्रति एकड़ 250 लीटर पानी मे घोल बनाकर जमीन बखरने के पूर्व नमी युक्त खेत मे छिड़कने से अच्छे परिणाम मिलते है।

उड़द में एकीकृत नाशी कीट प्रबंधन

क्ली वीटिक (पिस्सू भृंग)- यह उड़द तथा मूंग का एक प्रमुख हानिकारक कीट है। इस कीट के भृंग तथा प्रौढ़ दोनों ही हानिकारक अवस्थायें है। भृंग रात्रि में सक्रिय रहकर पत्तियों पर छेद बनाकर क्षति पहुँचाते हैं। अधिक प्रकोप की स्थिति में 200 से अधिक छेद एक पत्ती पर पाए जा सकते हैं गर्मियों में बोई जाने वाली उड़द, मूंग को इस कीट से ज्यादा हानि देखी गई है। इस का भृंग (ग्रव) भूमिगत रहकर उड़द, मूंग तथा ग्वार आदि फसलों में जड़ों एवं तनों को क्षति पहुंचाते हैं। भृंग मुख्यतः उड़द की जड़ों में छेदकर घुस जाते हैं व खाकर ग्रंथियों को नष्ट करते हैं। जिससे 25 से 60 प्रतिशत तक गांठे प्रति पौधा नष्ट कर दी जाती है। इस प्रकार पौधों की नत्रजन स्थरीकरण की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे उत्पादन में अत्यधिक कमी आती है। प्रौढ़ भृंग भूरे रंग के धारीदार होते हैं जबकि भृंग (ग्रव) मटमैले सफेद रंग के भूमिगत होते हैं।

पत्ती मोड़क कीट (इल्ली)- प्रौढ़ कीट के पंख पीले रंग के होते हैं। इल्लियां हरे रंग की तथा सिर पीले रंग का होता है। इस कीट की इल्लियाँ ही प्रमुख रूप से हानि पहुँचाती हैं। इल्लियां पत्तियों को ऊपरी सिरे से मध्य भाग की ओर मोड़ती है। यही इल्लियां कई पत्तियों को चिपका कर जाला भी बनाती है। इल्लियां इन्हीं मुड़े भागों के अन्दर रहकर पत्तियों के हरे पदार्थ (क्लोरोफिल) को खा जाती हैं जिससे पत्तियां पीली सफेद पड़ने लगती है। कभी कभी क्षति प्रकोप अधिक होने पर पत्तियों की शिरायें ही बाकी रह जाती हैं।

सफेद मक्खी- इस कीट के प्रौढ़ एवं शिशु दोनों ही हानिकारक अवस्थाएं हैं। ये हल्का पीलापन लिए हुए सफेद रंग के होते हैं। शिशु पंखहीन होते हैं जबकि प्रौढ़ पंखयुक्त होते हैं। दोनों ही पत्तियों की निचली सतह पर रहकर रस चूसते रहते हैं जिससे पौधे कमजोर होकर सूखने लगते हैं। यह कीट अपनी लार से विषाणु पौधों पर पहॅचाता है एवं ''यलो मौजेक'' नामक बीमारी फैलाने का कार्य करते हैं। यही कारण है कि यह एक अत्यन्त हानिकारक कीट सिद्ध होते हैं।पीले मोजेक का नियत्रंण रोग शुरु होते ही प्रारम्भ होते ही कर देना चाहिये । पीले रोग ग्रस्त पौधो को उखाड़ कर नस्ट कर दे तथा फसल को डायमेथोएट 30ई.सी. 2मिली./ली. पानी के साथ घोल कर छिडकाव करे यह विषाणु ''पीला मौजेक'' का प्रभावी उपचार है। अतः केवल स्वस्थ्य पौधों को इस की द्वारा प्रकोप से बचाकर ही इस बीमारी की रोकथाम की मध्य प्रदेश में उड़द-मूंग को सर्वाधिक क्षति सफेद मक्खी द्वारा जनित ''यलो मौजेक'' रोग से ही होती है। यहाँ तक की कम संख्या में भी यह कीट अत्यन्त हानिकारक है। सफेद मक्खी द्वारा इस फसल में 10 से 40 प्रतिशत तक उपज में कमी दर्ज की गई है।

पत्तियां भेदक इल्लियां- विभिन्न प्रकार की इल्लियां उड़द व मूंग की पत्तियों को क्षति पहुंचाकर उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। इसमें बिहार रोमिल इल्ली, लाल रोमिल इल्ली, तम्बाकू, इल्ली अर्द्ध गोलाकार (सेमीलूक) इल्ली आदि पत्ती भक्षक इल्लियां हानि पहुँचाती है। इस दशक में बिहार रोमिल इल्ली प्रमुख रूप से क्षति कारक है।

बिहार रोमिल इल्ली- इस कीट का प्रौढ़ मध्यम आकार का तथा प्रौढ़ के पंख भूरे पीले रंग के होते हैं। प्रौढ़ पंख में किनारे लाल रंग के एवं अग्र पंख जोड़ों पर काले धब्बे होते है। इल्लियां छोटी अवस्था में झुण्ड में रहकर पत्तियों को खाती हैं जिससे पत्ती पर जाला नुमा आकृति बन जाती है। बड़ी इल्लियाँ फसल में फैलकर पत्तियों में अत्यधिक क्षति पहुँचाती है। इनके शरीर पर घने बाल या रोय होते हैं। जिस कारण इन्हें ''कंबल कीट'' भी कहा जाता है। अत्यधिक प्रकोप की स्थिति में पौधे पत्ती विहीन होकर केवल ढांचे के रूप में रह जाते हैं। इनके प्रकोप से पौधे में दाने छोटे व उपज कम हो जाती है।

रासायनिक कीटनाशकों में उपयोग हेतु सुझाव

1. कीटनाशी रसायन का घोल बनाते समय उसमें स्टीकर (चिपचिपा) पदार्थ जरूर मिलाएं ताकि वर्षा जल से कीटनाशक पत्ती व पौधे पर से घुलकर न बहें।
2. धूल (डस्ट) कीट नाशकों का भुरकाव सदैव सुबह के समय करें।
3. दो या अधिक कीटनाशकों का व्यापारिक सलाह पर मिश्रण न करें। कीटों में प्रतिरोधकता रोकने हेतु सदैव हर मौसम में कीटनाशक बदल-बदल कर उपयोग करें।
4. कीट नाशक का घोल सदैव पहले डबले या मग्गे में बनाएं उसके बाद उसे स्प्रेयर की टंकी में पानी के साथ मिलाएं। कभी भी टंकी में कीटनाशक न डालें।

उडद में एकीकृत रोग प्रबंधन प्रमुख रोग

1. **पीला चित्तेरी रोग**- इस रोग की प्रारम्भिक अवस्था में चित्तकवरे धब्बे के रूप में पत्तियों पर दिखाई पड़ते हैं। बाद में धब्बे बड़े होकर पूरी पत्ती पर फैल जाते हैं। जिससे पत्तियों के साथ-साथ पूरा पौधा भी पीला पड़ जाता है।यदि यह रोग आरम्भिक अवस्था में लग जाता है तो उपज में शतप्रतिशत हानि संभव है। यह रोग विषाणु द्वारा मृदा, बीज तथा संस्पर्श द्वारा संचालित नहीं होता है। जबकि सफेद मक्खी जो चूसक कीट है के द्वारा फैलता है।

2. **पर्ण व्याकुंचन रोग या झुर्रीदार पत्ती रोग** - यह भी विषाणु रोग है। इस रोग के लक्षण बोने के चार सप्ताह बाद प्रकट होते हैं। तथा पौधे की तीसरी पत्ती पर दिखाई पड़ते हैं। पत्तियाँ सामान्य से अधिक वृद्धि तथा झुर्रियां या मड़ोरपन लिये हुये तथा खुरदरी हो जाती है। रोगी पौधे में पुष्पक्रम गुच्छे की तरह दिखाई देता है। फसल पकने के समय तक भी इस रोग में पौधे हरे ही रहते हैं। साथ ही पीला चित्तेरी रोग का संक्रमण हो जाता है।

3. **मौजेक मौटल रोग**- इस रोग को कुर्बरता के नाम से भी जाना जाता है तथा इसका प्रकोप मूंग की अपेक्षा उर्द पर अधिक होता है। इस रोग द्वारा पैदावार में भारी हानि होती है। प्रारम्भिक लक्षण हल्के हरे धब्बे के रूप में पत्तियों पर शुरू होते हैं बाद में पत्तियाँ सिकुड़ जाती हैं तथा फफोले युक्त हो जाती हैं। यह विषाणु बीज द्वारा संचारित होता है।

4. **पर्ण कुंचन**- यह रोग प्रारम्भिक अवस्था से लेकर पौधे की अंतिम अवस्था तक प्रकट हो सकता है। प्रथम लक्षण सामान्यतः तरूण पत्तियों के किनारों पर, पार्श्व शिराओं व उनकी शाखाओं के चारों ओर हरीमहीनता का प्रकट होना है। संक्रमित पत्तियों के सिरे नीचे की ओर कुंचित हो जाते हैं तथा यह भंगुर हो जाती है ऐसी पत्तियों को यदि उंगली द्वारा थोड़ा झटका दिया जाये तो यह ढंठल सहित नीचे गिर जाती है। यह भी विषाणु जनित बीमारी है जो थ्रिप्स कीट द्वारा संचारित होती है।

5. **सरकोस्पोरा पत्ती बुंदकी रोग**- पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। जिनकी बाहरी सतह भूरे लाल रंग की होती है। यह धब्बे पौधे की शाखाओं एवं फलियों पर भी पड़ जाते हैं। अनुकूल परिस्थितियों में यह धब्बे बड़े आकार के हो जाते हैं तथा पुष्पीकरण एवं फलियाँ बनने के समय रोग ग्रसित पत्तियाँ गिर जाती हैं। अनुकूल वातावरण में रोग उग्र रूप ले लेता है जिसके कारण बीज भी संक्रमित हो जाते है।

6. **श्याम वर्ण (एन्थ्रेकनोज)**- उड़द का यह रोग एक फफूंद जनित बीमारी है। बीमारी के लक्षण पौधे के सभी वायवीय भागों पर एवं वृद्धि की किसी भी अवस्था में प्रकट हो सकते हैं। पत्तियों एवं फलियों पर हल्के भूरे से गहरे भूरे, काले रंग के वृत्ताकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं। धब्बों का मध्य भाग गहरे रंग का होता है एवं किनारे हल्के लाल रंग के होते हैं। रोग का अत्यधिक संक्रमण होने पर रोगी पौधा मुरझाकर मर जाता है यदि बीज के अंकुरण होने पर शुरू में ही रोग का प्रकोप हो जाता है तो बीजोकुट झुलस जाता है।

7. **चारकोल (मेक्रोफामिना) झुलसा**- यह भी एक फफूंद जनित बीमारी है। जो मेक्रोफोमिना फेसियोलियाना से होता है। एक से ड़ेढ़ माह की फसल में तने के आधार वाले भाग से सफेद केन्कर जैसे फेसियोलियाना हो जाते है। एक से ड़ेढ़ माह की फसल में तने के आधार वाले भाग में सफेद केन्कर जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। उसके बाद ये भूरी धारियों में परिवर्तित होकर ऊपर की ओर बढ़ते हैं।

रोगी पौधों की वृद्धि रूक जाती है जिससे वे वौने दिखाई देते है। पत्तियों का रंग गहरा हरा एवं चित्तीदार हो जाता है एवं आकार में छोटी हो जाती है। रोग ग्रसित पौधे की सामान्य पत्तियाँ भी अचानक झड़ने एवं सूखने लगती है। रोग से पौधे की फूल एवं फली बनने की क्रिया प्रभावित होती है। रोगी पौधों के कॉलर क्षेत्र के नीचे ऊर्ध्वाधर अवस्था में देखने पर उसमें लाल भद्दे कलर की रंगहीनता दिखाई देती है जबकि जड़ के आन्तरिक अटकों में सफेद रंग की संरचना दिखती है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

संक्षिप्त समाचार

अमेजन ने बढ़ाई फीस, महंगे होने जा रहे हैं सामान

नई दिल्ली, एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन पर अब कई सामानों के दाम आने वाले समय में बढ़ सकते हैं। अमेजन के सेलर्स को झटका लगा है। दरअसल ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने शनिवार को कहा कि वह सेलर फीस में बदलाव कर रही है। कंपनी सात अप्रैल से अपने मार्केटप्लेस अमेजन डॉट इन पर विक्रेताओं के लिए अपने फीस स्ट्रक्चर को संशोधित कर रही है। इसमें रेफरल शुल्क, समापन शुल्क और वजन प्रबंधन शुल्क के अलावा अन्य सहायक शुल्क शामिल हैं। कंपनी ने अधिसूचना में कहा है कि रिवाइज्ड फीस स्ट्रक्चर कई कैटेगरीज पर लागू होगा। कंपनी के मुताबिक, ये संशोधन महंगाई, ब्याज दरों और ऑपरेटिंग कॉस्ट जैसे कई आर्थिक कारकों को ध्यान में रखकर किए गए हैं। ये उद्योग में प्रचलित शुल्क रुझानों के अनुरूप हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि परिधान, चादर, कुशन कवर और बर्तन जैसी श्रेणियों में रेफरल शुल्क कम किया जाएगा, जबकि वैज्ञानिक आपूर्ति, चिमनी, लैपटॉप बैग तथा टायर जैसी श्रेणियों में इसे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा 1,000 रुपये से अधिक की औसत बिक्री मूल्य के लिए समापन शुल्क में तीन रुपये की बढ़ोतरी की गई है। परिवहन लागत में मुद्रास्फीति के अनुरूप वजन प्रबंधन शुल्क में दो रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अमेजन इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, हम मानते है कि विक्रेता शुल्क और प्रोत्साहन से एक मजबूत बाजार को बनाए रखने में मदद मिलेगी, जो देश में छोटे और मझोले व्यवसायों को डिजिटल बनाने और उन्हें मजबूत राष्ट्रीय ब्रांडों के रूप में विकसित होने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि ये बदलाव अमेजन डॉट इन को भारत में बिक्री के लिए सबसे पसंदीदा बाजारों में से एक बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

मारुति ने वापस मंगाई 16,000 गाड़ियां, कहीं आपकी गाड़ी भी तो नहीं है इनमें शामिल!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। कंपनी ने 16,000 से अधिक गाड़ियों को वापस मंगाया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि वह ईंधन पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी को ठीक करने के लिए बलेनो और वैगनआर मॉडलों की 16,000 से अधिक इकाइयों को वापस मंगा रही है। मारुति सुजुकी ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि कंपनी 30 जुलाई, 2019 और एक नवंबर, 2019 के बीच बनाई गई बलेनो की 11,851 गाड़ियों और वैगनआर की 4,190 गाड़ियों को वापस मंगा रही है। कंपनी ने संदेह जताया है कि इन गाड़ियों के ईंधन पंप मोटर के एक हिस्से में संभावित खराबी है। इससे दुर्लभ मामले में इंजन रुक सकता है या इंजन शुरू होने में समस्या हो सकती है। कंपनी ने कहा कि प्रभावित वाहन मालिकों को उचित समय में हिस्से को मुफ्त में बदलने के लिए उनसे मारुति सुजुकी के अधिकृत डीलर वर्कशॉप द्वारा संपर्क किया जाएगा। यह हाल के समय में मारुति का सबसे बड़ा रिकॉल है। पिछले साल जुलाई में मारुति ने स्-क्ष्द्धद्वाह्य और क्ष्द्धह्य मॉडल की 87,599 गाड़ियां वापस मंगाई थीं। इन गाड़ियों स्टीयरिंग टाई रॉड में गड़बड़ी थी। मारुति सुजुकी का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 3.55 फीसदी की तेजी के साथ 1,2336.20 रुपये पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 12,423.45 रुपये है जो इसने 22 मार्च को छुआ था।

अमेरिका में आखिरी सांसें गिन रही है कपड़ा इंडस्ट्री, कभी देश की इकॉनमी में था जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की इकॉनमी में किसी समय कॉटन इंडस्ट्री का बड़ा बोलबाला था। देश के दक्षिणी राज्यों की प्लांटेशन इकॉनमी में इसकी काफी अहमियत थी। लेकिन आज यह इंडस्ट्री बुरी स्थिति में है। अमेरिका में इस फसल की मांग लगातार तेजी से घट रही है। साल 1893 में शिकागो एक्सपो के समय देश में लगभग 900 अमेरिकी कपास मिलें चल रही थीं। 1900 के दशक में तो यह संख्या और भी बढ़ गई थी लेकिन नेशनल कॉटन काउंसिल की मानें तो आज देश में कॉटन मिल्स की संख्या करीब 100 रह गई है। देश में कपड़ा बनाने का काम लगभग बंद हो चुका है। ऐसे में कैलिफोर्निया से कैरोलिना तक लाखों एकड़ में बुवाई करने वाले कपास किसानों को अपनी अगली फसल के लिए देश में खरीदार मिलने की संभावना पहले से कहीं कम है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अमेरिका की कपड़ा मिलों में 139 वर्षों में सबसे कम कॉटन प्रोसेस होने की उम्मीद है। अमेरिकी किसान विदेशी खरीदारों के लिए कॉटन उगा रहे हैं लेकिन इसमें भी कई चुनौतियां हैं। अमेरिका से कॉटन का निर्यात लगातार तीसरे साल गिरावट की राह पर है। इससे ब्राजील टॉप पर पहुंचने के करीब पहुंच गया है। विदेशों में सस्ते उत्पादन से मिल रही प्रतिस्पर्धा और सिंथेटिक मटीरियल के बढ़ते इस्तेमाल से अमेरिका में कॉटन इंडस्ट्री की यह दुर्गति हुई है। 2016 में संसद ने 1930 टैरिफ अधिनियम में संशोधन किया था। इसमें आयातकों को 800 डॉलर से कम मूल्य के ग्राहकों के ऑर्डर को ड्यूटी-फ्री कर दिया गया।

सबसे बड़ा एक्सपोर्टर

इसके साथ ही कोरोना-काल में ई-कॉमर्स में उछाल से शेन जैसी विदेशी फास्ट-फैशन कंपनियों ने अमेरिका में गहरी पैठ बना ली। साल 2022-23 अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा कॉटन एक्सपोर्टर रहा। इस दौरान अमेरिका ने 28 लाख मीट्रिक टन कॉटन का एक्सपोर्ट किया। ब्राजील 14 लाख मीट्रिक टन के साथ दूसरे नंबर पर रहा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, भारत, बेनिन, तुर्की, बुर्किना फासो, माली और कैमरून का नंबर रहा।

सोल-जेजू सिटी के बीच रोजाना उड़ती हैं 226 फ्लाइट्स, दूर-दूर तक कोई नहीं है टक्कर में

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दिल्ली-मुंबई रूट को एयरलाइन कंपनियों के लिए सबसे व्यस्त रूट माना जाता है। इस रूट पर रोजाना 115 फ्लाइट्स ऑपरेट होती है। लेकिन दुनिया में सबसे व्यस्त घरेलू रूट की बात करें तो इसमें दिल्ली-मुंबई तीसरे नंबर पर है। इसमें पहले नंबर पर दक्षिण कोरिया का जेजू सिटी-सोल रूट है। इस पर रोजाना 226 फ्लाइट्स ऑपरेट होती हैं। यानी इस रूट पर दिल्ली-मुंबई की तुलना में करीब दोगुना है। सोल दक्षिण कोरिया की राजधानी है जबकि जेजू सिटी जेजू प्रांत की राजधानी और जेजू द्वीप का सबसे बड़ा शहर है। इसकी आबादी करीब सात लाख है और यह सोल से करीब 450 किमी दूर है। इस शहर में एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी है।

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के दो शहर हैं। सिडनी और मेलबर्न के बीच रोजाना 158 फ्लाइट्स ऑपरेट होती हैं। तीसरा नंबर नई दिल्ली और मुंबई का है। इन दोनों शहरों के बीच रोजाना 115 उड़ानें संचालित होती हैं। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के दो शहरों बगोटा और मेडेलिन के बीच रोजाना 114 फ्लाइट्स चलती हैं। वियतनाम के हो ची मिन्ह और हनोई के बीच रोजाना 113 फ्लाइट्स, सऊदी अरब के जेद्दाह और रियाद के बीच 113 फ्लाइट्स, जापान के फुकुओका और टोक्यो के बीच 108 फ्लाइट्स और ब्राजील के साओ पाउलो और रियो डी जेनेरियो के बीच 102 फ्लाइट्स चलती हैं। दिलचस्प बात है कि टॉप 10 में अमेरिका और चीन का कोई भी रूट शामिल नहीं है।

सबसे बड़ी एयरलाइन

डेली फ्लाइट्स के हिसाब से देखें तो टॉप चार में अमेरिका की एयरलाइन कंपनियां हैं। अमेरिकन एयरलाइन रोजाना 5,726 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। डेल्टा एयरलाइन्स 4,466 फ्लाइट्स के साथ दूसरे, यूनाइटेड एयरलाइन्स (4,140) तीसरे और साउथवेस्ट एयरलाइन्स (3,880) चौथे नंबर पर है।

अफगानिस्तान में एक भी आदमी के पास नहीं क्रेडिट कार्ड, पाकिस्तान-बांग्लादेश का भी है बुरा हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत समेत पूरी दुनिया में क्रेडिट कार्ड की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में क्रेडिट कार्ड्स की संख्या 10 करोड़ के आसपास है। कई लोगों के पास एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 4.62 फीसदी लोगों के पास क्रेडिट कार्ड है। आबादी के प्रतिशत के हिसाब से देखें तो भारत दुनिया के टॉप देशों की लिस्ट में नहीं है। लिस्ट में सबसे नीचे मौजूद दस देशों में भारत का नाम है। लेकिन दुनिया में एक ऐसा देश भी है जहां किसी के भी पास क्रेडिट कार्ड नहीं है। पाकिस्तान और बांग्लादेश का भी बुरा हाल है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक क्रेडिट कार्ड के यूज के मामले में कनाडा पहले नंबर पर है। इस देश की 82.74 फीसदी आबादी क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करती है। इजरायल में 79.05 प्रतिशत, आइसलैंड में 74 प्रतिशत, हॉन्ग कॉन्ग में 71.63 प्रतिशत, जापान में 69.66 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड में 68.21 प्रतिशत, साउथ कोरिया में 68.44 प्रतिशत, नॉर्वे में 66.74 प्रतिशत और अमेरिका में 66.7 प्रतिशत लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसी तरह ब्रिटेन में 62.11 प्रतिशत, इटली में 57.88 प्रतिशत, जर्मनी में 56.52 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 51.41 प्रतिशत, सिंगापुर में 41.74 प्रतिशत और चीन में 37.95 प्रतिशत लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। क्रेडिट कार्ड एक पेमेंट कार्ड है, जो आमतौर पर बैंक द्वारा जारी किया जाता है। आप इसके जरिए पेमेंट कर सकते हैं और बाद में इसका बिल चुकाना पड़ता है।

अफगानिस्तान का हाल

अफगानिस्तान दुनिया का अकेला देश है जहां कोई भी व्यक्ति क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं करता है। इस इस्लामी देश में तालिबान का शासन है। नीचे से दूसरे नंबर पर पाकिस्तान है। इस देश में क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों की आबादी महज 0.22 प्रतिशत है। बांग्लादेश में यह संख्या 0.62 प्रतिशत है। इसके बाद इंडोनेशिया (1.6 प्रतिशत), नाइजीरिया (1.61 प्रतिशत) और मिस्र (2.8 प्रतिशत) का नंबर है। भारत 4.62 फीसदी के साथ इस लिस्ट में नीचे से सातवें नंबर पर है। हालांकि भारत में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दिसंबर, 2023 तक देश में 9.79 करोड़ क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके थे। दिसंबर में ही देश में 19 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए गए थे।

दुनिया का सबसे खुशहाल देश फिनलैंड

रोजाना एक किलो से ज्यादा दूध पी जाता है हर आदमी

नई दिल्ली, एजेंसी। यूएन ने हाल में खुशहाल देशों की एक लिस्ट जारी की थी। इसमें फिनलैंड को लगातार सातवें साल पहला स्थान मिला है। फिनलैंड नॉर्डिक इलाके का देश है। नॉर्डिक क्षेत्र उत्तरी यूरोप और नॉर्थ अटलांटिक का भौगोलिक और सांस्कृतिक इलाका है। इसमें डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। फिनलैंड के बारे में एक फैक्ट यह भी है कि दुनिया में दूध की प्रति व्यक्ति सबसे ज्यादा खपत इसी देश में है। इस देश में दूध की सालाना प्रति व्यक्ति खपत 430 किलो है। यानी हर आदमी रोजाना एक किलो से अधिक दूध पी जाता है। अगर भारत के हिसाब से देखें तो फिनलैंड में दूध की प्रति व्यक्ति खपत करीब पांच गुना ज्यादा है। प्रति व्यक्ति दूध के खपत के मामले में फिनलैंड के बाद दूसरे नंबर पर मोंटेनेग्रो है। इस देश में दूध की पर कैपिटा सालाना खपत 249 किलो है। मिल्क कंजम्पशन में टॉप 10 देशों में नौ देश यूरोप के हैं। नीदरलैंड में प्रति व्यक्ति सालाना दूध की खपत 341 किलो, स्वीडन में 341 किलो, स्विट्जरलैंड में 318 किलो, अल्बानिया में 303 किलो, लिथुआनिया में 295 किलो, आयरलैंड में 291 किलो, कजाखस्तान में 288 किलो, एस्तोनिया में 284 किलो, डेनमार्क में 277 किलो और नॉर्वे में 261 किलो है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी में प्रति व्यक्ति दूध की सालाना खपत 254 किलो, ऑस्ट्रेलिया में 234 किलो और ब्रिटेन में 232 किलो है।

भारत का हाल

भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले नंबर पर है। दुनिया के कुल दुग्ध उत्पादन में 24.64 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पिछले नौ साल में इसमें सालाना 5.85 प्रतिशत की रफ्तार से तेजी आई है। 2014-15 में देश में दूध का उत्पादन 146.31 मिलियन टन था जो 2022-23 में 230.58 मिलियन टन पहुंच गया। लेकिन प्रति व्यक्ति खपत के मामले में भारत दुनिया में काफी पीछे है। देश में दूध की प्रति व्यक्ति खपत 84 किलो है। पाकिस्तान इस मामले में भारत से कहीं आगे है। वहां प्रति व्यक्ति दूध की सालाना खपत 183 किलो है। चीन में यह महज 32 किलो है जबकि बांग्लादेश में हर आदमी के हिस्से में सालाना केवल 21 किलो दूध ही आता है। सबसे बुरा हाल नॉर्थ कोरिया का है। इस देश में हर आदमी को पूरे साल में केवल चार किलो दूध मिलता है।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की निगाहें भारत पर टिकीं

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ आतंकवाद से लड़ाई और दूसरी तरफ गंभीर नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की हालत कुछ ठीक नहीं है। ऐसे में पड़ोसी देश ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बढ़ाने की बात कही है। विदेश मंत्री इशाक डार के बयान से संकेत मिल रहा है कि पाकिस्तान अब भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव चाहता है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने क्या कहा?

पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगस्त 2019 से व्यापार संबंध रुके हुए हैं। डार ने कहा कि इन संबंधों को बहाल करने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। डार ने ब्रुसेल्स में परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन में भाग लिया और इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें बताईं। उन्होंने भारत के साथ व्यापार गतिविधियों को शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कारोबारी भारत के साथ फिर से व्यापार शुरू करना चाहते हैं। डार के अनुसार पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार संबंध बहाल करने पर गंभीरता से विचार करेगा।

जिस तरह से इशाक डार ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को बहाल करने पर टिप्पणी की, उससे साफ है कि पाकिस्तान भारत के प्रति राजनयिक रुख में बदलाव का संकेत दे रहा है। दरअसल भारत सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया। उधर जम्मू-कश्मीर पर भारत पहले ही अपना रुख साफ कर चुका है। भारत कह चुका है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश देश के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से थे।

पीएम मोदी ने दी थी शहबाज शरीफ को बधाई

हाल ही में, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर शहबाज शरीफ को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी थी। शरीफ ने भी एक्स पर अपनी पोस्ट में पीएम मोदी को धन्यवाद कहा था। शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार आठ फरवरी के चुनावों के बाद सत्ता में आई। अपने कार्यकाल के शुरुआत में ही शहबाज शरीफ के सामने गिरती अर्थव्यवस्था एक बड़ी चुनौती है।

अंतरराष्ट्रीय हुआ अमूल, अमेरिकी बाजार में लॉन्च किया ताजा दूध, जल्द ही कई उत्पाद पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी टैगलाइन 'टेस्ट ऑफ इंडिया' के लिए मशहूर प्रतिष्ठित डेयरी ब्रांड अमूल ने पहली बार अमेरिकी बाजार में अपने ताजा उत्पाद दूध को लॉन्च कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई शुरुआत कर दी है। इसके लिए अमूल ने अमेरिका में 108 साल पुरानी डेयरी सहकारी संस्था मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के साथ साझेदारी की है। अमूल का संचालन करने वाले गुजरात सहकारी दूध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने कहा कि भारत की तरह अमेरिका में भी अमूल ने एक और आधा गैलन पैक में ताजा दूध की अपनी श्रृंखला लॉन्च की है, जिसमें अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति, अमूल ताजा और अमूल स्लिम एन ट्रिम शामिल है।

घर बेचकर बनाई कंपनी, वेस्ट मटेरियल से खड़ा कर दिया करोड़ों का बिजनेस, आज दुनिया में बज रहा डंका

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी में अगर कुछ करने की ठान ली जाए तो सफलता जरूर मिलती है। दुनिया में ऐसे लोग कम ही हैं जो तमाम परेशानियों के बावजूद बड़ी सफलता हासिल करते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है छत्तीसगढ़ के राहुल सिंह ने। राहुल ने वेस्ट मटेरियल से करोड़ों रुपयों का कारोबार खड़ा कर दिया है। राहुल ने घर बेचकर इकोसोल होम नाम से कंपनी की शुरुआत की थी। यह कंपनी पेड़ के पत्तों और बांस जैसे पदार्थों से इकोफ्रेंडली प्रोडक्ट बना रही है। आज कंपनी का टर्नओवर करोड़ों रुपयों में है। राहुल आज पर्यावरण को बचाने के साथ अपने बिजनेस को भी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। कंपनी का बिजनेस आज कई देशों में फैला हुआ है। आइए आपको बताते हैं इकोसोल के राहुल ने इतनी बड़ी सफलता कैसे हासिल की है। राहुल सिंह का जन्म छत्तीसगढ़ के भिलाई में एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। राहुल ने अपने शहर के स्थानीय सरकारी स्कूल से पढ़ाई की। साल 2005 में सूरत से बीटेक किया। इसके बाद जमशेदपुर के ज़ेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए करने के बाद 2008 में राहुल अमरीका चले गए। राहुल ने वहां 2008 से 2019 तक अलग-अलग कंपनियों में काम किया। राहुल अपना खुद का बिजनेस करना चाहते थे। वह हमेशा से ही पर्यावरण के बारे में सोचा करते थे। ऐसे में उन्होंने खुद की कंपनी शुरू करने का निर्णय लिया। लेकिन ये इतना आसान नहीं था। राहुल को शुरुआत में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। राहुल जब अमेरिका में एक कंपनी में काम कर रहे थे। वहां पर उनकी मुलाकात अरविंद गणेशन से हुई। दोनों ने साल 2020 में मिलकर वाशिंगटन में इकोसोल होम नाम से कंपनी की शुरुआत की। जब बिजनेस चलने लगा तो उन्होंने इसे और आगे बढ़ाने का सोचा। इसके लिए साल 2022 में राहुल परिवार के साथ भारत लौट आए। आज भारत सहित अमेरिका, कनाडा, यूके, जर्मनी आदि कई देशों में इनका बिजनेस फैला हुआ है और सभी जगह इनकी 150 से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट काम कर रही हैं। आज कंपनी का कारोबार 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो चुका है। राहुल ने अपनी कंपनी के जरिए 1.3 मिलियन टन प्लास्टिक अभी तक बचाई है। राहुल का बिजनेस कई देशों में फैला हुआ है। आज सभी जगह पर इनकी 150 से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट काम कर रही हैं।

भारत ने प्याज के निर्यात पर जारी प्रतिबंध अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया

कई देशों में बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने प्याज के निर्यात पर अपने प्रतिबंध को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। आम चुनाव से पहले सरकार के इस कदम से विदेशी बाजारों में प्याज की कीमतों में इजाफा हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े प्याज निर्यातक भारत द्वारा दिसंबर में लगाया गया प्रतिबंध 31 मार्च को समाप्त होने वाला था। इससे पहले व्यापारियों ने अनुमान लगाया था कि इसे हटा दिया जाएगा क्योंकि निर्यात प्रतिबंध लागू होने के बाद से स्थानीय कीमतें आधी से कम हो गई हैं और इस सीजन के उत्पाद की ताजा आपूर्ति भी शुरू हो गई है। हालांकि, सरकार ने शुक्रवार देर रात जारी एक आदेश में कहा है कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध अगली सूचना तक लागू रहेगा।

मुंबई की एक निर्यात कंपनी के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, नई फसल से बढ़ती आपूर्ति के साथ गिरती कीमतों को देखते हुए यह विस्तार आश्चर्यजनक और पूरी तरह अनावश्यक है। सबसे बड़े प्याज उत्पादक राज्य महाराष्ट्र के कुछ थोक बाजारों में प्याज की कीमतें दिसंबर के 4,500 रुपये से घटकर 1,200 रुपये (14 डॉलर) प्रति 100 किलोग्राम हो गई हैं। देश में 19 अप्रैल से उसके बाद सात सप्ताह के दौरान आम चुनाव होने हैं। बांग्लादेश, मलेशिया, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश प्याज की आपूर्ति में अपनी जरूरतों को पूरा करने में भारत से आयात पर निर्भर हैं। इनमें से कई देश इस प्रतिबंध के बाद से उच्च कीमतों से जूझ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीसीए के नए मुल्लांपुर स्टेडियम का आगाज यादगार शुरुआत है-अमरजीत सिंह

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। पीसीए के नए मुल्लांपुर स्टेडियम का आगाज हो गया और बोर्ड सेक्रेटरी जय शाह इसकी शुरुआत करने के लिए पहुंचे। पीसीए प्रेसिडेंट अमरजीत सिंह ने उनका स्वागत किया और इस यादगार लम्हे में शामिल

होने के शुक्रिया बोला। पीसीए सेक्रेटरी दिलशेर खन्ना समेत, अन्य अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद रहे। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल और बीसीसीआई वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला भी इस मौके पर मौजूद रहे। अमरजीत सिंह ने कहा कि ये एक यादगार लम्हा है और हम बोर्ड के साथ पीसीए के हर उस साथी का शुक्रिया अदा करते हैं जिसने इस स्टेडियम को बनाने में अपना योगदान दिया है। इसकी शुरुआत हो गई है और अब स्टेडियम कई बड़े मुकाबलों की मेजबानी करेगा। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने हमेशा क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए योगदान दिया है और हम आने वाले समय में भी क्रिकेट को आगे लेकर जाते रहेंगे।

श्रीकांत सेमीफाइनल में पहुंचे, क्वार्टर फाइनल में ताइवान के ली को 21-10, 21-14 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीकांत ने इस टूर्नामेंट में अपने खेल में काफी सुधार किया है। नेट पर भी वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को छकाने में पहले से ज्यादा सफल हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट में लय में वापसी का फायदा उन्हें अगले महीने होने वाले थामस कप में फायदा मिल सकता है, जब भारतीय पुरुष टीम अपना खिताब बचाने उतरेगी। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने ताइवान के चिया

हाओ ली को हराकर स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वह 16 महीने में पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे हैं। इससे पहले वह नवंबर 2022 में हालो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इस सीजन में अपना आठवां टूर्नामेंट खेल रहे श्रीकांत ने ली को 35 मिनट में 21-10, 21-14 से पराजित किया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता गंटूर के 31 साल के श्रीकांत का मुकाबला अब ताइवान के ही दुनिया के 22वें नंबर के चुन यी से होगा। श्रीकांत ने इस टूर्नामेंट में अपने खेल में काफी सुधार किया है। नेट पर भी वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को छकाने में पहले से ज्यादा सफल हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट में लय में वापसी का फायदा उन्हें अगले महीने होने वाले थामस कप में फायदा मिल सकता है, जब भारतीय पुरुष टीम अपना खिताब बचाने उतरेगी। भारत के अन्य खिलाड़ी किरण जॉर्ज को डेनमार्क के रासमस गेमके से अन्य क्वार्टर फाइनल में 23-21, 17-21, 15-21 से हार मिली। अन्य उदीयमान खिलाड़ी मध्यप्रदेश के प्रियांशु राजावत को को चोऊ टिन चेन से 43 मिनट में 15-21, 19-21 से हार मिली।

एमसीए ने रणजी ट्रॉफी जीतने के बाद अपनी टीम को दिया खास गिफ्ट

अब मुंबई के खिलाड़ियों पर होगी पैसों की बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने शनिवार को घोषणा की है कि वह टीम के सीनियर खिलाड़ियों के लिए आगामी 2024-25 सत्र से घरेलू क्रिकेट में बीसीसीआई द्वारा दी जाने वाली मौजूदा मैच फीस के बराबर राशि बढ़ायेगा। एमसीए अध्यक्ष अमोल काले ने शनिवार को यह घोषणा की। एमसीए ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य रणजी ट्रॉफी के अहमियत को बढ़ावा देना और एमसीए के अंतर्गत होने वाले लाल गेंद के क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देना है। एमसीए अध्यक्ष काले ने बीसीसीआई की घरेलू फीस के बराबर करने का प्रस्ताव रखा जिसे राज्य इकाई की शीर्ष परिषद ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। काले ने कहा, 'एमसीए अगले सत्र से हर खिलाड़ी को रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अतिरिक्त मैच फीस का भुगतान करेगा। हमें लगा कि खिलाड़ियों को अधिक कमाई करनी चाहिए, विशेषकर जो रणजी ट्रॉफी क्रिकेट खेलते हैं।'

उन्होंने कहा, 'हमारे लिए लाल गेंद का क्रिकेट बहुत मायने रखता है क्योंकि रणजी ट्रॉफी मुंबई में सभी के लिए एक विशेष स्थान रखती है।' यह घोषणा मुंबई द्वारा रिकॉर्ड 42वीं बार रणजी ट्रॉफी जीतने के एक हफ्ते के बाद की गयी है। मुंबई की जीत के बाद एमसीए ने भी बीसीसीआई द्वारा दी गयी पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के बराबर राशि दी थी।

मुंबई 169 रन से जीती थी फाइनल

मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई और विदर्भ के बीच रणजी ट्रॉफी 2024 का फाइनल मैच खेला गया था। इस मैच में मुंबई ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे। इसके जवाब में विदर्भ 105 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी। वहीं दूसरी इनिंग में मुंबई ने 418 रन ठोक डाले और विदर्भ को 538 रन का बड़ा टारगेट दिया। विदर्भ दूसरी पारी में 368 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और मुंबई 169 रन से फाइनल जीत गई।

आंद्रे रसेल आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 200 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

आंद्रे रसेल जिस तरह के खेल के लिए जाने जाते हैं उनकी वैसी ही पारी हैदराबाद के खिलाफ क्रिकेट फैंस को देखने को मिली। रसेल ने हैदराबाद के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए अपनी पारी में 7 छक्के लगाए और नाबाद 64 रन की पारी सिर्फ 25 गेंदों पर खेली। रसेल ने इन 7 छक्कों की मदद से आईपीएल में अपने 200 छक्के भी पूरे कर लिए और वह इस लीग में सबसे कम गेंद खेलकर इतने छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले स्थान पर पहुंच गए औरह क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस मैच में केकेआर को हैदराबाद के खिलाफ 4 रन से जीत मिली और इस मैच में रसेल ने 2 विकेट भी लिए।

आंद्रे रसेल ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

आंद्रे रसेल ने आईपीएल में अपने 200 छक्के पूरे कर लिए और उन्होंने ये छक्के 1322 गेंदों खेलकर जड़े। रसेल अब इस लीग में सबसे कम गेंद खेलकर 200 छक्के पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले इस लीग में सबसे कम गेंद खेलकर 200 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज क्रिस गेल थे जिन्होंने यह कमाल 1811 गेंद खेलकर किया था, लेकिन अब वह लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं इस लिस्ट में किरोन पोलार्ड तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 2055 गेंदों पर 200 छक्के पूरे किए थे। आईपीएल में सबसे कम गेंद खेलकर 200 छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज एमएस धोनी हैं जिन्होंने 3126 गेंद पर यह कमाल किया था।

आईपीएल में सबसे कम गेंद खेलकर 200 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

1322	आंद्रे रसेल
1811	क्रिस गेल
2055	कीरोन पोलार्ड
2790	एबी डिविलियर्स
3126	एमएस धोनी
3798	रोहित शर्मा
3879	डेविड वॉर्नर

एबी और कोहली की खास लिस्ट में शामिल हुए रसेल

आंद्रे रसेल आईपीएल में डेथ ओवर्स में 200 प्लस की स्ट्राइक रेट के साथ 1000 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। रसेल से पहले इस लीग में ऐसा कमाल एबी डिविलिर्स और विराट कोहली ने किया था। रसेल ने इस लीग में डेथ ओवर्स में 200 प्लस की स्ट्राइक रेट के साथ 1013 रन बनाए हैं तो वहीं एबी ने 1412 रन जबकि कोहली ने 1045 रन बनाए हैं।

आईपीएल डेथ ओवरों में 200+ स्ट्राइक रेट से सर्वाधिक रन

1421 रन	एबी डिविलियर्स
1045 रन	विराट कोहली
1013 रन	आंद्रे रसेल
534 रन	ऋषभ पंत
414 रन	फाफ डु प्लेसिस
404 रन	क्रिस गेल

मोहम्मद शमी का दावा

शुभमन गिल को कप्तानी जल्दी मिल गई, लेकिन उनको...

नईदिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल आज यानी रविवार 24 मार्च को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में कैप्टेंसी डेब्यू किया। वे गुजरात टाइटन्स टीम की कप्तानी करते हुए नजर आए उनके सामने हार्दिक पांड्या होंगे, जो पिछले साल तक जीटी के कप्तान थे, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस की कमान संभाले

नजर आएंगे। इस मैच से पहले गुजरात टाइटन्स के ही एक खिलाड़ी मोहम्मद शमी ने कहा है गिल को कप्तानी जल्दी मिल गई है। शमी ने गिल को कप्तान बनाए जाने पर कहा कि उनको कप्तानी जल्दी मिल गई, लेकिन इस खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण बात ये है कि उनको कप्तानी के दवाब में नहीं आना चाहिए। हार्दिक पांड्या दो साल तक गुजरात की टीम के कप्तान थे, लेकिन एकाएक मुंबई इंडियंस में चले गए। ऐसे में युवा शुभमन गिल को जीटी ने कप्तानी सौंपी है। सर्जरी के बाद आईपीएल 2024 से बाहर हुए मोहम्मद शमी ने क्रिकबज पर कहा, जैसा कि आपने कहा (एंकर ने सुझाव दिया कि गिल को कप्तानी जल्दी मिल गई), कप्तानी की जिम्मेदारी जल्दी आ गई और उन्होंने इसकी उम्मीद नहीं की होगी; मुझे भी ऐसा लगता है, लेकिन आपको एक दिन जिम्मेदारी तो लेनी ही थी। आप पिछले सीजनों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। शमी ने आगे कहा, आपको कप्तानी पर बहुत अधिक भार नहीं लेना है, बस सामान्य रहें और धैर्य रखें।

सैमसन ने 6 छक्के लगाकर तोड़ा रोहित शर्मा का रिकॉर्ड

राजस्थान ने लखनऊ को 20 रन से हराया

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने आईपीएल 2024 के अपने पहले मुकाबले में केएल राहुल की टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ नाबाद 82 रन की पारी खेली और उनकी इस पारी के दम पर राजस्थान ने लखनऊ के खिलाफ 20 ओवर में 4 विकेट पर 193 रन बनाए।

इस मैच में राजस्थान के शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए, लेकिन इसके बाद संजू ने ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर टीम के स्कोर को बेहद मजबूत स्थिति में भी पहुंचाने का काम किया। संजू ने अपनी पारी के दौरान 6 बेहतरीन छक्के लगाए और रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

6 छक्के लगाकर रोहित से आगे निकले संजू सैमसन

संजू सैमसन ने लखनऊ के खिलाफ मुकाबले में नाबाद 82 रन बनाए और उन्होंने ये रन 52 गेंदों का सामना करते हुए बनाया और इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और 3 चौके लगाए।

इस पारी में 6 छक्के लगाने के बाद संजू सैमसन अब आईपीएल की एक पारी में 5 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए।

कोलकाता नाइट राइडर्स के हीरो को लगी चपत, हर्षित राणा की कटी 60 प्रतिशत मैच फीस

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा की शानदार गेंदबाजी के बदौलत शनिवार (24 मार्च) को कोलकाता के ईडन गार्डन में सनराइजर्स हैदराबाद को चार रन से हरा दिया। केकेआर के हीरो को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का कुल 60 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। राणा ने मैच के अंतिम ओवर में 13 रनों का बचाव करते हुए केवल आठ रन दिए और दो विकेट लेकर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई। राणा ने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल 1 की दो गलतियां कीं। उन पर दो संबंधित गलतियों के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत और 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। राणा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और मैच रेफरी की सजा स्वीकार कर ली। कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है।

मंयक को फ्लाइंग किस दिया– हर्षित ने 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी। वह मैच के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद बल्लेबाजों के साथ कई बार उलझे। उन्होंने मंयक अग्रवाल और अंतिम ओवर में हेनरिक क्लासेन को आउट करने के बाद ऐसे सेलिब्रेशन किया कि उनपर जुर्माना लगा। राणा को पावरप्ले में पिछले ओवर में एक छक्का और चौता लगा था। उन्होंने मंयक अग्रवाल को आउट करके उनकी अभिषेक शर्मा के साथ 60 रन की साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने मंयक को फ्लाइंग किस दिया। अग्रवाल ने भी पवेलियन जाते समय राणा को घूरकर देखा।

सुनील गावस्कर ने हर्षित राणा की आलोचना की– भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इस तरह के सेलिब्रेशन के लिए हर्षित राणा की आलोचना की। उन्होंने कहा, उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। जब वह उन्हें छक्के मार रहे था तो क्या बल्लेबाज ने उनके साथ ऐसा कुछ किया? इन हरकतों के बिना भी क्रिकेट खेला जा सकता है। मैं समझता हूं यह टेलीविजन का युग है। अपने साथियों के साथ जश्न मनाएं, लेकिन विपक्षी खिलाड़ी के सामने ऐसी हरकत करने की जरूरत नहीं है।

न्यूजीलैंड ने 3 रन से जीता तीसरा विमेंस टी-20

हारकर भी सीरीज में 2-1 से आगे इंग्लैंड, चौथा मुकाबला 27 मार्च को

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने विमेंस टी-20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड को 3 रन से हरा दिया। आखिरी ओवर में इंग्लैंड को 8 रन चाहिए थे, अनुभवी सूजी बेट्स ने यहां 4 ही रन दिए और 2 विकेट झटक लिए। 60 रन बनाने के बाद 2 विकेट लेने वाली सोफी डिवाइन प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। न्यूजीलैंड ने नेल्सन के स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम 8 विकेट खोकर भी 152 रन ही बना सकी। तीसरे टी-20 में जीत के बावजूद न्यूजीलैंड 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है। चौथा मैच 27 मार्च को खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड को मिली अच्छी शुरुआत– नेल्सन में होम टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। सूजी बेट्स ने संभलकर शुरुआत की, उनके साथ बर्नाडीन बेजीनहॉट ने तेजी से रन बनाए। दोनों ने पावरप्ले में कोई विकेट नहीं गिरने दिया फिर 7वें ओवर में बेट्स 14 रन बनाकर आउट हो गईं। उनके बाद बर्नाडीन भी 27 बॉल में 34 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

डिवाइन की फिफ्टी, अमीलिया केर के साथ जोड़े 99 रन– 55 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद कप्तान सोफी डिवाइन ने अमीलिया केर के साथ न्यूजीलैंड की पारी आगे बढ़ाई। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। डिवाइन आखिरी ओवर में 60 रन बनाकर आउट हुईं और दोनों के बीच 99 रन की पार्टनरशिप टूटी। केर 44 रन बनाकर नॉटआउट रहीं, उनके साथ मैडी ग्रीन भी नॉटआउट रहीं, जिन्होंने एक रन बनाया। टीम ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इंग्लैंड से डैनिले गिबसन ने 2 विकेट लिए, वहीं एक सफलता साराह ग्लेन का मिली।

माया के बाद इंग्लैंड ने लगातार विकेट गंवाए

माया भी 71 रन बनाकर 16वें ओवर में पवेलियन लौट गईं, उन्हें डिवाइन ने कैच आउट कराया। यहां से इंग्लैंड की टीम संभल ही नहीं सकीं। कप्तान हीथर नाइट 10, एमी जोन्स 6, बेस हीथ 3, होली आर्मिटेग 1 और चार्ली डीन 1 रन बनाकर आउट हो गईं। इंग्लैंड ने 25 रन बनाने में आखिरी 5 विकेट गंवा दिए। आखिरी ओवर में टीम को 8 रन चाहिए थे, यहां सूजी बेट्स ने 4 ही रन दिए और इंग्लैंड ने 3 रन से मुकाबला गंवा दिया। माया बाउचर ने 71 रन बनाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

डिवाइन और बेट्स को 2-2 विकेट

न्यूजीलैंड से सोफी डिवाइन और सूजी बेट्स ने 2-2 विकेट लिए। जबकि एक-एक विकेट हानाह रोव और अमीलिया केर को मिला। 2 बैटर रनआउट भी हुईं।

अजय की मैदान में क्यों प्रियामणी ने ली कीर्ति सुरेश की जगह?

डायरेक्टर अमित शर्मा ने बताई वजह

साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि एक बार फिर से पर्दे पर नजर आएंगी। वह अजय देवगन के साथ फिल्म मैदान में दिखेंगी। लेकिन उनसे पहले इस मूवी में साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश को कास्ट किया जा रहा था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके पीछे की वजह क्या थी, डायरेक्टर ने खुद खुलासा कर दिया है। शैतान की सफलता के बाद अब अजय देवगन ने अपनी लंबे समय से अटकी फिल्म मैदान पर सारा ध्यान लगा दिया है। इसमें वह भारतीय फुटबॉल के जाने-माने आर्किटेक सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें इनके अपोजिट साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि हैं। जिन्हें आखिरी बार शाहरुख खान की फिल्म जवान में देखा गया था। लेकिन पहले खबर थी कि इसमें कीर्ति सुरेश नजर आएंगी। वह इस मूवी का हिस्सा होंगी। लेकिन बात नहीं बन पाई। अटकलें लगाई जा रही थीं कि उम्र की वजह से शायद उन्होंने फिल्म से बाहर होने का फैसला किया होगा। लेकिन अब खुद डायरेक्टर ने खुलासा किया है। मैदान के डायरेक्टर अमित शर्मा ने इंटरव्यू में कीर्ति सुरेश के फिल्म छोड़ने की असली वजह का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उनके मन में रहीम की पत्नी के लिए एक खास नजरिया था और कीर्ति का वजन काफी कम हो गया था। जिस कारण वह इस किरदार के लिए सही नहीं लग रही थीं। सभी को ऐसा महसूस हुआ कि कोई और बेहतर होगा।

एक बार फिर आगे खिसकी टाइगर श्रॉफ अभिनीत रैम्बो

बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज पर टिका भविष्य

टाइगर श्रॉफ अभिनीत फिल्म रैम्बो को एक बार फिर होल्ड पर डाल दिया गया है। इस एक्शन फिल्म का भविष्य बड़े मियां छोटे मियां की बॉक्स ऑफिस सफलता तय करेगी। टाइगर श्रॉफ की पिछली रिलीज फिल्में गणपत और हीरोपंती 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में बेअसर रहीं। वहीं अब हर किसी की निगाहें टाइगर श्रॉफ की आगामी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज पर टिकी हुई हैं।

अभिनेता, अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी इस फिल्म से खुद को दोबारा साबित करने आ रहे हैं। फिल्म ने फैंस का उत्साह बढ़ाया हुआ है। इसी बीच टाइगर की आगामी एक्शन फिल्म रैम्बो पर भी बड़ा अपडेट सामने आ गया है।

एक बार फिर स्थगित हुई रैम्बो

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, रैम्बो को एक बार फिर से स्थगित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, रोहित धवन और सिद्धार्थ आनंद अप्रैल 2024 से रैम्बो को फ्लोर पर ले जाना चाह रहे थे, हालांकि, बजट के मुद्दों के कारण इसमें देरी हो गई है। फिल्म का बजट तकरीबन 150 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इसी बीच स्टूडियो पार्टनर जियो स्टूडियो ने बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज तक रैम्बो को होल्ड पर डालने का फैसला लिया है।

मैडनेस मचाएंगे इंडिया को हंसाएंगे को लेकर हुमा कुरैशी बोलीं- मैं कॉमेडी का आनंद लेती हूं

मैडनेस मचाएंगे इंडिया को हंसाएंगे में मैडनेस की मालकिन बनीं अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने कहा कि इस कॉमेडी शो के जरिए दर्शकों को उनकी असलियत देखने को मिलती है। हुमा ने टेलीविजन और कॉमेडी के बारे में अपना दृष्टिकोण रखा। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि टेलीविजन एक असाधारण माध्यम है। इसमें हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। मगर इस तरह के शो का हिस्सा बनना दर्शकों के साथ एक साप्ताहिक मुलाकात की तरह है, जिसमें उन्हें मेरे बारे में जानने को मिलता है। हाल ही में वेब सीरीज महारानी 3 में नजर आईं हुमा ने कहा, भविष्य में अगर मुझे दिलचस्प टेलीविजन परियोजनाओं में काम करने का मौका मिलेगा तो मैं उस पर विचार करूंगी। हुमा ने आगे कहा कि मुझे बताया गया है कि मेरी हंसी असरदार है और वास्तव में जब भी मैं हंसती हूं तो मेरे आस-पास के सभी लोग हंसते हैं और मुझे यह पसंद है। मेरा यह भी मानना है कि यही एक मुख्य कारण है कि मैंने इस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया। मुझे हास्य की बहुत अच्छी समझ है और मैं कॉमेडी का आनंद लेती हूं, इसलिए जब मुझे यह भूमिका निभाने की पेशकश की गई तो मुझे इसे स्वीकार करने में खुशी हुई और दर्शकों को मेरा यह पक्ष देखने का मौका मिला।

जन्नत 3 को लेकर फैंस के लिए आया बड़ा अपडेट

इमरान हाशमी इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेताओं में एक हैं। हाल के दिनों इमरान कई बड़ी और हिट फिल्मों में नजर आए। इमरान की हालिया रिलीज वेब सीरीज शो टाइम भी खूब चर्चा में हैं, जहां इमरान अपने किरदार से खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इंडस्ट्री में इस ऊंचाई पर पहुंचने के लिए इमरान ने लंबा संघर्ष किया, जिसमें साल 2008 में आई फिल्म जन्नत इमरान के करियर की टर्निंग प्वाइंट साबित हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद साल 2012 इस फिल्म का सीक्वल भी सुपरहिट रहा, बीते 11 साल से दर्शक इस फिल्म के तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिसे लेकर इमरान हाशमी ने बड़ा खुलासा किया है।

जन्नत 3 को लेकर इमरान ने कही ये बात

हाल ही में एक साक्षात्कार में इमरान ने जन्नत 3 के बारे में बात की। इमरान ने कहा, मेरे लिए यह सबसे बेहतर चीज होगी। शायद एक नई बोतल में पुरानी शराब जैसी। हालांकि इसके लिए निर्माता महेश भट्ट और मुकेश भट्ट को एक साथ आना होगा, जो शायद काफी मुश्किल है। हां अगर किस्मत में इसका बनना लिखा होगा तो मेरे लिए यह एक चमत्कार जैसा होगा।

फिर से निभाएंगे बैड बॉय वाले किरदार

इमरान ने आगे कहा, आने वाले दिनों मेरी कई नई फिल्मों में नजर आने वाला हूं, जिसमें दर्शक मुझे मेरी पुरानी बैड बॉय वाले किरदार में देख सकेंगे। मैं एक बार फिर से उस तरह की किरदारों को निभाऊंगा। गौरतलब है कि जन्नत इमरान हाशमी के करियर में सबसे महत्वपूर्ण फिल्म रही है। फिल्म की शानदार कहानी और बेहद प्यारे संगीत ने उन्हें दर्शकों के दिलों में बसा दिया। इस फिल्म के बाद इमरान की पहचान लीड रोल वाले अभिनेताओं में शुरू हो गई।

राखी सावंत ने बंदर-बंदरिया की फोटो से उड़ाया

आदिल और सोमी खान का मजाक!

क्या सोमी खान से शादी के बाद आदिल खान दुर्रानी ने फिर से राखी सावंत को फोन किया और बैठकर मामला सुलझाने की बात कही है? ये दावा राखी ने किया है। उन्होंने फोन पर हुई बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया और इसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया।

टीवी की ड्रामा क्वीन कही जाने वाली और बिग बॉस 14 की कंटेस्टेंट रह चुकीं राखी सावंत अक्सर चर्चा में रहती हैं। इस समय उनको लेकर दो खबरें चल रही हैं। पहला, उनका एक पोस्ट है, जिसमें उन्होंने बंदर के जोड़े की तस्वीर शेयर की है और फैंस इसे एक्स हसबैंड आदिल खान दुर्रानी और उनकी वाइफ सोमी खान से जोड़कर देख रहे हैं। दूसरा, उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जोकि उनके और आदिल के बीच की बातचीत का है। इसमें आदिल उन्हें गले लगाने, तुम मेरी हो और मुझे सुला दो... ऐसी बातें कर रहे हैं, वो भी सोमी से शादी के बाद। पहले आपको वो पोस्ट दिखाते हैं, जिसे देखकर आपकी हंसी छूट जाएगी। इसमें एक बंदर के जोड़े को इस तरह सजाया गया है, जैसे कि वो दूल्हा और दुल्हन हों।

इसे शेयर करते हुए राखी ने फैंस से पूछा है, अंदाजा लगाओ! कौन? इस तस्वीर को देख लोगों की हंसी छूट गई और भर-भरकर कॉमेंट्स आने लगे। राखी के एक्स हसबैंड रितेश ने भी कॉमेंट किया और हंसता हुआ इमोजी बनाकर लिखा, ये कौन है? वहीं, कुछ का कहना है कि ये आदिल और सोमी हैं। कई लोगों ने इसे बहुत अभद्र भी बताया।

कृति ने पूरी स्क्रिप्ट सुने बिना ही फिल्म क्रू के लिए हां कह दी

एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म क्रू की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। ऐसे में फिल्म के लेखक मेहुल सूरी और निधि मेहरा ने बताया कि एक्ट्रेस ने स्क्रिप्ट का दूसरा भाग सुनने से पहले ही फिल्म के लिए हां कर दी थी।

फिल्म अपनी रिलीज से सिर्फ एक सप्ताह दूर है, फिल्म के लेखक मेहुल सूरी और निधि मेहरा ने कृति के फिल्म में शामिल होने के बारे में दिलचस्प जानकारी शेयर की। राजेश ए. कृष्णन द्वारा निर्देशित, क्रू एक कॉमेडी फिल्म है और इसमें तब्बू और करीना कपूर खान भी मुख्य भूमिका में हैं।

इसके बारे में विस्तार से बताते हुए मेहुल सूरी और निधि मेहरा ने कहा, जब कृति ने स्क्रिप्ट सुनी तो वह अपनी हंसी नहीं रोक पाईं, उन्हें यह बेहद मजेदार लगी। उन्हें यह इतना पसंद आया कि उन्होंने पूरी कहानी सुने बिना ही तुरंत इस भूमिका के लिए हामी भर दी।

उनकी वास्तविक प्रतिक्रिया ने यह साबित कर दिया कि स्क्रिप्ट वास्तव में कितनी मनोरंजक है।बालाजी टेलीफिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशंस नेटवर्क द्वारा समर्थित, क्रू का निर्देशन राजेश ए कृष्णन ने किया है।यह फिल्म 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जल्द शादी करने वाली हैं कंगना

पिछले कुछ समय में कई बॉलीवुड सेलेब्स ने शादी कर ली है। हाल ही में रकुलप्रीत सिंह ने जैकी भगनानी से शादी की और उनके बाद पुलकित सम्राट और कृति खरबंदा भी शादी के बंधन में बंधे। अब खबर आ रही है कि कंगना रनौत भी नए जीवन की शुरुआत करने वाली हैं। फैंस लंबे समय से कंगना रनौत की शादी का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद वह काफी खुश भी हैं। बताया जा रहा है कि कंगना ने अपनी शादी का जोड़ा भी बनने दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंगना अपना जोड़ा एक ऐसे डिजाइनर से बनवा रही हैं जो हैं तो इंडस्ट्री के लेकिन ज्यादा मशहूर नहीं हैं। इस खबर को काफी प्राइवेट रखा गया है और कंगना किससे शादी करने वाली हैं इसका भी पता नहीं चल पाया है और न ही कंगना की ओर से इसपर कोई रिएक्शन आया है। फैंस का कहना है कि कंगना हर एक मुद्दे को लेकर हमेशा मुखर रही हैं तो शादी की खबर को क्यों छिपाएंगी। ऐसे में इसे केवल अफवाह भी माना जा रहा है। हालांकि कंगना ने कुछ समय पहले अपने शादी के प्लान के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह हमेशा से खुद का परिवार चाहती हैं। कंगना ने कहा था, हर लड़की अपनी शादी और परिवार बसाने का सपना देखती है। मैं पूरी तरह से पारिवारिक व्यक्ति हूं, यह मेरे लिए बहुत जरूरी है।' मैं शादी जरूर करना चाहती हूं और एक परिवार बनाना चाहती हूं और यह पांच साल से पहले हो जाएगा। अरेंज और लव मैरिज का मिक्स हो तो अच्छा रहेगा।

एसीपी अविनाश वर्मा बन फिर धमाल मचाएंगे मनोज

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भैया जी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस बीच अब अभिनेता की एक और नई फिल्म की घोषणा हो चुकी है। यह उनकी एक हिट फिल्म का सीक्वल है। स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म जी5 ने आज शनिवार, 23 मार्च को मनोज बाजपेयी की थ्रिलर फिल्म साइलेंस... कैन यू हियर इट? के सीक्वल की घोषणा की है। मनोज अब अपनी इस फिल्म के सीक्वल से फैंस के बीच धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सीक्वल फिल्म का नाम साइलेंस 2 द नाइट आउल बार शूटआउट है। फिल्म का निर्देशन अबन भरूचा देवहंस ने किया है, जिन्होंने 2021 में आई फिल्म के पहले भाग साइलेंस... कैन यू हियर इट? का निर्देशन किया था।

अदा ने सनफ्लॉवर 2 में भूमिका के लिए डांस बार में बिताई रातें

एक्ट्रेस अदा शर्मा ने सनफ्लॉवर 2 में अपनी भूमिका को लेकर खुलासा किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्होंने अपनी भूमिका के लिए एक डांस बार में रातें बिताईं। वह स्क्रीन पर प्रभावकारी दिखना चाहती थीं। एक्ट्रेस अदा शर्मा ने कहा कि मैं प्रभावकारी दिखना चाहती थी। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप डांस कब कर रहे हैं बल्कि यह इस बारे में है कि आप कैसे बैठते और खड़े होते हैं और परफॉर्मेंस नहीं करने के दौरान आप अपने शरीर के साथ कितने सहज हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह कभी-कभी ध्यान देने के लिए डांस बार में सुबह 5 बजे तक रुकती थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वे इतने अच्छे थे कि उन्होंने मुझे बार में रुकने और चीजों को देखने की इजाजत दी। कस्टमर्स से बात करते समय उनके आत्मविश्वास को मैंने देखने की कोशिश की। मैं रात को 9 बजे जाती थी, कभी-कभी सुबह 4 से 5 बजे तक रुकती थी। वेब सीरीज सनफ्लॉवरसीरीज एक हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों के जीवन पर आधारित है। वे एक हत्या के रहस्य में उलझ जाते हैं। इसमें सुनील ग्रोवर और मुकुल चड्ढा मुख्य भूमिका में हैं।

- साभार एजेंसी